Onward

(Haryana's Oldest Women College Magazine)

2024-25

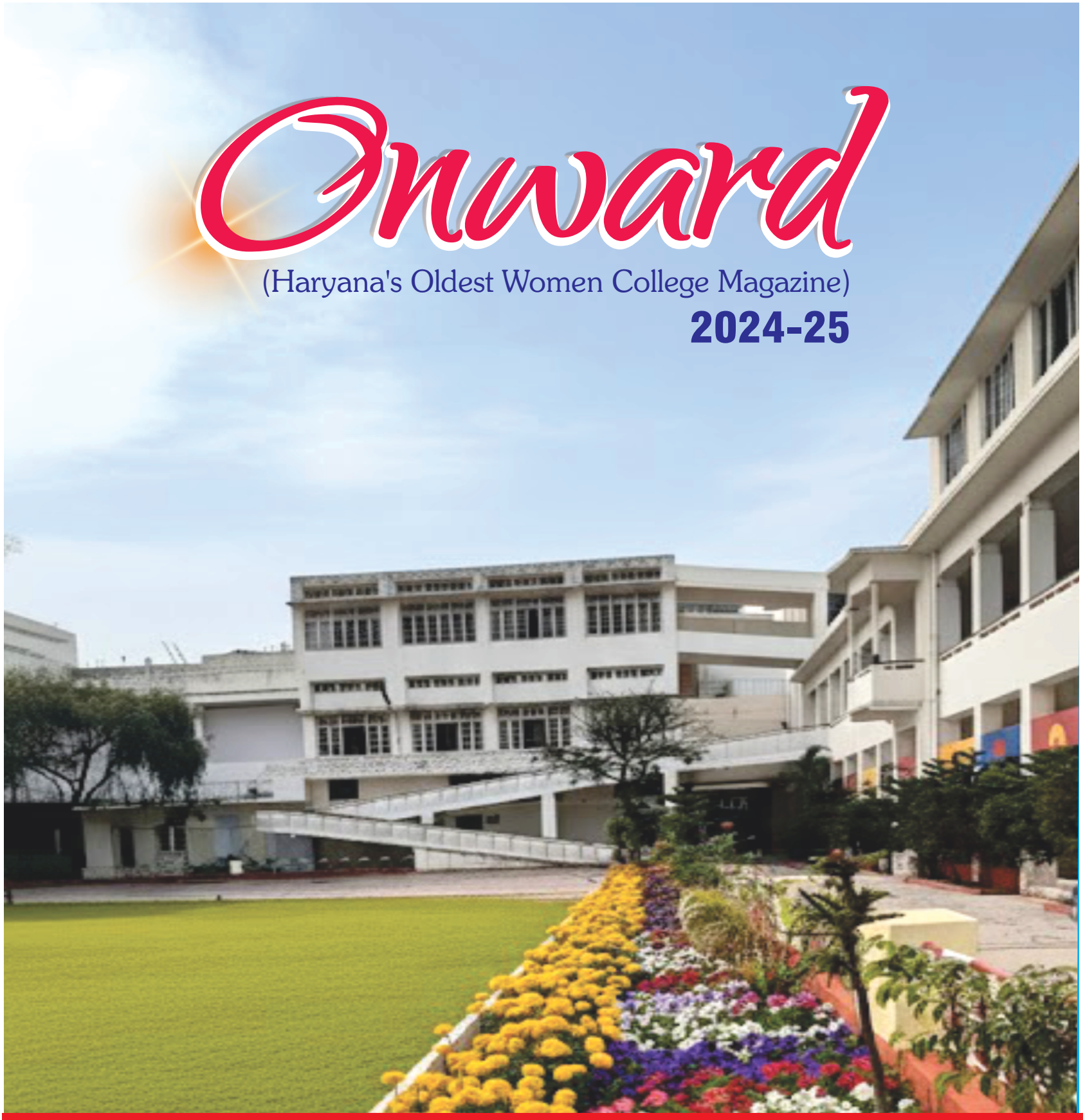

DEV SAMAJ COLLEGE FOR GIRLS (LAHORE)

AMBALA CITY

(Affiliated to Kurukshetra University)

Ph.: 0171-2511769 | E-mail: devsamajcollegeambala@gmail.com | Website: dscg.edu.in

Editorial Board

Left to Right: Dr. Anupam Sharma (Hindi Section); Mrs. Jaspreet Kaur (Punjabi Section); Mrs. Shubhda Thakur (Economics Section); Mrs. Mukta Arora (Principal); Ms. Reena Sharma (Chief Editor, English Section); Mrs. Neetika Bajaj (Commerce Section); Mrs. Pinky Bajaj (Home Science Section); Mrs. Kirti Gupta (Computer Section).

A Life Dedicated to Truth, Values and Education

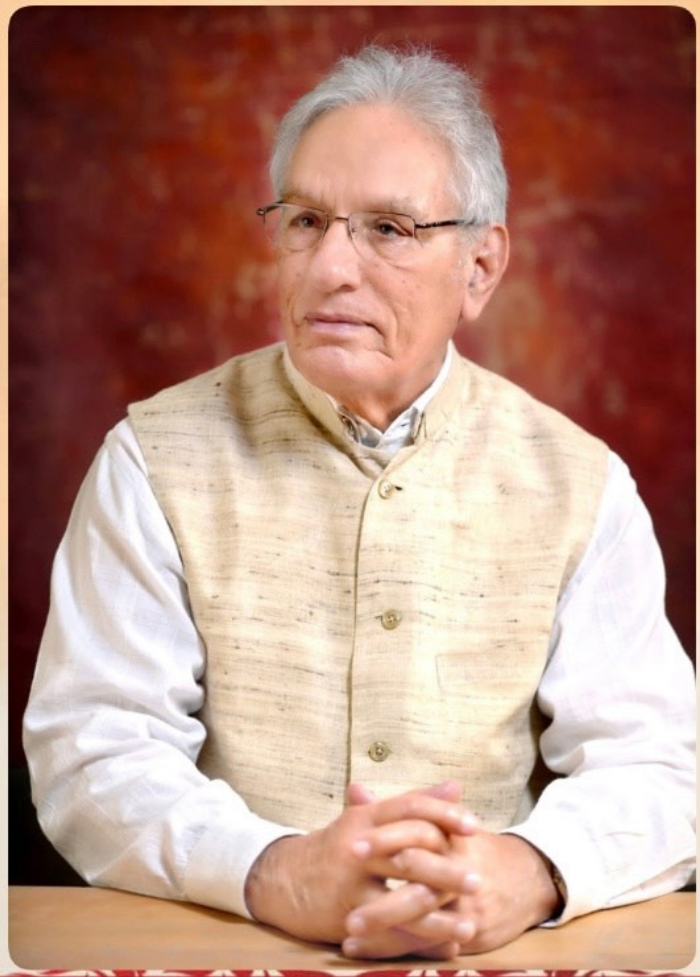

Tribute to Shriman Nirmal Singh Dhillon
(Our Guide and Mentor)

Shriman Nirmal Singh Dhillon is remembered as a towering figure whose visionary leadership and unwavering commitment to women's education have transformed all the Dev Samaj institutions into beacons of academic excellence and moral integrity. During his leadership as Secretary, Dev Samaj and Chairman, DSCW, Ferozepur, he championed value-based education and believed in inculcating scientific temper among the students. His emphasis on value-based education and moral rectitude has left an indelible mark on the institutions he led. His approach ensured that students not only excelled academically but also grew into responsible and civilized citizens embodying the principles of truth, beauty, and goodness in thought, speech, and action. His legacy continues to inspire, reminding us of the profound impact one individual's dedication can have on countless lives.

May his soul rest in eternal peace !

मेरे श्रद्धेय श्रीमान निर्मल सिंह जी

देव समाज के परम आदरणीय सचिव, बहुत सम्मान व श्रद्धा के योग्य श्रीमान निर्मल सिंह जी का जीवन समर्पण, त्याग और अटूट विश्वास की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रमाण है। उनकी उल्लेखनीय जीवन यात्रा, सेवा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता, ज्ञान की अतृप्त प्यास और एक असाधारण आत्मा से जुड़ी है जो परोपकारिता, निस्वार्थता और सादगी के आदर्शों का अनुकरण करती है।

काफी कम उम्र से ही श्रीमान निर्मल सिंह जी ने बौद्धिक गतिविधियों में गहरी रुचि दिखाई, खासतौर पर वैज्ञानिक ज्ञान के क्षेत्र में। विद्वानों और वैज्ञानिकों के प्रति उनकी प्रशंसा की कोई सीमा नहीं थी, वे सीखने और खोज के प्रति उनके समर्पण का अनुकरण करना चाहते थे। ज्ञान के प्रति उनका यह जुनून केवल ज्ञान के लिए नहीं था, यह दुनिया के बारे में उनकी जिज्ञासा और अस्तित्व के रहस्यों को समझने की इच्छा का प्रतिबिंब था। इसलिए, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उन्होंने अपने बेटे का नाम ब्रुनो के नाम पर रखा, एक ऐसे व्यक्ति को श्रद्धांजलि देते हुए जिनके काम ने उन्हें गहराई से प्रेरित किया था।

श्रद्धेय श्री निर्मल सिंह जी का ज्ञान के प्रति प्रेम स्पष्ट था, लेकिन उनका असली लक्ष्य मानवता और परम पूजनीय भगवान देवात्मा के मिशन की सेवा करना था। परोपकार व निस्वार्थ सेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता, उनके जीवन का मार्गदर्शक सिद्धांत बन गई। चाहे वह उनका निरंतर सुधार हो और हर कदम पर खुद पर काम करना हो या जरुरतमंदों की सहायता करना हो, आध्यात्मिक प्रयासों के लिए अपना समय समर्पित करना हो, या भगवान की शिक्षाओं और भगवान के मिशन में कार्यरत उच्च कोटि के कर्मचारियों के जीवन के बारे में कुशलता से लिखना हो, आपके पास दूसरों के अच्छे मूल्यों और उनके जीवन की यात्रा को, और अच्छे गुणों को देखने की दृष्टि थी।

मैंने देखा है कि श्रद्धेय श्रीमान जी हमेशा हर काम को विनम्रता और समर्पण के साथ करते थे। भगवान देवात्मा की शिक्षा के प्रति उनकी श्रद्धा ने उन्हें अपने उच्च उद्देश्य की प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। एक मिशनरी के नाम पर अपनी बेटी का नाम अग्नीज़ रखा जो दूसरों की सेवा करने और उन लोगों की विरासत का सम्मान करने के प्रति उनके गहन समर्पण का प्रमाण था, जिन्होंने मानवीय पीड़ा को कम करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। अपने अद्वितीय गुरु के प्रति धन्यवाद के प्रकाश में उन्होंने अपनी होनहार बेटी, जो अभी माननीय काउंसिल की एक वरिष्ठ सदस्य के रुप मे कार्यरत है, उसे देवसमाज के लिए मिशनरी बनने के लिए प्रेरणा देकर उन्हें भी गुरु मिशन में भेंट कर दिया है। यह बात अपने आप में ही, सभी देव समाजियों के लिए व आने वाली नस्लों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

श्रद्धेय श्री निर्मल सिंह जी की सबसे खास खूबियों में से एक थी, उनका असाधारण वक्तृत्व कौशल जो केवल संचार का एक साधन नहीं था बल्कि दूसरों को नेक कार्य करने के लिए प्रेरित करने और उनके जीवन में उद्देश्य और अर्थ की भावना पैदा करने का भी साधन था।

अपनी अनेक उपलब्धियों और प्रशंसा के बावजूद श्रद्धेय श्रीमान निर्मल सिंह जी उल्लेखनीय रूप से विनम्र और जमीन से जुड़े रहे। कठिन समय में, उन्होंने कभी भी अपने प्रयासों के लिए मान्यता या प्रशंसा की

चाह नहीं की, बल्कि चुपचाप दूसरों की सेवा करने और मिसाल कायम करने पर ध्यान केंद्रित किया। यहाँ तक कि जब उन्हें व्यक्तिगत चुनौतियों या असफलताओं का सामना करना पड़ा, तब भी उन्होंने अपनी ईमानदारी और अपने सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखी। ईमानदारी, विनम्रता का जीवन जीने के प्रति उनका अटूट समर्पण, उन सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है जो उन्हें गहराई से जानते हैं।

श्रद्धेय श्रीमान जी के परिवार पर उस समय दुखों का पहाड़ टूट गया जब उनकी प्यारी पत्नी अचानक दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसके परिणामस्वरूप उनकी असमय मृत्यु हो गई। यह क्षति विनाशकारी थी, दुख के बीच भी, उन्होंने अपनी आस्था और अपने उद्देश्य की भावना में शक्ति और सांत्वना पाई। खुद को निराशा में डूबने देने की बजाय, उन्होंने अपने दुख को भगवान देवात्मा और मानवता की सेवा के लिए अपने समर्पण के लिए ऊर्जा में बदल दिया। प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में उनका लचीलापन, उनके अटूट विश्वास और गुरू के मिशन के प्रति उनकी गहरी समझ का प्रमाण है।

उनके जीवन का एक और उल्लेखनीय पहलू उनकी असाधारण आत्मा था, जो परोपकारिता, निस्वार्थता और सादगी का आदर्श उदाहरण था। यह तब स्पष्ट हुआ जब उन्होंने रेलवे स्टेशन पर तीसरे दर्जे के डिब्बे में यात्रा कर रहे एक सन्त व्यक्ति श्रद्धेय श्रीमान गुरु सेवक सिंह जी को देखा। श्री निर्मल सिंह जी उन्हें देखकर जैसे उनके ही हो गये, वह उनके जीवन व सादगी से इतना प्रभावित हुए कि उन्होंने अपना डिब्बा छोड़ दिया और उस सन्त के पास चले गए। वे उनकी ओर आकर्षित हुए और यह देव समाज के सत्संग में भाग लेने की दिशा में पहला कदम था। देव समाज में पहली बार सभा सुनने के बाद, वे खुद को रोक नहीं पाए और तुरंत खड़े हो गए और वहीं भगवान के सेवक बनने के लिए प्रतिज्ञाओं से पहले ही अपना पूरा जीवन भगवान देवात्मा के मिशन के लिए समर्पित कर दिया। देव समाज के इतिहास में ऐसा उदाहरण पहले कभी नहीं हुआ था जो श्रीमान जी की अविश्वसनीय और असाधारण आत्मा को उजागर करता था।

श्रद्धेय श्रीमान निर्मल सिंह जी का जीवन सेवा, समर्पण और अटूट विश्वास की परिवर्तनकारी शक्ति का प्रमाण था। दूसरों की सेवा करने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता उनके असाधारण व्यक्तित्व, उनकी विनम्रता और ईमानदारी उन सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है जो दुनिया में सकारात्मक एवं प्रगतिशील बदलाव लाना चाहते हैं। श्रद्धेय श्रीमान जी एक अद्भुत वक्ता थे। देव समाज में पब्लिक लेक्चर के दिन लोग बड़ी बेसब्री से उनके भाषण का इंतजार करते थे और गहन विषय को भी सरलतापूर्वक श्रोताओं को समझाते थे। उनकी विरासत हमेशा चमकती रहेगी और आने वाली पीढियों को उनके पद चिन्ह पर चलने, सेवा और करुणा के जीवन के लिए खुद को समर्पित करने के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

जगदीश चंद्र भारद्वाज

चेयरमैन, देव समाज कॉलेज, अम्बाला

संदेश

परम पूजनीय भगवान देवात्मा जी की महान, आदर्श, वैज्ञानिक दृष्टि एवं विकासवादी विचारधारा से उच्च प्रेरणा प्राप्त कर आज सभी देव समाज संस्थाएं विकास के मार्ग की ओर अग्रसर हैं। आज हम सभी अत्यंत उत्साह और उल्लास के साथ नववर्ष 2026 का स्वागत कर रहे हैं, लेकिन नव वर्ष के आगमन की खुशी के साथ ही मैं निरंतर एक गहरी चिंता से घिरा हूँ-उस नई पीढ़ी को लेकर जो ऐसे संसार में बड़ी हो रही है जो अनेक विपरीत परिस्थितियों से ग्रस्त है। इनमें प्रमुख हैं– भू-राजनीतिक तनाव, जलवायु आपातकाल की भयावहता, युद्ध की नृशंसता, तथा अतिराष्ट्रवाद और सत्तावादी विश्व नेताओं की आक्रामकता।

ऐसा प्रतीत होता है कि वर्तमान विश्व नेतृत्व से यह अपेक्षा करना व्यर्थ है कि वे भू-राजनीतिक तनाव, जलवायु परिवर्तन की भयावहता, युद्ध की क्रूरता और अतिराष्ट्रवादी व सत्तावादी प्रवृत्तियों से मुक्त किसी नए विश्व की कल्पना करेंगे। इसके विपरीत, वे यथास्थिति को स्वीकार कर चुके हैं और अपने अस्तित्व की कल्पना आज्ञाकारी श्रमिकों के रूप में करते हैं, जो नव-उदारवादी साम्राज्यवाद की उत्पादकता बढ़ा रहे हैं, तथा ऐसे नागरिकों के रूप में जो आत्ममुग्ध नव-फासीवादी राजनीतिक नेताओं को नमन करते हैं।

चूँकि सब कुछ उस शिक्षा पर निर्भर करता है जो हम प्राप्त करते हैं, यदि शिक्षा केवल तकनीकी और उपकरणात्मक बनी रहे-केवल आर्थिक उत्पादकता का साधन या महज प्रशिक्षण का माध्यम तो इन विपरीत परिस्थितियों से संघर्ष की संभावना अत्यंत क्षीण रह जाएगी। अतः एक विवेकशील व्यक्ति के रूप में मैं वैज्ञानिक चेतना पर आधारित गुणात्मक रूप से भिन्न शिक्षा की अपील करता हूँ। वर्ष 2026 में भी जो लोग यह विश्वास रखते हैं कि शिक्षा का उद्देश्य एक बेहतर संसार का निर्माण करना है, वे महाकवि रवींद्रनाथ टैगोर, जिद्दू कृष्णमूर्ति और पाउलो फ्रेरे के जीवन से प्रेरणा लें और शिक्षा को लालच, भय, युद्धोन्माद और अतिराष्ट्रवाद के विषाणु से बचाने के लिए एक आंदोलन आरंभ करें।

आज के समय में, सार्थक, समृद्ध और अर्थपूर्ण शिक्षण तथा संलग्न शिक्षाशास्त्र को छोड़कर लगभग हर वह चीज महत्वपूर्ण मानी जाती है जिसे मापा जा सकता है-चाहे वह उद्धरण सूचकांक हो या शोध पत्रों का बड़े पैमाने पर उत्पादन। इसके अतिरिक्त, इस विषाक्त समय में जब शैक्षणिक स्वतंत्रता संकट में है, बहुत कम शिक्षक जोखिम उठाने को तैयार हैं। आज्ञाकारी सैनिकों की भाँति वे केवल आधिकारिक पाठ्यक्रम का पालन करते हैं, जबकि युवा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को संवेदनशील बनाना कहीं अधिक आवश्यक है।

हर वर्ष जब नए युवा विद्यार्थी महाविद्यालय में प्रवेश लेते हैं, अपनी जीवन ऊर्जा के साथ उच्च शिक्षा की यात्रा प्रारंभ करते हैं तब हमारा महाविद्यालय जीवंत, उल्लासपूर्ण और उत्सवधर्मी हो उठता है, किंतु यही वह समय भी है जब हर संवेदनशील और ईमानदार शिक्षक आत्ममंथन करता है और आने वाली चुनौतियों पर विचार करता है। आखिरकार, इन युवाओं को दिशा देना, उनके मन को संवेदनशील बनाना, उनकी पूर्वाग्रहग्रस्त धारणाओं को चुनौती देना और उन्हें उच्चतर चिंतन की ओर ले जाना सरल कार्य नहीं है।

इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि आज की युवा पीढ़ी को यह समझाना दिन-ब-दिन कठिन होता जा रहा है कि सब कुछ बिकाऊ नहीं है, वस्तुतः शिक्षा का उच्च उद्देश्य एक सजग, संवेदनशील नागरिक बनना है-जो आलोचनात्मक और वैज्ञानिक ढंग से सोच सके, नए प्रश्न उठा सके, तकनीकी-आर्थिक तर्क और मौद्रिक लेन-देन की संकीर्ण दृष्टि से परे संसार को देख सके तथा एक न्यायपूर्ण और मानवीय भविष्य की कल्पना कर सके ताकि मानवीय गुणों पर आधारित समाज का निर्माण हो सके।

ऐसे समय में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग जैसी बाजार-हितैषी ज्ञान प्रणालियों का अतिरेक है, किसी युवा विद्यार्थी को पुस्तकालय जाने, महान कार्ल मार्क्स, सत्य और अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी और न्याय को समर्पित बाबा साहेब आंबेडकर को पढ़ने तथा उनके विचारों का आलोचनात्मक अध्ययन करने के लिए प्रेरित करना आसान नहीं है - क्योंकि यह अध्ययन यथास्थिति को अस्थिर भी कर सकता है। यही वह चुनौती है जिसे सामाजिक विज्ञान और मानवता को समर्पित अच्छे शिक्षकों को स्वीकार करना होगा, ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि शिक्षा केवल भविष्य की नौकरियों के लिए प्रशिक्षण नहीं है बल्कि मानवीय गुणों से परिपूर्ण समाज की स्थापना करना है।

संभव है कि निकट भविष्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपासकों को यह याद दिलाना पड़े कि महान कार्ल मार्क्स, महान मनोवैज्ञानिक सिगमंड फ्रायड और महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने अपनी स्वयं की बुद्धि पर विश्वास किया, उसे परिष्कृत किया, उस पर कार्य किया और इस प्रकार संस्कृति, राजनीति, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान और विज्ञान की हमारी समझ को समृद्ध किया। वे बिना किसी एआई के वही बने जो वे वास्तव में थे। कोई यह तर्क दे सकता है कि आज की एआई इतनी उन्नत है कि वह महाकवि रवींद्रनाथ टैगोर या विलियम ब्लेक से भी बेहतर कविता लिख सकती है। किंतु एआई हमें कवि होने के अनुभव से परिचित नहीं करा सकती।

संभवत: केवल एक संवेदनशील साहित्य शिक्षक या महान कवि ही विद्यार्थियों को यह समझा सकता है कि विलियम ब्लेक के लिए इसका क्या अर्थ था–

"To see a World in a Grain of Sand
And a Heaven in a Wild Flower"

अर्थात् मनुष्य को रेत के एक कण में संपूर्ण संसार को देखना चाहिये और एक जंगली फूल में स्वर्ग को देखना चाहिये ।

ए आई के कट्टर उपासक युवा शिक्षार्थियों को संवादात्मक कक्षा में अपने शिक्षकों के सान्निध्य से वंचित न करें। भारत का भविष्य इस विषाक्त सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण में पनप रही नई पीढ़ी पर निर्भर करता है, और एक शिक्षक के रूप में हमें यह महसूस करना होगा कि आशा का शिक्षाशास्त्र (Pedagogy of Hope) के विचारों और व्यवहार को फैलाना अत्यंत आवश्यक है।

क्या हम चाहते हैं कि हमारे विद्यार्थी हिंसक, आत्मचिंतन से रहित और क्रूर योद्धाओं के समूह में बदल जाएँ, जो कठोर वाणी का प्रयोग करते हुए अपने शत्रु खोजते फिरें? क्या हम चाहते हैं कि वे गैर-जिम्मेदार राजनेताओं के घृणास्पद भाषणों से मदहोश हो जाएँ? या फिर हम चाहते हैं कि वे बौद्धिक रूप से समृद्ध नागरिक बनें, जिनमें समाज के प्रति निस्वार्थ सेवा की भावना हो, और जो प्रेम व मानवता के प्रति एकजुटता से परिपूर्ण हों?

इतिहास हमें क्षमा नहीं करेगा यदि हम मौन दर्शक बने रहते हैं और आज के जननायकों के खोखले इशारों तथा झूठे प्रचार में बहते चले जाएँ।

अंबाला शहर में देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्ज़ की स्थापना लगभग सात दशक पहले देव समाज के महान आदर्श और फलसफे के प्रचार-प्रसार एवं नारी जाति को सुशिक्षित करने के उद्देश्य से की गई थी। हमारा लक्ष्य है कि परमपूजनीय भगवान देवात्मा द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर केवल वैज्ञानिक आधार पर विकसित शिक्षण-पद्धति, सकारात्मक तथा जीवन-पोषक कार्यों और आचरण के माध्यम से विद्याथियों को शिक्षित करने के लिए प्रयासरत रहें।

मैं देव समाज के महान विचारक एवं पूर्व देव समाज सचिव परलोकवासी श्रद्धेय श्रीमान निर्मल सिंह जी ढिल्लों को हार्दिक गहरे भावों से स्मरण करते हुए उनके क्रियाशील व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर इस कॉलेज की प्रगति और विकास की कामना करता हूँ। मैं वर्तमान देव समाज सचिव श्रीमती डॉ. अग्नीज ढिल्लों की कार्यशीलता एवं प्रयत्नों की सराहना करता हूँ जो अपने श्रदधेय पिताजी (श्रीमान निर्मल सिंह जी) की तरह ही देव समाज के विकास के लिए प्रयत्नशील हैं। साथ ही, मैं प्रबंधकारिणी समिति, प्राचार्य, प्राध्यापिकाओ एवं कॉलेज में कार्यरत प्रत्येक सदस्य और विद्यार्थियों की भी सराहना करता हूँ, जो शिक्षा के मूल्यों को बढ़ाने में अद्भुत योगदान दे रहे हैं । हम अपने विद्यार्थियों को मनुष्यजाति में सत्य और प्रसन्नता खोजने में सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस मिशन को निरंतर आगे बढ़ाते रहेंगे ।

अंत में, मैं 'Onward' पत्रिका के हमारे संकलनकर्ताओं, रचनात्मक कार्यो को करने में प्रयत्नशील अपने सभी शिक्षकों, गैर-अध्यापकवर्ग, विद्यार्थियों और महाविद्यालय से जुड़े उन सभी जनों को बधाई देता हूँ जो पूर्ण सेवाभाव से कॉलेज के विकास के लिये समर्पित हैं। मैं आशा करता हूँ कि हम सब के प्रयत्नों एवं कार्यशीलता से हम इस महाविद्यालय का गौरव बनाए रखने के लिए समर्पित रहेगें। इसके लिए मैं आप सभी को आगामी दिनों के लिए हार्दिक अभिनंदन एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

सम्मान एवं स्नेह के भावों सहित!

जगदीश चंद्र भारद्वाज
अध्यक्ष, प्रबंध समिति

प्रो० सोमनाथ
कुलपति

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
कुरुक्षेत्र-136119 (भारत)
(राज्य विधान सभा के एक्ट XII द्वारा 1956 से स्थापित)
(A+ ग्रेड, नैक प्रत्यायित)

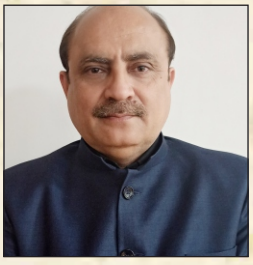

संदेश

यह हर्ष का विषय है कि ए-प्लस-प्लस ग्रेड कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से सम्बन्धित देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्ज़ (लाहौर) अंबाला शहर अपनी वार्षिक पत्रिका 'ऑनवर्ड' का प्रकाशन शीघ्र करने जा रहा है।

हरियाणा के प्राचीनतम देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्ज, उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में अपनी गुणात्मक, मूल्यात्मक एवं नैतिकतापूर्ण शिक्षा के लिए प्रसिद्ध रहा है। नित नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए यह महाविद्यालय अपने राज्य तथा देश की संस्कृति और संस्कारों को सिंचित करते हुए, नई पीढ़ी में नव चेतन एवं उमंग का संचार कर रहा है जिसमें यह पत्रिका अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है। महाविद्यालय पत्रिका के माध्यम से छात्राओं की रचनात्मक योग्यता को संजोने की परियोजना निश्चय ही एक सकारात्मक कदम है।

पत्रिका वास्तव में ही छात्राओं को उनकी लेखकीय क्षमता, बौद्धिक सामर्थ्य व कल्पनाशीलता को निखारने का एक अति सार्थक मंच प्रदान करती है। नि:संदेह रचनात्मक योग्यता को निखारने में पत्रिकाएं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मेरा विश्वास है कि वार्षिक पत्रिका ऑनवर्ड अपने इन उद्देश्यों में अवश्य सफल होगी।

मैं कॉलेज के प्राचार्य व जिन विद्यार्थियों व शिक्षकों ने इस पत्रिका के रूप-सज्जा के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उन्हें मैं हार्दिक बधाई देता हूं तथा उनके सफल भविष्य की कामना करता हूं।

(सोमनाथ)

प्राचार्या के हृदय से

प्रिय विद्यार्थियो!

हरियाणा के प्राचीनतम महिला महाविद्यालय की पत्रिका ऑनवर्ड का नवीनतम अंक देव समाज के पूर्व सेक्रेटरी श्रद्धेय श्रीमान निर्मल सिंह जी ढिल्लों के परम पावन देव जीवन को समर्पित है। श्रद्धेय श्रीमान जी का पवित्र एवं उच्च भाव भावित जीवन हम सब के लिए एक मिसाल है और प्रेरणा की ज्वलंत मशाल भी है । उनका व्यक्तित्व और कृतित्व निश्चित रूप से सदा-सर्वदा हमारा पथ प्रदर्शन करता रहेगा। 5 मई, 2025 को श्रद्धेय श्रीमान जी अपनी जीवन यात्रा पूरी करके सभी को शोकनिमग्न छोड़कर कर देवलोक गमन कर गए ।

देव धर्म की एक उज्ज्वल-ज्वलन्त मशाल अन्य अनेक प्रकाश पुंजों को आलोकित कर अनंत प्रकाश में विलीन हो गई । एक शक्तिशाली ऊर्जा-स्रोत अपने प्रेम और करुणामय स्वभाव से अनेक व्यक्तियों के जीवन में जीवंतता पैदा कर के देव-ऊर्जा में समाहित हो गया ।

परम श्रद्धेय श्रीमान जी के प्रति अपने भाव लिखते समय हृदय भर आया है और आँखें नम हैं। आपके देवलोक गमन के समाचार से समस्त देव समाज परिवार व्यथित एवं शोकाकुल है। परम पूजनीय भगवान देवात्मा जी के उपदेश को आत्मसात् करके आपने अपने जीवन का इतना उत्थान किया कि आप स्वयं देवत्व की श्रेणी में पहुँच गए। आपके आभामंडल, ओजस्विता और उच्च सात्विक गुणों से आपके समीप आने वाले सभी लोग धर्म लाभ करते रहे। आपका प्रभावशाली व्यक्तित्व सभी को अपने सम्मोहन में बाँधने की क्षमता रखता था । आपकी वैज्ञानिक दृष्टि एवं विकासवादी दृष्टिकोण से सभी निरंतर प्रेरणा प्राप्त करते रहे हैं और करते रहेंगे । आपने परम पूजनीय भगवान देवात्मा जी के देव साहित्य का गहन अध्ययन किया और उनके जीवन दर्शन की अद्‌भुत व्याख्या की और आने वाली पीढ़ियों के लिए लाभदायक साहित्य की रचना की ।

हम सदा आपके पाकीजा जीवन से प्रेरणा प्राप्त करते रहे हैं और आगे भी आपकी लेखनी हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी । किसी शायर ने कहा है कि

तस्कीन ए दिल के वास्ते हर शै हैं बेक़रार
तस्कीन ए दिल के वास्ते हम सफर में हैं

आपने अपनी ज़िंदगी में ही यह सुकून हासिल कर लिया था, जो आपके जज़्बे और जुनून में स्पष्ट झलकता था । उम्र आपके लिए मात्र एक संख्या ही थी । एक मानव अपनी कर्मठता, दृढ़ संकल्प शक्ति, मजबूत इच्छाशक्ति एवं संयम से देवत्व हासिल करने में समर्थ हो सकता है, आपका श्रेष्ठ जीवन इसका जीवंत उदाहरण है । आपने अपने जीवन की सभी भूमिकाओं को बखूबी निभाया और यही संस्कार अगली पीढ़ी को भी सौंप दिए । आपको विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यही कहूँगी कि

आप बिछड़े तो ऐसे बिछड़े
कि खुद को हमारे पास रख गए ।

प्राचार्य
मुक्ता अरोड़ा
देव समाज कॉलेज फार गर्ल्स

Chief Editor's pen ....

I'm thrilled to share this year's edition of our college magazine with you.

We dedicate this edition to the memory of the late Sh. Nirmal Singhji Dhillon, our former Secretary of Dev Samaj. He was a true guiding force whose support was vital to our success. His legacy continues to inspire us, and he is deeply missed.

Putting this issue together has been an incredible journey of creativity and teamwork. Inside, you'll discover a vibrant mix of ideas, talents, and voices from our amazing college community. Our contributors have shared their unique perspectives, creating a collection of work that I hope you'll find engaging and inspiring. This magazine is more than just articles; it's a celebration of the curiosity and self-expression that make our college special.

I want to extend a huge thank to Dr.(Mrs.) Agnese Dhillon, Secretary, Dev Samaj, Sh. J.C. Bhardwaj, Chairman of Dev Samaj College For Girls, Ambala City, the local College Managing Committee members and our Principal for their guidance. A special thanks also goes to the dedicated editorial team and every single person who contributed to making this magazine a reality.

As you flip through the pages, I hope you enjoy the creativity and passion you find. May it be a source of pride for us all.

Happy reading!

Warm Regards

Ms. Reena Sharma

SCHOLASTIC STANDOUTS

MANSI
B.A Sem. I
(89.17%)

HARSHPREET KAUR
B.A. Sem I
(84.83%)

KANIKA AGNIHOTRI
B.A. Sem II
(83.67%)

HARKIRAT KAUR
B.A. Sem II
(81.83%)

MANPREET KAUR
B.A Sem. III & IV
(82.75% & 84.75%)

JASPREET KAUR
B.A. Sem, III
(80.80%)

PRIYA SHARMA
B.A. Sem, IV
(85.17%)

SIMRAN KAUR
B.A. Sem, V & VI
(76% & 76.54%)

GURMAN
B.A. Sem. V
(73.75%)

ISHU SHARMA
B.A. Sem VI
(75.83%)

ISHA SHARMA
B.Com Sem I & II
(84.17%% & 81.83%)

VARSHA
B.Com Sem I & II
(84% & 82.5%)

DOLLY FAUJJDAR
B.Com Sem III & IV
(77.10% & 72.30%)

ISHITA
B.Com Sem III
(77.30%)

PREET KAUR
B.Com Sem IV
(72%)

HARSHPREET KAUR
B.A. Sem V & VI
(81.83% & 83.03%)

GARIMA JAIN
B.Com Sem V & VI
(81.50% & 80.56%)

THE MOVERS & SHAKERS OF OUR CAMPUS

NAVJOT KAUR
(B.A. III)
The Best Student (Arts)
The President
The Stage Secretary
The Most Sincere NSS Volunteer

DIVYA SHARMA
(B.Com III)
The Best Student (Commerce)

PALAK (B.Com III)
Vice President
The Most Obedient Student

NAMAN
(B.A. III)
Miss Final
The Most Supportive Student
The Most Active NSS Volunteer

KHUSHPREET KAUR
(B.A. III)
The Stage Secretary
The Best Thought of the Day

RIGAN SHARMA
(B.Com III)
The Best Thought of the Day

JASPREET KAUR
(B.A. III)
The Most Obedient Student

MANPREET KAUR
(B.A. III)
The Most Sincere STudent

PREET KAUR
(B.Com III)
The Best NSS Volunteer
The Most Sincere Student

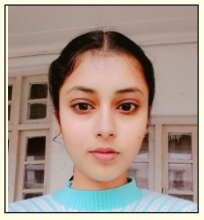

Khushbu
(B.A. III)
The Best Performer in Fine-Arts Activities

ANU
(B.Com III)
The Most Creative Artist

Inayat
(BA III)
The Most Creative Artist

JASKARN KAUR
(B.A. III)
The Most Hardworking Student

VANSHIKA SHARMA
(BA III)
The Most Regular Student
(100% Attendance)

HARMANDEEP KAUR
(B.Com III)
The Most Regular Student
(100% Attendance)

SIMRAT KAUR
(B.Com III)
The Most Versatile Student

BHUMIKA
(B.A. III)
The Best Performer in Cultural Activities

MUSKAN VERMA
(B.A. II)
The Best Performer in Haryanvi Dance

GURVINDER KAUR
(B.A. III)
The Best YRC Volunteer

PALLAVI
(B.Com III)
The Most Sincere NSS Volunteer

SNEHA
(B.A. III)
The Best Literary Artist

English Section

Staff Editor :
Reena Sharma
HOD, English

CONTENT

1.	Editorial	Ms. Reena Sharma	HOD, English
2.	Letters of the Divine Disciple : Bhagwan Devatma's Vision of True Life (An Excerpt from Shriman P. V. Kanal's Book - Bhagwan Dev Atma)	Najot Kaur	B.A. Final Year
3.	Always Aim : Bullseye	Japreet Kaur	B.A. Final Year
4.	An Open letter to My College	Shivanika	B.A. Final Year
4.	My Dear Mobile Phone	Muskan	B.A. Second Year
5.	Overcoming Stage Fright : My Journey to Confidence	Khupreet Kaur	B.A. Final Year
6.	A Trip to Shimla	Twinkle Sharma	B.A. Final Year
7.	Mental Gymnastics	Monica	B.A. Final Year
8.	A to Z a Good Student	Jaskaran Kaur	B.A. Final Year
9.	The Educational Philosophy of Dev Samaj College	Manpreet Kaur	B.A. Final Year
10.	Tickle your Brain	Jaspreet Kaur	B.A. Second Year
11.	NSS Diaries: A Path to Social Responsibility	Naman	B.A. Final Year
12.	Great Minds, Great Words	Prabhjot Kaur	B.A. Final Year
13.	Yoga Bliss : Top Poses Four Young Women	Muskan	B.A. Final Year

EDITORIAL

Nature, in its profound wisdom, has entrusted a few of its noblest duties to living beings. Among them, the responsibility of nurturing life begins with the mother, who brings a child into the world through immense pain, love, and sacrifice. But once the foundation is laid, it is the teacher who takes over the monumental task of shaping the child's mind, character, and future.

While a mother gives life, a teacher gives direction to that life.

A teacher's responsibility goes far beyond delivering academic knowledge. Just as a sculptor carefully carves a masterpiece from raw stone, a teacher molds a student's personality with patience, precision, and deep insight. The classroom becomes a workshop where potential is identified, cultivated, and polished.

One of the greatest challenges a teacher faces is understanding the individuality of each student. No two children are the same—some may learn quickly, while others need time; some are outgoing, others introverted; some are confident, others broken. A teacher must act as a keen observer, a thoughtful strategist, and a compassionate guide. She must recognize not just what a child knows, but what the child can become.

In a limited time, a good teacher must assess, adapt, and act. Categorizing students based on mental capacity, emotional maturity, and learning styles is not just a task—it's an art. And unlike factory work, where the process is the same for every product, teaching requires personal investment in each child. A single act of neglect, a moment of impatience, or a missed opportunity can cause lasting damage. But a single word of encouragement, a well-timed correction, or an inspiring lesson can transform a student's life forever.

Beyond textbooks and tests, teachers impart values—honesty, resilience, empathy, and critical thinking. In a world full of distractions and disillusionment, it is the teacher who anchors young minds to purpose and possibility. They teach not just how to earn a living, but how to live meaningfully. They sow seeds of curiosity, awaken dreams, and cultivate discipline.

In today's fast-changing society, the role of a teacher is more crucial than ever. With information available at our fingertips, students don't just need data—they need direction and just a pat. They need mentors who can teach them how to think, not just what to think. A teacher today must be a counselor, a coach, a role model, and sometimes even a protector.

Many teachers go beyond the classroom. They invest their time and energy in students' lives—staying after hours to help, buying materials from their own salary, or simply offering a listening ear when no one else will. These acts of selflessness are rarely acknowledged, but they leave an eternal imprint.

Therefore, the responsibility of a teacher is much greater than that of anyone else. Others may rest for a while or neglect their duties, but a teacher can never afford to be exhausted .Even a slight negligence on their part can ruin a child's entire life—it is no less than homicide. Therefore, whenever your mind tempts you to shrink from your work or take your responsibilities for granted, you should reconsider your role as a teacher. In such a case, it would be better to seek a position in the corporate sector, where the consequences of negligence are rarely as deeply personal or long-lasting

You may be tired, your spirit sore,
But still they knock upon your door.
For, in your hands their hopes reside—
You are their beacon, strength, and guide.

Ms. Reena Sharma
HOD, English

LETTERS OF THE DIVINE DISCIPLE: BHAGWAN DEVATMA'S VISION OF TRUE LIFE

(An Excerpt from Shriman P. V. Kanal's Book - Bhagwan Dev Atma)

Bhagwan Devatha wrote scores of letters to his most revered father during his stay at Roorkee. We publish some quotations from these letters with the object of showing the extent of his knowledge about his supreme ideal of life, which had awakened in him and the true spirit of Vairagya which animated his youthful soul even at that period of life.

1. **Relating to his Chief Ideal -** Bhagwan wrote to his father in the letter dated the 31st March, 1873, as under:-

   "So long we have body we may have physical illness too. I feel no necessity whatsoever for any religious worship or recitation for the purpose of removing my bodily disease. Lover of Dharma has to remain above all worldly pains or pleasures….. This body is liable to decay and death. Higher life alone is the one most essential object for every human soul."

2. **Indifference to Wealth and Property - in the performance of religious exercise conducive to the realisation of above supreme ideal -**

   Bhagwan wrote on the 13 March 1868, as under:-

   "You wrote to me that the sin committed by the cook has been out there. I myself did not write to you about the theft, because I did not like the man to say that he had come all the way to serve me, while I tarnished his character with this charge. The loss of this amount did not pain me in the least because I have not made myself a slave of the wordly things."

   In a letter dated the l4th August, 1869 Bhagwan wrote from Roorkee as under:-

   "I do not at all consider wealth and property of this world or the material comforts and things as the end and aim of my life. My supreme goal is Higher or Dharmic life. I preferred the post of a teacher on Rs. 40 in the Roorkee college to a post at Kosi carrying Rs. 65 per mensem, because here I shall be able to live under the most elevating influences of my revered benefactor (i.e. Guruji). On reaching this place I have been living in the society of my Guru and have been passing very happy."

3. **Indifference to Fame and Name-** His revered father once wrote to Bhagwan that his kinsmen did not like his strange ways. Bhagwan wrote in reply in a letter dated the 13th November, 1869 as under.-

   "You know that even while living in the world, I prefer the life of a faqir. One of the necessary disciplines of such a life is that one must keep himself above and unaffected by the praise and blame of the world."

4. **Indifference to the Considerations of Pain, Pleasure or Misery and Happiness-** In one of his letters dated the 18th November, 1872, Bhagwan while writing upon the same subject said as under:-

   "When others do not see me as I am, or misunderstand and misrepresent me I do receive a very severe shock such as I can hardly describe in words. But I try to console myself and calmly swallow this bitter pill, with the thought that from the world, constituted as it is,

nothing better could be expected. A lover of higher life should as far as possible be above all the considerations of pain and pleasure or misery and happiness. It is a necessary discipline for a lover of higher life to patiently bear all the difficulties and calamities which meet him in the path of higher life."

5. **Being above the Terror of Death -** Bhagwan lost his first born son. His father informed him of the sad event as it happened at Akbarpur. Bhagwan wrote to his father in reply as under , in his letter dated January 1871:-

"I have come to know from your letter of the premature demise of my child. Sooner or later all of us have to pass away. It is useless to feel miserable with regard to what is inevitable. You and dear mother must have been shocked by this painful event. But it behoves you all to bear it patiently. I hope you will control yourself and console dear mother."

These very few samples of the letters, written by him between the ages of eighteen and twenty-three shed a glorious light upon Bhagwan's inner life.... His father and all others did not approve of his ways. But like a needle he was drawn to his magnet against all the opinions of the world, against all the considerations of personal loss or in convenience and infact against all the obstacles that stood in his ways.

Navjot Kaur
B.A. Final year

ALWAYS AIM: BULLSEYE

When Swami Vivekananda was traveling across India, he came to a village where a group of young boys was practicing archery. However, they were struggling to hit the target. Seeing the monk, one of them mockingly said, "Swami ji, can you hit the target?"

Swami Vivekananda smiled and accepted the challenge. He took a bow and arrow, aimed, and hit the bullseye on his first try. The boys were shocked.

One of them asked, "How did you do that, Swamiji? You're not even trained!"

Swami Vivekananda replied calmly, "When you concentrate fully, with faith in yourself, even the most difficult task becomes possible. Your mind should be as still and focused as the arrow aimed at its target."When you're working on something important, the key is to truly believe in yourself and keep your eyes on the goal. Confidence and focus are essential no matter what challenges come your way. Staying calm helps you handle stress and makes smart decisions, which leads to success.

Message - *Don't let doubt or mockery shake you – Even if others don't believe in you, your self-belief is what truly matters.*

Jaspreet Kaur
B.A Final Year

AN OPEN LETTER TO MY COLLEGE

Dear Dev Samaj College,

As I sit to pen down these thoughts, a wave of emotions washes over me - gratitude, nostalgia, joy, and a tinge of sadness. This letter is not just collection of words, but a heartfelt tribute to the institution that shaped me into who I am today.

From the very first day I stepped onto the campus, I was welcomed with warmth and discipline. The corridors that once felt unfamiliar soon became my second home. The classrooms weren't just place of academic instruction; they were spaces where curiosity bloomed, ideas clashed, and growth happened quietly every day.

To my Teachers - Thank you for being more than educators. YOU were mentors, guides, and sometimes even friends. Your belief in our potential often pushed us beyond our own limits. Your dedication, even when we didn't notice it then, has left a lasting impact.

To my Fellow students -- Thank you for the laughter, late-night group projects, chai breaks, and all the unspoken bonds. We may walk different paths now, but we carry memories stitched with shared experiences.

To the College itself - Thank you for being a space where we were taught to question, to believe, and to lead. Whether it was through NSS, academic seminars, cultural events, or quiet reflections in the library, you gave us more than education - you gave us values.

As i prepare to step into a world beyond these gates, I take with me not just a degree, but the wisdom, strength, and confidence nurtured here. You have given me roots and wings - and for that, I will be forever grateful.

With deepest love and respect,

SHIVANIKA
(A Proud Student of Dev Samaj College.)
B.A. Final Year

MY DEAR MOBILE PHONE

Oh my dear mobile! Sleek and slim,
You buzz at night when lights are dim.
You're smarter than my brain at times,
With auto correct committing crimes!

You wake me up with your loud beep,
Then steal my hours, cheat my sleep.
From memes to reels, a scrolling spree,
You laugh while stealing time from me!

You're in my hand when food I chew,
I text "LOL" but barely do!
My mom says, "child give eyes some rest,"
But you, my phone, have passed that test .

My fingers dance upon your screen,
More loyal than I've ever been.
In class, I hide you in my book,
While teachers give the 'strict eye look'.

You eaves drop on all say and do,
Then show me ads for socks and glue,
You know my crush, My guilty song -
With you, my secrets don't stay long!

Yet I adore you, can't deny,
Though you drain me more than my Wi-Fi.
You're my alarm , my touch, my guide ,
Even when I should go outside.

So cheers to you! my life-line bright,
My blue- lit buddy every night.
But one request - don't make me moan ...
Please, stop falling off the phone!

Muskan
B.A Second year

OVERCOMING STAGE FRIGHT: MY JOURNEY TO CONFIDENCE

During my school days, speaking on stage was my biggest fear. The thought of getting up there and saying something terrified me. This stage phobia followed me even when i started at Dev Samaj College for Girls, Ambala City. I still felt scared to go on stage. However, at this college, I was fortunate to find teachers who believed in me, recognized my potential, and motivated me to overcome my fears.

I started going on stage without fear and learned how to deliver a speech. My first opportunity came when Mukta ma'am, now the principal, encouraged me to participate in a talent show. My confidence level was zero then; I had no idea how to speak on stage. But Mukta ma'am motivated me immensely. She made me practice reciting a poem repeatedly, telling me, "Khushpreet, you can do it very well, just try. If not today, then someday you will definitely be able to speak well."

Following her advice, i recited a poem for the first time in that talent show. I observed many students who spoke exceptionally well, which inspired me and gave me ideas for how I could improve next time. Although I didn't win any prizes, perhaps there was something lacking in my delivery, i was determined to get better.

After this, Anupam ma'am motivated me to participate in a national-level poetry competition at Tulsi College, Ambala City. She encouraged me to write my own poem and present it. Since I had a little experience writing poems before, I decided to try. I wrote a Hindi poem titled "Kaash Mai Ladka Hoti" ('I Wish I Were a Boy') and recited it, feeling every word. When the results were announced, i was incredibly emotional because i had secured 3rd prize in the national competition! that moment, i truly felt, "Yes, I did it!" From then on, my fear of the stage vanished, and I began to speak confidently.

Further, one day, the Principal ma'am appointed me as the Stage Secretary of the college. I was initially worried, as i had never conducted a stage before. But Reena ma'am stepped in and motivated me. I hosted the final year's farewell program. At first I thought i wouldn't be able to do it. But i was lucky as i had such supportive teachers. Reena ma'am taught me how to deliver the script and conduct the stage in a way that it would engage the audience.

Following her guidance, I conducted the stage for the first time at the farewell. I was successful because Reena ma'am had prepared me so thoroughly. After the farewell, ma'am said, "Navjot and Khushpreet, you both did very well; today's program was excellent." That day, I truly realized that without a guru, a student can never be successful in life. If my teachers hadn't motivated me so much, I might never have been able to go on stage and say even a single word. All of this was possible because of my teachers and Dev Samaj College. I am incredibly grateful to my teachers and my college.

Khushpreet Kaur
B. A Final Year

A TRIP TO SHIMLA

Every year, our college organizes a trip. This year, I got a chance to go to Shimla, the capital of Himachal Pradesh. The journey commenced at 6:00 AM by college bus with my friends and lovely teachers. My heart was filled with excitement to see the scenic beauty of Himachal because I had heard a lot about the beauty of Himachal Pradesh and specifically about Shimla.

When I entered Himachal, I was confused as I didn't know which way to look, as there was a beautiful view everywhere around me. There were big mountains, trees, and colorful buildings surrounding us. In the middle of the journey, refreshments were distributed among students. Then our teachers allowed us to immerse ourselves in the breath-taking natural surroundings, and after that, our teachers told us about a nearby temple. It was 'Neem Karori Dham,' also known as 'Kainchi Dham.' It is a place known for its serene atmosphere, calming energy, and is a popular destination for devotees seeking spiritual peace. It is deeply connected to Nature.

Then we went to 'Christ Church' on the hill of Shimla. It is the second oldest church in North India and has become a landmark of Shimla. It is also famous for its collection of books and scriptures. Then we headed towards Jakhu Temple, home of a giant Hanuman statue. There were a lot of monkeys who were snatching things from people's hands; one of them had also picked up Reena Ma'am's red footwear, may be it took it as an apple. It was a very funny moment. The temple was surrounded by lush green forests, and sounds of hymns and ringing bells filled the air. We spent the evening in 'Lakkar Bazaar,' a wood market in Shimla. We bought a few wooden items and also ate famous momos in the cold wind. Then we went to explore the lower market of Mall Road. It has a number of showrooms displaying products of Himachal Pradesh. It was getting dark, and with heavy hearts, we decided to come back. I wholeheartedly thank our college Principal, Mrs. Mukta Arora, and the teachers who planned this trip and gave us this opportunity to visit Shimla. I'm also very thankful to Prof. Reena, Prof. Poonam, Prof. Anupam, and Prof. Sukhdeep, who behaved like friends and made this trip very wonderful and memorable.

Twinkle Sharma
B.A Final Year

MENTAL GYMNASTICS

1. I speak without a mouth and hear without ears. I have no body, but I come alive with wind. What am I?

   Answer: An echo.

2. The more you take, the more you leave behind. What am I?

   Answer: Footsteps.

3. I'm tall when I'm young, and I'm short when I'm old. What am I?

   Answer: A candle.

4. What comes once in a minute, twice in a moment, but never in a thousand years?

   Answer: The letter M.

5. I have keys but no locks. I have space but no room. You can enter but can't go outside. What am I?

   Answer: A keyboard.

6. What can fill a room but takes up no space?

   Answer: Light.

7. What melts in your mouth but never talks?

   Answer: Chocolate

8. What can travel around the world while staying in the same corner?

   Answer: A stamp.

9. What has a head, a tail, is brown, and has no legs?

   Answer: A penny (or a coin).

10. The more you take away from me, the bigger I get. What am I?

    Answer: A hole.

11. What has eight legs but can't walk?

    Answer: A table with four chairs.

12. What can you catch but not throw?

    Answer: A cold.

13. What comes down but never goes up?

    Answer: Rain.

14. I'm full of words, yet I have no voice. What am I?

    Answer: A book.

15. I am not alive, but I grow. I don't have lungs, but I need air. I don't have a mouth, but water kills me. What am I?

    Answer: Fire.

Monica

B.A. First Year

A to Z of a Good Student

A – ***Ambition:*** *Sets clear goals and work consistently to achieve them.*

B – ***Balance:*** *Maintains a healthy balance between academics, extra-curricular activities and personal life.*

C – ***Curiosity:*** *Always asks questions and seeks to learn more.*

D – ***Discipline:*** *Sticks to routines and stay committed to his tasks.*

E – ***Effort:*** *Puts in his best effort in everything he does.*

F – ***Focus:*** *Concentrates on his studies and avoid distractions.*

G – ***Gratitude:*** *Appreciates the opportunities and resources available to him.*

H – ***Hard Work:*** *Earns success through consistent effort.*

I – ***Integrity:*** *Be honest in his work, exams, and interactions.*

J – ***Joy:*** *Finds joy in learning and the journey of self-improvement.*

K – ***Knowledge:*** *Strives to acquire and apply knowledge effectively.*

L – ***Leadership:*** *Takes initiative in group projects and other responsibilities.*

M – ***Motivation:*** *Stays motivated even during tough times.*

N – ***Networking:*** *Builds relationships with peers, mentors, and professors.*

O – ***Organization:*** *Keeps his notes, assignments, and schedule in order.*

P – ***Perseverance:*** *Never gives up, even when challenges arise.*

Q – ***Quality:*** *Focuses on producing high-quality work rather than rushing.*

R – ***Respect:*** *Shows respect for teachers, classmates, and differing opinions.*

S – ***Self-Discipline:*** *Controls procrastination and manage time wisely.*

T – ***Time Management:*** *Uses his time effectively to balance all activities.*

U – ***Understanding:*** *Makes an effort to deeply understand concepts, not just memorize them.*

V – ***Vision:*** *Keeps his long-term goals in mind and work toward them.*

W – ***Wellness:*** *Takes care of his physical and mental health.*

X – ***X-Factor:*** *Discovers and develops his unique strengths and talents.*

Y – ***Yearning for Growth:*** *Always seeks self-improvement and learning opportunities.*

Z – ***Zeal:*** *Approaches his studies and life with enthusiasm.*

Jaskaran
B.A Final year

THE EDUCATIONAL PHILOSOPHY OF DEV SAMAJ COLLEGE

Every Year, after examination results are declared, some dis-satisfied students take drastic step of committing suicide. Why? The main reason is that they find themselves unable to live up to the expectations of their parents or teachers. This raises an important question; Is education merely about securing high marks or earning degrees? Is its aim only to infuse factual information or subject-specific knowledge? Certainly not. The true aim of education is not to impart facts but to nurture the values respected by the society, to develop individual's capabilities and instill confidence, and to provide skills that help one to earn a livelihood and lead a happy life. Therefore, the sole purpose of education is to make a man a better human being. But how can such values, confidence and skills be inculcated in children?

It is said, "Destiny of a nation is shaped in its classrooms". Indeed, classrooms play a pivotal role in shaping an individual's character. The first class room for a child is his home and his first teachers' are their parents. School and colleges come second where they are sent to further strengthen their values. Children are like wet cement - Whatever falls on them leaves an impression. Therefore, if they are taught only to get high marks or degrees, then some students will certainly get disappointed and let themselves drift with time. On the contrary, if efforts are made to teach them moral values along with academic knowledge, then education can produce honest, open–minded, enlightened, empathetic individuals, capable of taking the nation to the highest peak.

Thanks to the educational institutions like Dev Samaj where more emphasis is laid down on ethical education. Special lectures are organised on Nitti Shiksha (moral education) so that moral values like kindness, empathy, integrity, probity, selflessness etc can be infused into students. Apart from this, various days i.e. 'Maat Pita Santan Divas', 'Udhbhidh Jagat Ke Sambandh Mein', 'Manav Jaati Ke Sambandh Mein', 'Bhautik Jagat Ke Sambandh Mein' etc. are celebrated to foster a sense of service and responsibilities.

Thus, as long as colleges like Dev Samaj exist in our society, no student will lose their way in life or resort to tragic acts like suicide etc. Such institutions do more than teach subjects – they guide young girls to discover their true potential, face every challenge with courage, and live with purpose. They nurture their minds, hearts that cares, and hand that serve.

Manpreet Kaur
B.A. Final Year

TICKLE YOUR BRAIN

1. Why don't skeletons fight each other?
   # Because they don't have the guts.
2. Why did the computer go to the doctor?
   # Because it had a virus!
3. Why did the math book look sad?
   # Because it had too many problems.
4. What do you call a bear with no teeth?
   # A gummy bear!
5. What do you call cheese that isn't yours?
   # Nacho cheese!
7. What's a teacher's favourite nation?
   # Expla- nation.
8. Why did the student bring a ladder to school?
   # Because he wanted to go to high school!
9. Why was the music teacher locked out of her classroom?
   # Because her keys were on the piano!
10. What did the pencil say to the paper?
    # "I dot my i's on you!"
11. Why don't scientists trust atoms?
    # Because they make up everything!
12. Why did the student eat his homework?
    # Because the teacher said it was a piece of cake!
13. Why did the bicycle fall over?
    # Because it was two - tired!
14. Why can't your nose be 12 inches long?
    # Because then it would be a foot!
15. Why did one wall say to the other wall?
    # "I'll meet you at the corner!"

Jaspreet Kaur
B.A Second Year

NSS DIARIES: A PATH TO SOCIAL RESPONSIBILITY

As an NSS volunteer at Dev Samaj College for Girls, my experience has been both fulfilling and educational. From January 2 to January 8, 2024, and again from February 8 to February 14, 2025, I participated in a 7-day NSS camp that was especially memorable. During these weeks, I was involved in spreading awareness through activities such as Nukkad Nataks, poems, poster-making, and slogan designing to address important social issues like cleanliness, health, and women's rights.

The Nukkad Nataks were a fun and impactful way to directly engage with the local community. They taught me the value of teamwork and coordination. The posters and slogans helped convey important messages in a clear and accessible way.

In addition, participating in a powerpoint presentation on the benefits of healthy food was a valuable experience that significantly boosted my confidence. While preparing for the presentation, I researched and gathered key information, which helped enhance my understanding of the topic. This preparation made me more comfortable and confident in speaking. Presenting in front of an audience gave me a great opportunity to improve my public speaking skills.

Apart from this, I also attended three or four one-day camps, which gave me more opportunities to contribute to different causes. In these camps, I participated in organizing events and supporting various activities, helping me develop leadership, communication, and creative skills. These experiences also deepened my understanding of the challenges faced by different communities. Through these activities, I have grown more confident, socially responsible, and committed to making a positive contribution to society.

I would like to express my heartfelt gratitude to our Principal ma'am and the NSS Program Officer, Poonam ma'am whose unwavering support and guidance have been a constant source of inspiration throughout this journey. Their encouragement not only helped me grow in my role as an NSS volunteer but also motivated me to become a proactive and responsible member of society. They have shown me the importance of leading by example and giving back to the community. Their support has instilled in me a sense of duty and a desire to continue participating in social service activities.

Overall, being an NSS volunteer at Dev Samaj College for Girls has been a truly transformative experience. It has shaped me into a more responsible and proactive individual, ready to contribute to positive change in society.

Naman
B. A Final Year

GREAT MINDS, GREAT WORDS

1. "To be, or not to be: that is the question." — William Shakespeare (Hamlet)
2. "The mind is its own place, and in itself can make a Heaven of Hell, a Hell of Heaven." — John Milton (Paradise Lost)
3. "This is the way the world ends, not with a bang but a whimper." — T.S. Eliot (The Hollow Men)
4. "Experience is not what happens to a man; it is what a man does with what happens to him." — Aldous Huxley (Texts and Pretexts)
5. "We are all in the gutter, but some of us are looking at the stars." — Oscar Wilde (Lady Windermere's Fan)
6. "The trouble with the world is that the stupid are cocksure and the intelligent are full of doubt." — Bertrand Russell (The Triumph of Stupidity)
7. "A self that goes on changing is a self that goes on living." — Virginia Woolf (Orlando)
8. "You can never get a cup of tea large enough or a book long enough to suit me."
   — C.S Lewis (Essays of C.S. Lewis)
9. "Integrity without knowledge is weak and useless, and knowledge without integrity is dangerous and dreadful." — Samuel Johnson (Rasselas)
10. "The madman is not the man who has lost his reason. He is the man who has lost everything except his reason." —G.K. Chesterton (Orthodoxy)
11. "All men dream: but not equally." —T.E. Lawrence (Lawrence of Arabia) (Seven Pillars of Wisdom)
12. "If the doors of perception were cleansed everything would appear to man as it is: infinite." — William Blake (The Marriage of Heaven and Hell)

Prabhjot Kaur
B.A. Second year

YOGA BLISS: TOP POSES FOR YOUNG WOMEN

1. Bhujangasana (Cobra Pose)

✨ **Benefits:** Strengthens the spine, tones the abdomen, and enhances reproductive health.

✨ **Why Practice it:** Helps counteract the effects of prolonged sitting.

2. Baddha Konasana (Butterfly Pose)

✨ **Benefits:** Opens the hips, improves menstrual health, and eases pregnancy-related discomfort.

✨ **Why Practice it:** Promotes flexibility and inner calm.

3. Adho Mukha Shvanasana (Downward-Facing Dog)

✨ **Benefits:** Provides a full-body stretch and energizes the body.

✨ **Why Practice it:** Relieves stress and fatigue—perfect for busy college life.

4. Trikonasana (Triangle Pose)

✨ **Benefits:** Stretches the legs and hips, boosts digestion, and tones the waist.

✨ **Why Practice it:** Enhances body awareness, posture, and balance.

5. Setu Bandhasana (Bridge Pose)

✨ **Benefits:** Opens the chest, improves digestion, and increases blood circulation.

✨ **Why Practice it:** Especially helpful for students with sedentary routines.

6. Balasana (Child's Pose)

✨ **Benefits:** Gently stretches the back, hips, and thighs.

✨ **Why Practice it:** Acts as a calming, resting pose to relieve stress and mental fatigue.

7. Padmasana (Lotus Pose)

✨ **Benefits:** Promotes mental clarity and emotional stability.

✨ **Why Practice it:** Ideal for meditation and self-reflection—symbolic of inner peace.

8. Shavasana (Corpse Pose)

✨ **Benefits:** Deeply relaxes the body, reduces stress and anxiety.

✨ **Why Practice it:** Encourages mindfulness and emphasizes the importance of rest.

9. Navasana (Boat Pose)

✨ **Benefits:** Strengthens the core, improves posture, and boosts balance.

✨ **Why Practice it:** Energizing and engaging—perfect for young adults and students.

10. Tadasana (Mountain Pose)

✨ **Benefits:** Improves posture, tones the core, and promotes grounding.

✨ **Why Practice it:** Helps develop focus and stability—ideal before starting your day.

Muskan

B.A. First Year

THE EXEMPLARS OF DEV SAMAJ

DEV SAMAJ PARIVAR, AMBALA

TALENT UNVEILED: HIGHLIGHTS FROM THE COMPETITION

NATIONAL SERVICE SCHEME
(A Legacy of Giving Back)

YOUTH RED CROSS SOCIETY AND RED RIBBON CLUB

(Awareness is Our Weapon, Empathy is Our Shield)

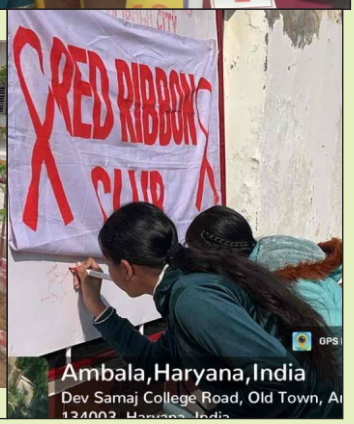

SOCIAL SCIENCES FORUM

(A Forum for Societal Development)

हिन्दी संभाग

सम्पादक
डॉ. अनुपम शर्मा
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)

विषयानुक्रमणिका

1.	संपादकीय	डा. अनुपम शर्मा (हिन्दी विभागाध्यक्ष)
2.	भगवान देवात्मा के सात्विक भाव	सिमरन (बी.ए. द्वितीय वर्ष)
3.	कांटों के बदले फूल कैसे मिले (जीवन पथ, फरवरी 2025 अंक से)	श्रीमान निर्मल सिंह जी ढिल्लो
4.	बच्चे की कथा	अंजली (बी.ए. तृतीय वर्ष)
5.	बेटियों की पुकार	इशीता (बी.कॉम.तृतीय वर्ष)
6.	वाह! रे इंसान	पलक (बी.कॉम. तृतीय वर्ष)
7.	हिन्दी का महत्त्व	गुरविन्द्र कौर (बी.ए. तृतीय वर्ष)
8.	युवाओं की भूमिका	प्रभजोत (बी.ए. द्वितीय वर्ष)
9.	प्रदूषण एक गंभीर समस्या	किरण (बी.कॉम. प्रथम वर्ष)
10.	छोटी-सी चिड़िया	स्नेहा (बी.ए. तृतीय वर्ष)
11.	हजारों में एक दोस्त	भूमिका (बी.ए. तृतीय वर्ष)
12.	बेटियाँ	इनायत (बी.ए. तृतीय वर्ष)
13.	आज की नारी	हिम्पी (बी.ए. द्वितीय वर्ष)
14.	भारतीय नारी की दशा	नवदीप कौर (बी.ए. प्रथम वर्ष)
15.	प्रकृति	डिम्पी (बी.ए. द्वितीय वर्ष)
16.	नारी	कनिका अग्निहोत्री (बी.ए. द्वितीय वर्ष)
17.	बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय	भावना (बी.ए. तृतीय वर्ष)
18.	हिन्दी भाषा की भारत में दशा	नवजोत कौर (बी.ए. तृतीय वर्ष)
19.	माता-पिता	खुशप्रीत कौर (बी.ए. तृतीय वर्ष)
20.	थोड़ा थक गई हूँ	नमन (बी.ए. तृतीय वर्ष)

सम्पादकीय

असंभव कुछ नहीं, बस सोच बदलनी है,
सपनों को हकीकत में तब्दील करनी है।।

असंभव कुछ भी नहीं का अर्थ है कि इस संसार में दृढ़ इच्छाशक्ति, परिश्रम, अच्छे विचारों से कोई भी कार्य संभव हो सकता है। निरंतर प्रयास और सकारात्मक सोच से हर कार्य किया जा सकता है। हमारी इच्छा शक्ति और धैर्य से हम किसी भी चुनौती को पार कर सकते हैं। कठिन परिस्थितियों और लम्बी प्रतीक्षा के समय शांत, संयमित और स्थिर बने रहने की क्षमता ही धैर्य कहलाती है। बिना शिकायत, बिना क्रोध किए कष्ट सहना और कार्य को सफल बनाने के लिए प्रयासरत रहना ही धैर्य है। चित्त की दृढ़ता ही धैर्य है। अत: हमें अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए चिन्ता रहित होकर शांत मन से कार्य सफलता के लिए आगे बढ़ते रहना चाहिए क्योंकि असंभव को संभव बनाना परिश्रम का ही फल है। ऑड्रे हेपबर्न ने एक प्रसिद्ध कथन कहा है कि ''कुछ भी अकल्पनीय नहीं है, बल्कि सिर्फ इच्छाशक्ति की आवश्यकता है।''

यह कथन मनुष्य की क्षमता और आत्मविश्वास को बढ़ाता है। अपने आत्मविश्वास से ही हम कोई भी बाधा पार कर सकते हैं। सब कुछ तभी तक असंभव हैं जब तक हम प्रयास नहीं करते। प्रयास ही सफलता की कुंजी है। 'कुछ भी असंभव नहीं' कुछ भी शून्य नहीं सब संभव हो सकता है यदि मेहनत और सुविचार साथ हो। क्योंकि कल के सपने ही आज की उम्मीदें हैं। वही कल हकीकत बन सकते हैं। सपने हमें असंभव कार्य की अनुमति देकर कुछ करने के लिए प्रेरित करते हैं। इसलिए बिना संदेह करके स्वयं अपने कार्य-सिद्धि के लिए प्रयासरत हो जाना चाहिए। असंभव कल्पना से शुरू होकर संभव पर समाप्त होता है। इसलिए आप सभी छात्राओं से मैं यही कहना चाहुंगी-

असंभव सपने देखने का साहस करें...

अपने आप से भी कुछ बड़ा सपना देखने का साहस करके आगे बढ़ें। हम सब कर सकते हैं जो हम सोच सकते हैं। अत: जीवन में असंभव कुछ भी नहीं। विश्वास ही मनुष्य के सफल जीवन का सूत्र है। देव समाज संस्थानों में आरम्भ से ही छात्राओं में उच्च गुणों एवं संस्कार तथा ज्ञान को विकसित करना ही अपना लक्ष्य बनाया है। इस ही कड़ी को मजबूत करने के लिए यहाँ से छात्राएँ अपनी रचनाओं से इस पत्रिका को संतृप्त करती हैं। इस सत्प्रयास के लिए बधाई तथा साधुवाद।

- डॉ. अनुपम शर्मा
अध्यक्षा, हिन्दी विभाग

भगवान देवात्मा के सात्विक भाव

भगवान देवात्मा का जन्म अकबरपुर जिला कानपुर में पौषवदी प्रतिपदा संवत् 1907 वि. (अर्थात् 20 दिसंबर 1850 ई.) की सूर्योदय के समय हुआ। इनके बचपन का नाम शिवनारायण था। इनके माता-पिता का नाम श्रीमती मोहन कुँवर जी और श्रीयुत रामेश्वरजी अग्निहोत्री है।

अब हम भगवान देवात्मा के सात्विक भावों के संबंध में जानेंगे कि किस प्रकार भगवान देवात्मा सब अधिकारी आत्माओं के मोक्ष और विकास के लिए एकमात्र सत्यदेव है।

मनुष्य और देवात्मा के सात्विक भावों के कुछ समानताओं के होते भी असीम अन्तर है। हम मनुष्य सात्विक भाव रखकर भी देवात्मा के सात्विक भावों को समझने में असहाय हैं, क्योंकि उनके सात्विक भाव हित और सत्य अनुरागों में स्थित है। जैसे मनुष्य के सात्विक भावों से सोच-विचार, मूल्यों की समझ और सराहने और सामाजिक जीवन में स्थित है। हम इसलिए अपने आप अपनी योग्यताओं द्वारा उनके सात्विक गुणों को नहीं जान सकते। मनुष्य के लिए देवात्मा के हित और सत्य अनुरागों में स्थित सात्विक भावों को समझने की सम्भावना है और वह यह कि देवात्मा के साथ सहयोग करके उनकी देव ज्योति में उनके देवरूप के दर्शन कर सकें। हम मनुष्यात्माओं में सात्विक और असात्विक दोनों भाव हैं। मनुष्यों में श्रद्धा, कृतज्ञता, कर्त्तव्य बोध, बाध्यता बोध, वासनाएँ और उत्तेजनाएँ भी हैं, जो हमें साथी मनुष्यों और इनसे नीचे के जगतों के अस्तित्वों की हानि करने पर प्रेरित करते हैं जैसे अच्छा वेतन पाकर भी और अच्छे पैसे रखकर भी हम पैसे के लोभवश रिश्वत लेते हैं इत्यादि। इसी प्रकार परम्परागत शब्दों में काम, क्रोध, मोहमाया, ईर्ष्या और अहं की वासनाएँ और उत्तेजनाएँ जो हमें अपनी और दूसरों की हानि करने पर प्रेरित करती है और हमें सत्य और शुभ से विपथ करती हैं, वह नीचे अनुरोग और नीच घृणाएँ कहलाती हैं।

भगवान देवात्मा सब प्रकार के नीचे भावों और नीच घृणाओं से मुक्त हैं। उनका कहना है कि वह ईर्ष्या, द्वेष, हिस्सा और घमंड के नीच भावों से जन्मकाल से ही पूर्णत: रहित थे और रहित ही रहे। उसी प्रकार उनका कहना है कि उनमें कोई नीच अनुराग न नीच घृणा उत्पन्न न हो सकती थी और न हुई। तो इससे स्पष्ट है कि देवात्मा के शुभ व्यवहार मनुष्य के शुभ व्यवहार से बाह्य पक्ष में एक होते हुए भी, बिल्कुल अनोखे हैं।

- सिमरन

बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

कांटो के बदले फूल कैसे मिलें

परलोकवासी श्रद्धेय श्री निर्मल सिंह ढिल्लों के उच्च विचार (जीवन पथ, फरवरी 2025 अंक से)

न्यूटन को दुनिया के बेहतरीन इंसानों में शुमार किया जाता है, वह गैरमामूली शक्तियों का मालिक था। प्रकृति के खूफ़िया राज से जब उसने अपनी झोली भर कर इंसानियत के सामने पलट दी तो मानवता दंग रह गई। चारों तरफ उसकी काबलियत की दाद मिलने लगी Every action has an equal and opposite reaction. उसका कहना है कि जितने जोर से कोई क्रिया की जाती है, उतने जोर से ही इसकी प्रतिक्रिया होती है। ये प्रकृति का अटल नियम है, ये नियम विश्वव्यापी होते हैं और हर हाल में सच्चे होते हैं। कई दफा प्रकृति के नियमों की चक्की बड़ी सुस्त रफ़्तार से चलती महसूस होती है मगर ये अपने फलों के विचार से सदा विश्वास के योग्य होती है। किसी किस्म की रियायत, डर और लालच के बिना प्रकृति के नियम जारी रहते हैं। मनुष्य आत्मा के उच्च या नीच बनने में उसकी अन्दर की शक्तियों का हाथ होता है क्योंकि इस नियम के अनुसार हर एक क्रिया की प्रतिक्रिया जरूरी है।

जब कोई मनुष्य नीच चिन्ता करता है तो उसका दोहरा प्रभाव होता है, एक तो इस नीच चिन्ता से उसकी नीच शक्ति बलवान हो जाती है, दूसरा नीच चिन्ता की लहरें वापसी अमल के ज़रिये उसे और ज्यादा नीच बनाने का काम करती हैं, मगर मनुष्य को इस नियम का कोई इल्म (ज्ञान) तक नहीं है इसलिए अपने हाथों अपने जीवन को बर्बाद करना रहता है।

जो कुछ हम बाँटते हैं, तो लौट आता है और जितनी तेजी से बाँटते हैं, उतनी तेजी से मनुष्य के आत्मा में परिवर्तन आता रहता है अगर कोई हमदर्दी की चिन्ताएं करता है तो ये अमल के ज़रिये उसके आत्मा को सुन्दर और नर्म बनाती रहती हैं और जो नीच घृणा बांटता है तो उसके वापसी अमल से Nerve Cell तक जल उठते हैं।

इसलिए कहा गया है कि उच्च चिन्ताएँ करो और उच्च रूप में ढलते जाओ। हमदर्दी बाँटो, हमदर्दी लौट आएगी, श्रद्धा बाँटो, श्रद्धा लौट आएगी। काँटें बांटो और फूल लौट आएं, प्रकृति में कोई ऐसा नियम नहीं है और नियमों से बाहर प्रकृति का कोई अस्तित्व नहीं है।

इसलिए धर्म जीवन मुश्किल है क्योंकि इसमें हमेशा चौकसी बरतनी पड़ती है, देख-देखकर और तोल-तोल कर बाँटना पड़ता है, वरना परिणाम उलट निकल सकता है। धर्म फूँक-फूँक कर कदम रखने की माँग करता है, आँखें खोलकर चलने की माँग करता है।

अपनी जिम्मेदारी खुद कबूल करने की माँग करता है और मनुष्य इसके लिए तैयार नहीं है। मनुष्य कहता है कि सारी ज़िंदगी आलस्य का व्यापार करुँ, नशों और स्वाद की सौदागरी करूँ, काम अनुराग का धन्धा करूँ, मगर बदले में मुझे अच्छी सेहत मिले, अच्छा दिमाग मिले, इज्ज़त मिले, मरतबा मिले और सुख मिले और न्यूटन द्वारा खोजा गया समान अनुपात का नियम इसकी नादानी को देखकर मुस्कुरा पड़ता है और कहता है कि तेरे जैसे सौदागरों का हश्र जो आज तक हो चुका है, तेरे साथ भी वैसा होना तय है। राजा-महाराजाओं की कब्रों के पास आवाज देकर पूछो कि उनका क्या हाल हुआ। सिकन्दर की रूह से बात करके देखो और पूछो कि मरते समय कफ़न से हाथ बाहर क्यों निकलवाया। एक ही उत्तर मिलेगा-जो पूरी जिंदगी करते रहे, वही लौट आया और जब वापसी अमल की शिद्दत इन्तहा तक पहुँच जाती है तो कई हालतों में मनुष्य गोली से अपने ही शरीर को तार-तार करने को बेबस हो जाता है। हिटलर के जिस आत्मा ने हजारों इंसानों को बिना वजह मौत के घाट उतार दिया, उसकी आत्मा ने आखिर हिटलर के दिमाग में गोली डालकर काम तमाम कर दिया। अर हिटलर हजार बार जन्म ले तो हर जुल्म का अन्त खुदकुशी के द्वारा करेगा। जब मौत दूसरों के लिए बाँटी तो अपने लिए जिन्दगी कहाँ स हासिल होगी। क्योंकि जिंदगी बाँटने से मिलती है, मौत बाँटने से मौत का वापसी अमल स्वाभाविक है।

लाहौर में भगत पूरन सिंह जी (पिंगलवाड़ा, अमृतसर) ने एक लावारिस लूले बच्चे को एक जगह पड़ा पाया जो पाखाना से लथ-पथ था, पास से गुजर गए लेकिन वापसी पर हमदर्दी ने जोर मारा, बच्चा उठा लिया, उसे साफ किया,

उसका इलाज शुरू कर दिया। उसको कंधों पर उठाकर तेरह साल बाज़ारों के चक्कर काटते रहे और जो हमदर्दी पहले दिन एक चिंता के रूप में पैदा हुई थी, वह अपनी क्रिया और प्रतिक्रिया के कारण सदाबहार पेड़ की मानिंद भगत जी के रोम-रोम से खुशबू देने लगी है। हमदर्दी का व्यवहार किया। हमदर्दी वापस लौटती रही, आज उनकी हमदर्दी पंजाब में नहीं, भारत में नहीं, यूरोप, अमेरिका और आस्ट्रेलिया तक अपने पांव फैलाए हुए है और एक लूला नहीं बल्कि अनेक ऐसे दुखिया जन आज उनके हमदर्द पंखों के नीचे सुख का सांस ले रहे हैं।

देव समाज के इतिहास का इस दृष्टि से अवलोकन किया जाए तो बड़े विचित्र नजारे आपको दिखाई देंगे। प्रकृति हमसे केवल एक प्रश्न पूछती है, क्या बाँटा, क्या किया आज तक ? तभी तो एक जन बुढ़ापे में रो-रो कर बयान करते थे तो उनकी हिचकी बंध जाती थी कि मैंने सारी उम्र घमण्ड बाँटा। इसलिए हमदर्दी, श्रद्धा का नाश कर लिया और जो अब इतना बाँटता रहा, वो इकट्ठा होकर आ गया है कि उसे देखकर मेरी रुह कांप उठती है। आप संभल जाओ, मेरी जैसी गलती न करना, वरना पछताआगे। श्रीमान पंडित परमेश्वर दत्त जी से किसी ने कहा था कि ये कुलियों जैसे काम करके दिमाग की उन्नति भी रुक जायेगी तो आपने फरमाया था कि सेवा जिंदगी का लक्ष्य महसूस होता है और सेवा में अछूतों की बस्तियाँ नहीं होती। जब सुबह से शाम तक भगवान देवात्मा की पवित्र जात की छोटी-छोटी सेवाएँ करते चले गए तो भगवान के अनुरागी शिष्य बनने की इस संसार की सबसे ऊँची उपाधि प्राप्त कर ली। इसलिए धर्म जगत में भावों की पवित्रता सबसे ऊँचा स्थान रखती है। जिन भावों से गलतियाँ होती हैं अगर वह भाव उच्च हो तो मनुष्य के सौभाग्य की सीमा नहीं। उच्च भावों से की गई चिंता से मनुष्य जीवन अच्छा बनता चला जाता है, जीवन रस से भर जाता है, मगर इसके लिए कड़ी पाबन्दी की जरुरत है। अगर खोट मिल जाए तो किए-कराए पर पानी फिर जाता है। भगवान देवात्मा को देव रूप प्राप्त हुआ है। हित अनुराग और सत्य अनुराग से परिचालित होकर उच्च चिन्ताओं से आप सर्वोत्तम और परम पूज्य बन गए इससे बड़ा प्रकृत का इनाम क्या हो सकता है। आप सत्य स्वरुप बन गए, इसलए चढ़ती जवानी में अपने जीवन का लक्ष्य बतलाया था कि -

''सत्य शिव सुन्दर ही मेरा परम लक्ष्य होवे
जग के उपकार ही में जीवन ये जाये।'

उस लक्ष्य को अपने जीवन में इसी पृथ्वी पर पूरा करके मनुष्य भाव के लिए एक मात्र सत्य मोक्षदाता, सत्य विकासकर्ता और एक मात्र आदर्श स्वरुप बनकर रूहानियत के सबसे बुलंद मुकाम पर विराजमान होने का सर्वश्रेष्ठ अधिकार प्राप्त कर लिया।

धर्म की दुनिया सिर्फ ऐसे जनों के लिए अपने सपनों का भी हिसाब रखेगी। जागते वक्त हिसाब रखना पड़ेगा और ऐसा करना किसी पर एहसान नहीं है। धर्म जीवन का विकास जितनी गहराई और ऊँचाई की माँग करता है, उसके लिए शर्त बड़ी कड़ी है तभी तो भगवान देवात्मा फरमाते हैं -

अभी बचो तुम, अभी बचो तुम,
अभी यहां बच जाओ जी।
ज़ाहिर में तुम रहो मुस्लमां,
हिन्दू या इसाई जी।'

भगवान देवात्मा अभी और यहीं से जिंदगी का सफर करने को फरमाते हैं वरना कह देते जब बूढ़े हो जाओ तब धर्म लाभ करना। अभी चले चलो, अभी बांट लो मिथ्या और अशुभ, धर्म की काश्त करते चलो। बुढ़ापे में भी धर्म का फल मिल सकता है। सत्य अनुरागी भगवान देवात्मा ऐसी बात कैसे कह सकते थे। मनुष्य का आत्मा प्रकृति के नियमों से बाहर नहीं है। खुशकिस्मत है वो जन जो विकासकारी नियमों को अपने जीवन में पूरा करके जिंदगी की दौलत से स्वयं को मालामाल करते चले जाते हैं, जो जिंदगी बांटते हैं, जिंदगी पाते हैं।

बच्चे की कथा

जब पहली बार उसकी रोने की आवाज़ सुनी,
तो मैं सच में घबरा उठी।
मुझे लगा शायद उसे भूख लगी,
या फिर हो सकता है उसे नींद आई।

कुछ दिनों बाद वो हमारे घर आया,
और सभी घर वालों ने उसे सीने से लगाया।
तब वो बहुत ही छोटा था,
उसे बस अगू-अगू करना ही आता था।
और ये सब शायद उसके पापा ने सिखाया था।

अब वो थोड़ा बड़ा हो गया था,
अपने मम्मी-पापा और हम सब की पहचान करने लगा था।
अबकी बार उसे सीने से नहीं,
बल्कि अपने कंधों पर बिठाया था,
क्योंकि ये सब करने में उसे मज़ा आता था।

अब वो छः महीने का हो गया,
और उसे अब आई, माँ भी कहना आ गया।
खुद वो खड़े होने की कोशिश करने लगा,
और बादशाहों की तरह सिर के नीचे,
हाथ रखकर भी सोने लग गया।

अब वो सात महीने का हो गया,
अब उसे खड़ा होना भी आ गया।
कभी-कभी दीवान का सहारा लेकर चलने लगता है,
तो कभी पैर लड़खड़ाने की वजह से गिर भी जाता है।

आठ महीने का होते ही,
वो सबको अपनी बातों में उलझाने लगता है।
तो कभी जानबूझ कर रोने भी लगता है।

नौ महीने का हुआ तो, उसने मामू नानू कहना शुरू किया,
और घर वालों से हमें डाँट पड़वाना शुरू किया।
अब उसे भली-भांति चलना आ गया है,
कभी घुटनों के बल चलना भूल ना जाए.....
इसीलिए घुटनों के बल चल कर दिखाता है।

जब पूरे एक साल का हुआ,
तो जन्मदिन खूब धूमधाम से मनाया गया।
जो पहले चलने से इतराता था,
अब वही, पूरे घर का चक्कर अकेले ही लगा लेता है।

अच्छे से बोलना नहीं आता,
पर जवाब हर बात का देता है।
क्या को क्या नहीं
तोतली आवाज में ''ता'' कहता है।

फिर तुम मिले, जिंदगी मिली ....
फिर एहसास हुआ
प्यार क्या है।
सुकून क्या है!

- अंजली
(तृतीय वर्ष)

बेटियों की पुकार

बेटों का है केवल आजकल जग में नाम,
बेटियाँ ही हासिल करती हैं हर ऊँचा मुकाम
सूरज की तरह ताप देते हैं बेटे तो
पेड़ों की तरह छाया देती हैं बेटियाँ
अतिभाग्यवान होते हैं वह माता-पिता
जिनके घर में जन्मी कल्पना चावला
और सुनीता विलियम जैसी बेटियाँ
बेटियों के अभिभावकों को न कहो बेचारा तुम
प्रत्येक क्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ाती हैं बेटियाँ।।
कुपूत दिखाते हैं वृद्धाश्रम का रास्ता
तो बुढ़ापे में सहारा देती हैं बेटियाँ
ऊँचे संस्कार देकर पालते हैं बेटों को
पर जग में नाम कमाती हैं बेटियाँ।।
न जन्म से पहले हत्या करो हमारी
चीख-चीखकर कोख में पुकारती हैं बेटियाँ।।
माँ हमें जन्म अवश्य देना कहती हैं बेटियाँ
हम भी बनेंगी रानी लक्ष्मीबाई, इंदिरा गाँधी जैसी बेटियाँ।।

- ईशीता
बी.कॉम (तृतीय वर्ष)

वाह! रे इंसान

घर से निकला चूहा,
दवा डाल मार गिराया।
मंदिर में माटी के चूहे को,
अपना दुखड़ा बोल आया।।
बच्चे ने मांगे खिलौने,
माँ-बाप ने डाँट दिया।
मंदिर की पेटी में दिल खोल
चंदा डाल आया।
नहाकर गंगा में, सब पाप धो आया
वहीं से धोए पापों का
पानी भर लाया।
माटी की मूर्ति से,
अपनी जिंदगी की भीख मांग आया।
उसी मूर्ति के सामने
जानवर बेजुबान काट आया।
जिंदगी भर कौवे को अशुभ
मानता आया
फिर मरे माँ-बाप को
कौआ समझ भोजन खिला आया।
वाह रे इंसान! तेरा तरीका समझ न आया।

- पलक
बी.कॉम. (तृतीय वर्ष)

हिन्दी का महत्त्व

भारत विविधताओं का देश है, जहाँ अनेक तरह की भाषाएँ बोली जाती हैं यहाँ अनेकों धर्मों के लोग रहते हैं। इन सभी विभिन्नताओं के बावजूद भी भारत को अनेकता में एकता का देश कहा जाता है पर क्या ये युक्ति भारत की राष्ट्रीय भाषा कही जाने वाली हिन्दी भाषा के लिए प्रयुक्त है। वर्तमान समय में हिन्दी तो मानों विलुप्त होने की कगार पर आ गई है।

''हिन्दुस्तान की शान कही जाती है हिन्दी,
भारत माँ के मस्तक पर सजी बिंदी है हिन्दी।''

संविधान सभा ने लंबी चर्चा के बाद हिन्दी भाषा के अस्तित्व को सुरक्षित रखने के लिए 14 सितम्बर 1949 को हिन्दी भाषा को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया। इसके बाद संविधान में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा के सम्बन्ध में व्यवस्था की गई, प्रत्येक भारतवासी को राष्ट्रीय भाषा हिन्दी का स्मरण करवाने के लिए 14 सितंबर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है पर क्या अपनी राजभाषा हिन्दी को सिर्फ एक ही दिन सम्मान मिलना उचित है। यह बात बिल्कुल सत्य है कि वर्तमान समय तकनीक का है पर क्या यह तकनीकी ज्ञात केवल एकमात्र अंग्रेजी भाषा से सीखा जा सकता है क्या ज्ञान अर्जित करने का माध्यम केवल विदेशी भाषाएँ ही हैं। हमें स्मरण रखना चाहिए कि भारत संतों, महापुरुषों एवं ऋषि-मुनियों की धरती है हमें गर्व है कि हम इस विशाल सांस्कृतिक सभ्यता का हिस्सा बन सके। हमारे ऋषि-मुनि भी किसी वैाानिकों से कम नहीं थे, क्योंकि विज्ञान जो आज साबित कर रही है वह हमारे सन्तों ने काफी पहले ही बता दिया था। वेदों एवं पुराणों की भाषा संस्कृत थी। संस्कृत भाषा से ही विश्व की अन्य सभी भाषाओं की उत्पत्ति हुई है तो हम कैसे संस्कृत एवं हिन्दी भाषा को खोलने में शर्म कर सकते हैं। हमें गर्व करना चाहिए कि हम ऐसे अद्‌भुत देश में पैदा हुए जो सांस्कृतिक विरासत एवं सभ्यता से भरा पड़ा है और हिन्दी भाषा हमारे भारत की आन-शान है।

- गुरविन्द्र कौर
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

युवाओं की भूमिका

युवाओं की भूमिका हमारे समाज में बहुत महत्वपूर्ण है। वे हमारे देश के भविष्य के निर्माता हैं और उनकी भूमिका हमारे समाज को आकार देने में महत्वपूर्ण है। युवाओं की सबसे बड़ी ताकत उनकी ऊर्जा और उत्साह है, जो उन्हें नई चुनौतियों का सामना करने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रेरित करती है। युवाओं की भूमिका न केवल समाज में है, बल्कि हमारे देश के विकास में भी महत्वपूर्ण है। वे हमारे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और हमारे देश को विश्व में एक मजबूत और समृद्ध देश बनाने में मदद करते हैं।

युवाओं की भूमिका हमारे समाज में सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण है। अंत में, युवाओं की भूमिका हमारे समाज में विभिन्न क्षेत्रों में नए और नवीन विचारों को लागू करने में भूमिका निभाती है। हमें युवाओं को उनकी भूमिका को समझने और हमारे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

स्वामी विवेकानंद ने कहा था ख़ "मुझे सौ ऊर्जावान युवा मिल जाएँ, तो मैं पूरे विश्व का रूप बदल दूँ।" यह कथन बताता है कि युवाओं में वह क्षमता है जो समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है।

युवाओं की सोच नई होती है, वे सीमाओं से परे सोचने का साहस रखते हैं। वे परंपराओं को तोड़कर नए विचारों को जन्म देते हैं। यदि इस शक्ति को सही दिशा मिल जाए, तो कोई भी राष्ट्र असंभव को संभव कर सकता है। लेकिन यदि यही युवा शक्ति गलत राह पर चली जाए, तो वही समाज और राष्ट्र के पतन का कारण बन जाती है।

भारत विश्व का सबसे युवा देश है, जहाँ लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यह हमारे लिए गर्व की बात है, क्योंकि इतनी बड़ी युवा जनसंख्या हमारे देश को विकास की ऊँचाइयों तक ले जा सकती है। लेकिन यह तभी संभव है जब उन्हें सही दिशा, शिक्षा और अवसर मिले। यदि युवा बेरोजगारी, नशे, या असंतोष में घिर जाएँ, तो यह जनसंख्या वरदान नहीं, अभिशाप बन सकती है। इसलिए आवश्यक है कि सरकार और समाज मिलकर युवाओं को सही दिशा देने का प्रयास करें।

आज की पीढ़ी के सामने यह चुनौती है कि वे आधुनिकता को अपनाएँ, लेकिन अपनी संस्कृति और मूल्यों को न भूलें। भारतीय संस्कृति ने हमेशा युवाओं को संयम, सेवा और त्याग का संदेश दिया है। जब यह पीढ़ी तकनीक और परंपरा दोनों को साथ लेकर चलेगी, तभी सच्चा संतुलित विकास संभव होगा। युवाओं को यह समझना चाहिए कि आधुनिकता का अर्थ केवल फैशन और दिखावे तक सीमित नहीं, बल्कि विचारों की प्रगतिशीलता और कर्म की ईमानदारी भी है। देश की प्रगति तभी संभव है जब युवा अपने अंदर के डर, आलस्य और नकारात्मकता को त्याग दें। उन्हें यह समझना होगा कि वे केवल अपने जीवन के लिए नहीं, बल्कि अपने समाज और राष्ट्र के लिए भी जिम्मेदार हैं। प्रत्येक युवा को अपने भीतर यह विश्वास रखना चाहिए कि वह कुछ कर सकता है। यदि हर युवा अपने क्षेत्र में ईमानदारी से कार्य करे, तो कोई शक्ति भारत को विकासशील से विकसित राष्ट्र बनने से नहीं रोक सकती।

प्रभजोत कौर
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

प्रदूषण : एक गंभीर समस्या

प्रदूषण आज के समय में पूरी दुनिया के सामने एक गंभीर समस्या बनकर उभरा है। यह वह प्रक्रिया है जिसमें प्राकृतिक संसाधनों जैसे वायु, जल, भूमि और ध्वनि को हानिकारक तत्वों द्वारा दूषित किया जाता है। प्रदूषण न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि मानव स्वास्थ्य और अन्य जीव-जंतुओं के जीवन को भी प्रभावित करता है।

वायु में जहरीली गैसें, धूल, धुएँ और अन्य हानिकारक तत्व मिल जाने से वायु प्रदूषण होता है। नदियों, तालाबों, झीलों और समुद्रों में हानिकारक रसायन, कचरा और गंदगी मिल जाने से जल प्रदूषण होता है। मिट्टी प्रदूषण हानिकारक रसायनों, कीटनाशकों और प्लास्टिक कचरे के कारण मिट्टी की गुणवत्ता खराब हो जाती है। अत्यधिक शोर या ध्वनि का स्तर बढ़ने पर ध्वनि प्रदूषण होता है।

अधिकाधिक पेड़ लगाना चाहिए क्योंकि वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। कचरे को रीसाईकल करके पर्यावरण पर प्रभाव कम किया जा सकता है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा स्रोतों का उपयोग बढ़ाना चाहिए।

प्रदूषण को रोकने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। सरकार, उद्योग और आम नागरिक सभी को मिलकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करना होगा।

आज का मानव विकास की दौड़ में इतना आगे बढ़ गया है कि उसने अपने चारों ओर के वातावरण को ही बिगाड़ दिया है। प्रदूषण अब केवल एक समस्या नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। स्वच्छ वायु, निर्मल जल और हरियाली हमारी जरूरत हैं, परंतु मानव ने इन्हें नष्ट करना शुरू कर दिया है।

वायु प्रदूषण मुख्यतः कारखानों के धुएँ, वाहनों की गैसों और जंगलों की कटाई से फैलता है। जब यह दूषित वायु हम साँस के साथ अंदर लेते हैं, तो यह फेफड़ों और हृदय को गंभीर रूप से नुकसान पहुँचाती है। इसी प्रकार जल प्रदूषण तब फैलता है जब नदियों और तालाबों में गंदा पानी, प्लास्टिक और रासायनिक अपशिष्ट डाला जाता है। इससे मछलियाँ मरती हैं और पीने योग्य जल की कमी बढ़ती जा रही है।

इन सबका परिणाम यह है कि पृथ्वी का संतुलन बिगड़ता जा रहा है। मौसम में असमान्यता, वर्षा का असंतुलन, ग्लोबल वार्मिंग और प्राकृतिक आपदाएँ बढ़ते प्रदूषण की देन हैं।

प्रदूषण को रोकने के लिए हमें अपने जीवन में कुछ बदलाव लाने होंगे। अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे, रासायनिक पदार्थों का प्रयोग कम करना होगा, प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े या जूट के थैलों का इस्तेमाल करना होगा और जल को व्यर्थ नहीं बहाना होगा।

किरण
बी. ए. (प्रथम वर्ष)

छोटी-सी चिड़िया

ये सर-सर करती हवाएँ,
कुछ तो कहती है,
ये पक्षियों की चीं-चीं,
कुछ तो कहती है।।
हाँ कुछ तो कहती है,
वो नीले आसमान की चिड़िया,
नाम जिसका मुझे नहीं पता,
छोटी-सी है आकार में,
चंचल-सी प्रतीत होती है व्यवहार में।
कभी कहीं उछलती फिरती है,
कभी किसी पेड़ से गिरती है,
छोटे-छोटे अपने पँखों में वो,
ऊँचाइयाँ छूने का दम रखती है।
मेरे पास आकर ऐसे बैठे,
जैसे मुझे वे जानती है,
जैसे मुझे अपना मानती है,
हाँ मुझे कुछ तो कहती है,
मेरे आँगन के पेड़ पर वो रहती है।

- स्नेहा
बी.ए. तृतीय वर्ष

हजारों में एक दोस्त

बड़ी शिद्दतों से बनते हैं दोस्त
मिलते हैं, हँसते हैं, घूमते हैं फिरते हैं
जाने कब एक दूसरे की जान बन जाते हैं दोस्त
हाँ, बड़ी शिद्दतों से बनते हैं दोस्त।
बतियाते हैं, शोर भी मचाते हैं
एक-दूसरे की टाँग भी खींच लेते हैं
जाने कब एक-दूसरे की जान बन जाते हैं दोस्त
जी हाँ बड़ी मुश्किलों से बनते हैं दोस्त।
एक आवाज़ पर दौड़े आते हैं दोस्त
दर्द भी आधा बाँट लेते हैं दोस्त
जाने कब एक-दूसरे के कर्जदार बन जाते हैं दोस्त
क्योंकि बड़ी शिद्दतों से बनते हैं दोस्त।
खुदा की रहमत जो होती
सांस भी साथ-साथ चलती इनकी
कफ़न की चादर भी बाँट लेते आधी-आधी
क्योंकि साथ-निभाने वाले ही तो होते हैं,
सच्चे दोस्त तभी तो
किस्मत वालों को मिलते हैं दोस्त
हाँ, बड़ी शिद्दतों से बनते हैं दोस्त।

- भूमिका
बी.ए. तृतीय वर्ष

बेटियाँ

हर घर की रौनक होती हैं बेटियाँ
सारे घर में चहकती है बेटियाँ
दिल के बहुत करीब होती हैं बेटियाँ
माँ की प्यारी सखी बन जाती हैं बेटियाँ
छोटे-बड़े काम में सलाहकार बन जाती,
हमें भी जीने का मतलब सिखाती,
दिन रात काम में रहती हो माँ,
कुछ वक्त अपने लिए निकालो न माँ!
हमारी फ़िक्र करने वाली होती हैं बेटियाँ!
न हो यह घर में तो सूना सा लगता है
हर कोने में सन्नाटा सा पसरा रहता है
हँसी इनकी घर की गुलज़ार करती है
इनकी मुस्कराहट से सब खिल जाते हैं
हर घर की जान होती हैं बेटियाँ।
दो घरों को जोड़, एक परिवार बनाती हैं बेटियाँ!
माँ-बाप के लिए पारस होती हैं बेटियाँ!
दिल के चमन को महकाती हैं बेटियाँ।

- इनायत
बी.ए. तृतीय वर्ष

आज की नारी

किताबों संग यारी है मेरी
पढ़ाई संग याराना है
इनमें लिखे हुए अक्षरों से
मुझे मेरा भविष्य बनाना है।
ना किसी से दुश्मनी है मेरी
ना किसी से याराना है।
मैं खुद की मस्ती में मस्त हूँ,
मुझे इसी मस्ती में जीते जाना है।
कुछ चाहत है मेरी,
कुछ अरमान भी है।
दिल में बहता एक तूफान भी है
मैं वो हवा नहीं जो रुक जाऊँ,
मैं वो फिज़ा नहीं तजो टल जाऊँ,
मैं वो आँधी हूँ जो सबको शांत कर जाऊँ।
मैं वो पानी नहीं
जिसे तुम रोक लो,
मैं वो नीर नहीं
जिसे तुम सोख लो,
मैं वो जलजला हूँ।
जिसे देख तुम अपनी
सांसे रोक लो।

- डिम्पी
बी.ए. द्वितीय वर्ष

भारतीय नारी की दशा

भारत में महिलाओं की गुलामी का इतिहास शताब्दियों पुराना है, इतिहास में इसका प्रमाण नहीं मिलता कि नारी की गुलामी कब से शुरू हुई। लेकिन समझा जाता है कि वैदिक काल या वैदिक काल से पहले भारत की नारी पूर्व रूप आजाद थी। हर सामाजिक या धार्मिक कार्य में नारी का भाग लेना अनिवार्य था, लेकिन जब राजसत्ता का दौर शुरू हुआ, तो सामन्तवादी संस्कृति ने नारी की घेराबन्धी शुरू करके इसे भोग-विलास का साधन समझकर उसे दासी का दर्जा देकर घर की चार दीवारी में बैठाकर रख दिया।

रूढ़िवादी और परम्परावादी पुरूषों ने नारी को सदा दीन-हीन समझा और इसे अबला शब्द से सम्बोधित करके इसका अपमान किया। यह परम्परावादी लोग नारी की स्वाधीनता के सदा खिलाफ रहे। यह तत्व नहीं चाहते कि नारी अपने पांव पर खड़ी होकर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक तौर पर स्वावलम्बी बने और मर्दों के साथ कन्धे - से - कन्धा मिलाकर चलें।

यह साफ शब्दों में कहते हैं कि नारी का स्थान चौंके व चूल्हे और घर की चारदीवारी में है। नारी को वह सेविका समझकर यह कहते नहीं थकते कि पुरूष का काम है पैसा कमाना और नारी का काम है सेवा करना। पराधीन नारी को कुछ तथाकथित आधुनिक कहे जाने वाले मर्दों ने पैसा कमाने का साधन समझ रखा है। विज्ञापनबाजी और बाज़ार की सभ्यता ने इसलिए नारी को स्वाधीन नहीं होने दिया; क्योंकि स्वाधीन नारी से मनमाना काम लेकर इसका शोषण नहीं कर सकते।

मध्ययुगीन काल के दौरान समाज में समाज में महिलाओं की स्थिति में अधिक गिरावट आयी। जब भारत के कुछ समुदायों में सती प्रथा, बाल विवाह और विधान पुनर्विवाह पर रोक, सामाजिक जिन्दगी का एक हिस्सा बन गयी थी। भारतीय उपमहाद्वीप में मुसलमानों की जीत ने परदा प्रथा में जौहर प्रथा भी थी। भारत के कुछ भागों का शिकार होना पड़ा था। बहुविवाह की प्रथा हिन्दू क्षत्रिय शासकों में व्यापक रूप से प्रचलित थी। कई मुस्लिम परिवारों में महिलाओं को जनाना क्षेत्रों तक ही सीमित रखा गया था। इन परिस्थितियों के बावजूद भी कुछ महिलाओं ने राजनीति, साहित्य, शिक्षा एवं धर्म के क्षेत्रों में सफलता प्राप्त की और पुरुषों के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर चली और समाज में अपनी एक पहचान बनाई।

- नवदीप कौर

बी.ए. प्रथम वर्ष

प्रकृति

इन पहाड़ों से सीखा है मैंने अचल रहना,
इन नदियों से सीखा है मैंने बहते रहना,
ये हवाएँ हैं जो एक पैगाम दे जाती हैं,
ये प्रकृति है जो मेरे मन को भा जाती है।

वो फूलों की खुशबू,
वो बहती नदियों की आवाज़,
वो बादलों की गर्जन,
और वो बारिश का एहसास,
कितना लुभावना है ये सफर प्रकृति का,
है इसका एक अलग ही अंदाज।

वो चिड़ियों का चहचहाना,
वो भंवरों का गुनगुनाना,
वो तारों का चमकना,
वो फूलों का महकना,
कितना ही मन्त्र-मुग्ध,
कहता है ये एहसास।

- डिम्पी
बी.ए. द्वितीय वर्ष

नारी

नारी अबला नादान नहीं
दबी हुई पहचान नहीं,

नारी हौंसले से भरती उड़ान
न कोई शिकायत न ही थकान।

जब है इससे शक्ति सारी
तो फिर क्यों इसे कहे बेचारी,

नारी को दे शिक्षा का उजियारा
पढ़ लिखकर करे रोशन जग सारा।

सम्मान, प्रतिष्ठा और प्यार
नारी सशक्तिकरण का है यही आधार,

नारी का जब होता शोषण
समाज को लग जाता कुपोषण,

सब उसी पर ऊँगली है उठाते
सच का साथ क्यों नहीं निभाते।

सशक्त नारी सशक्त समाज
हर देश की होगी यही आवाज़,

देश को आगे बढ़ाना है
तो नारी को सशक्त बनाना है।

- कनिका अग्निहोत्री
बी.ए. द्वितीय वर्ष

बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय

दूसरों की कमियों को देखना मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति है। यह बहुत बुरी आदत है। जो व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति की कमियों को देखता है और उससे घृणा करता है। उस व्यक्ति का पतन स्वत: ही हो जाता है। क्योंकि जिस व्यक्ति का पतन स्वत: ही हो जाता है। क्योंकि जिस व्यक्ति को आप दोषी मान रहे हैं उसका आपने भविष्य देखा है, नहीं। उसके अतीत से आप अपरिचित हैं और वर्तमान के अनुसार दोषी ठहराते हैं तो यह आपके लिए उचित नहीं है। आप जब दूसरों की बुराइयाँ देखेंगे तो आपको अपनी बुराई बिल्कुल नहीं दिखेगी। आपको ऐसा अनुभव होगा कि मैं महान हूँ। यह महानता ही आपके पतन का कारण बन सकती है। यह ईश्वरीय, विधान है कि मनुष्य को उसके शुभ-अशुभ कर्मों का फल अवश्य मिलता है। जो जेसा कर्म करेगा उसे वैसा ही फल मिलेगा तो हम क्यों किसी व्यक्तिगत दोषों का बखान करें। किसी महापुरुष ने कहा है कि दूसरों के दोष मत देखो ताकि तुम्हारे भी दोष न देखें। दूसरों में कमी निकालने की प्रवृत्ति का समाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वर्तमान में समाज के लोगों में एक प्रचलन है कि लोग किसी के अच्छे कार्य को देखकर उसकी प्रशंसा तो शायद ही करेंगे परंतु उसमें कमी अवश्य निकालेंगे चाहे वह कार्य उन्हें आता हो या न आता हो। समाज में ऐसे लोगों की जरूरत है जो दूसरों की बुराइयों को भी अच्छाई के रूप में देखते हुए उस व्यक्ति से बुराई को दूर करने की प्रेरणा दे। समाज में रहते हुए हम ऐसा प्रयास करें कि यदि कोई किसी की बुराई करता भी है तो हम उसकी बातो की तरफ ध्यान न दें और यदि अपने अंदर कोई कमी है तो उसे दूर करें अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें। इस संसार में ऐसे लोग बहुत कम हैं जो अपनी बुराइयों को समझते हैं तथा उसे दूर करने के लिए स्वयं प्रयास करते हैं। हमारी अपनी कमी तो हमारे प्रयास से दूर होगी। यदि मेरी आदत किसी में दोष या बुराई निकालने की है तो मैं उस आदत को स्वयं ही बदलूँगा। अत: हमें दूसरों में दोष निकालने से बचना चाहिए तथा अपने अंदर जो कमी है, उसे दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

- भावना
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

हिन्दी भाषा की भारत में दशा

भाषा का अर्थ होता है अपने भावों और विचारों को दूसरों के साथ साँझा करना। इसीलिए कोई भी भाषा ऊँची-नीची या अच्छी-बुरी नहीं होती है।

प्रत्येक देश की अपनी एक भाषा होती है और उसी भाषा से देश की शान होती है। हमारे देश भारत की भाषा है हिन्दी किन्तु बड़े दु:ख की बात है कि हिन्दी देश की राजभाषा होकर भी बहुत पिछड़ी हुई है। वर्तमान में हिन्दी भाषा पीछे ही पीछे जा रही है। हमारा आज का मुद्दा हिन्दी भाषा की बजाए अंग्रेजी भाषा को ज्यादा अहमियत दे रहा है, जैसे हम इंटरव्यूज देखते हैं उसमें अधिकतर सुपरस्टार अंग्रेजी भाषा में बातचीत करते हैं जिसका प्रभाव हमारे युवा पर पड़ रहा है। इसके इलावा आज के बच्चों को हिन्दी भाषा में गिनती भी नहीं आती है, जोकि हमारे लिए बहुत शर्म की बात है। इसके इलावा भारत के नौकरियों के पेपर जैसे सिविल सर्विसज़ का पेपर व अन्य पेपर हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होते हैं, जोकि एक अच्छा कदम है, लेकिन इन पेपरों में ज्यादा परेशानी हिन्दी माध्यम वाले बच्चों को होती है, वे अंग्रेजी माध्यम वाले बच्चों से पीछे रह जाते हैं। इन सबके अतिरिक्त हम स्वयं हिन्दी भाषा को पीछे छोड़ रहे हैं और अंग्रेजी भाषा का हाथ थाम रहे हैं। एक वैश्विक सत्य है कि जिस देश की भाषा लुप्त होने लगती है, वह देश पतन की ओर अग्रसर होने लगता है। इसीलिए हमें अपनी भाषा को बचाना होगा, हमारी भाषा बचेगी तभी हमारी पहचान बढ़ेगी।

- नवजोत कौर
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

माता-पिता

अपनी नन्हीं-नन्हीं आँखों से
देखा था जिनको मैंने पहली बार
हाँ वो मेरे प्यारे माँ बाप ही तो थे .....
बड़ी हुई जब मैं आगे बढ़ने लगी
जब गिरने पर लगी मुझे चोट
तो उठाने वाले मेरे माँ-बाप ही तो थे।

पता नहीं कितनी गलतियाँ कर जाती हूँ हर बार
वो हर गलती को माफ कर देने वाले
मेरे माँ-बाप ही तो थे -
बचपन में जब जिद करती थी नये खिलौनों की
झटपट नया खिलौना ला देने वाले
मेरे माँ-बाप ही तो थे।

जिन्होंने बड़ी से बड़ी मुश्किल में भी साथ नहीं छोड़ा
वो बड़ी मुश्किल को छोटी बना देने वाले
मेरे माँ-बाप ही तो थे.....
जिन्होंने बचपन से मुझे कोई कमी न रखी
वो पारियों की तरह मेरे पालन-पोषण करने वाले
मेरे माँ-बाप ही तो थे।

नहीं है शक्ति किसी की कलम में
जो लिख दे उनकी तारीफ।
सदा माता-पिता सब के साथ रहे
बस यही दुआ है मेरी भगवान से।

- खुशप्रीत कौर
बी.ए. तृतीय वर्ष

थोड़ा थक गई हूँ

हाँ थोड़ा थक गई हूँ
दूर निकलना छोड़ दिया,
पर ऐसा नहीं की मैंने
चलना छोड़ दिया।
फांसले अक्सर रिश्तों में
दूरी बढ़ा देते हैं,
पर यह नहीं कि मैंने दोस्तो
से मिलना छोड़ दिया।।
हाँ, ज़रा अकेली हूँ दुनिया की भीड़ में,
पर ऐसा नहीं कि मैंने दोस्ताना छोड़ दिया।
याद तुम्हें करती हूँ दोस्तो और परवाह भी,
बस कितना करती हूँ, ये बताना छोड़ दिया।

- नमन
बी.ए. तृतीय वर्ष

CAREER GUIDANCE AND COUNSELLING CELL

(From Aspirants to Achievers)

YOUTH WELFARE SOCIETY

(Unlocking the Potential of Youth)

WOMEN CELL

(A Celebration of Women's Impact)

ELECTORAL LITERACY CELL

(Citizens in Action)

FUELING YOUTH POTENTIAL IN TECHNOLOGY

HEALTH AND PHYSICAL EDUCATION

(Train Your Body and Mind with Sports)

ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਭਾਗ

ਪ੍ਰੋ. ਜਸਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ
ਮੁੱਖੀ, ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਭਾਗ

ਤੱਤਕਰਾ

1.	ਸੰਪਾਦਕੀ	ਜਸਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ, ਮੁੱਖੀ, ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਭਾਗ
2.	ਹਸੂਏ-ਖੁਸ਼ੀਏ ਦਾ ਘੋਲ	ਨਵਜੋਤ ਕੌਰ (ਬੀ.ਏ. ਤੀਜਾ ਸਾਲ)
3.	ਲੋਕ ਗੀਤ	ਕਮਲੇਸ਼ (ਬੀ.ਏ. ਪਹਿਲਾ ਸਾਲ)
4.	ਸੁਥਰਾ ਜੀ ਜਦ ਤੱਕਿਆ ਭੂੰ	ਦਿਵਿਆ (ਬੀ.ਏ. ਦੂਜਾ ਸਾਲ)
5.	ਜੀਵਣ ਜਾਚ	ਰਮਨਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ (ਬੀ.ਏ. ਦੂਜਾ ਸਾਲ)
6.	ਕਾਂ ਬਾਜ ਤੇ ਖਰਗੋਸ਼	ਨਮਨ (ਬੀ.ਏ. ਤੀਜਾ ਸਾਲ)
7.	ਭਲੇ ਆਦਮੀ ਦਾ ਪਰਛਾਵਾਂ	ਜਸਕਰਨ ਕੌਰ (ਬੀ.ਏ. ਤੀਜਾ ਸਾਲ)
8.	ਹੀਰ ਦੀ ਨਮਾਜ	ਗੀਤੀਕਾ (ਬੀ.ਏ. ਦੂਜਾ ਸਾਲ)

ਸੰਪਾਦਕੀ

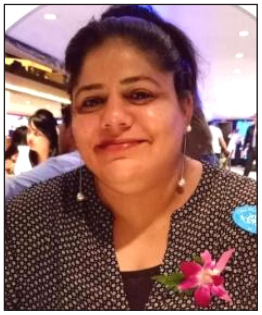

ਸਤਿ ਸ਼੍ਰੀ ਅਕਾਲ !

ਇਸ ਮੈਗਜ਼ੀਨ ਦੇ ਹਰੇਕ ਪੰਨੇ ਤੇ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਡੇ ਲਈ ਇੱਕ ਨਵੀਂ ਦੁਨੀਆਂ ਲੈ ਕੇ ਆਉਂਦੇ ਹਾਂ। ਇੱਕ ਦੁਨੀਆਂ ਜਿੱਥੇ ਤੁਹਾਡੀਆਂ ਆਵਾਜ਼ਾਂ ਸੁਣੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ, ਤੁਹਾਡੇ ਵਿਚਾਰਾਂ ਨੂੰ ਮੁੱਲ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਤੁਹਾਡੀਆਂ ਪ੍ਰਤਿਭਾਵਾਂ ਦਾ ਸਨਮਾਨ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਇਹ ਮੈਗਜ਼ੀਨ ਇਕ ਪਲੇਟਫਾਰਮ ਹੈ ਇੱਕ ਜਗ੍ਹਾ ਹੈ ਜਿੱਥੇ ਆਪਣੇ ਵਿਚਾਰ ਸਾਂਝੇ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ, ਮੈਗਜ਼ੀਨ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਿਸ਼ੇ ਪਾਠਕਾਂ ਨੂੰ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਨਾਲ ਜੋੜਦੇ ਹਨ। ਸਾਡਾ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਸਾਡੀ ਪਹਿਚਾਣ ਹੈ ਕਿਸੇ ਵੀ ਵਿਰਸੇ ਦੀ ਖੁਸ਼ਹਾਲੀ ਦਾ ਸ਼ੀਸ਼ਾ ਉਸ ਵਿਰਸੇ ਦਾ ਸਾਹਿਤ ਹੈ। ਸਾਹਿਤ ਇਕ ਅਜਿਹੀ ਕਲਾ ਹੈ ਜੋ ਕਿ ਸਾਨੂੰ ਆਪਣੇ ਸਭਿਆਚਾਰ ਨਾਲ ਜੋੜਦੀ ਹੈ। ਮੈਗਜ਼ੀਨ ਵਿਚ ਲੋਕ ਗੀਤ, ਲੋਕ ਕਹਾਣੀਆਂ ਤੇ ਜੀਵਨ ਜਾਚ ਬਾਰੇ ਗੱਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਜੋ ਕਿ ਸਾਡੇ ਰੋਮ ਰੋਮ ਵਿਚ ਊਰਜਾ ਤੇ ਸ਼ਕਤੀ ਪੈਦਾ ਕਰਦੀ ਹੈ।

ਆਧੁਨਿਕਤਾ ਦੀ ਇਸ ਦੌੜ ਵਿੱਚ ਅਸੀਂ ਆਪਣੀ ਮਾਂ ਬੋਲੀ ਦਾ ਤ੍ਰਿਸਕਾਰ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਅਤੇ ਵਿਦੇਸ਼ੀ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਨੂੰ ਗਲ ਨਾਲ ਲਗਾਉਂਦੇ ਹਾਂ ਰਵਿੰਦਰ ਨਾਥ ਟੈਗੋਰ ਨੇ ਕਿੰਨੀ ਵਧੀਆ ਗੱਲ ਕਹੀ ਕਿ ਜਿਵੇਂ ਇੱਕ ਵੇਸ਼ਵਾ ਦੂਜਿਆਂ ਦੀ ਸਾਰੀ ਦੌਲਤ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰ ਕੇ ਵੀ ਇੱਜਤ ਨਹੀਂ ਕਮਾ ਸਕਦੀ ਠੀਕ ਉਸੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਆਪਣੀ ਮਾਂ ਬੋਲੀ ਤੋਂ ਰੁੱਸ ਕੇ ਕੋਈ ਵੀ ਉੱਚੀ ਪਦਵੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਦਾ। ਅੱਜ ਸਮੇਂ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਸਾਰੇ ਇਕ ਜੁਟ ਹੋ ਕੇ ਆਪਣੀ ਮਾਂ ਬੋਲੀ ਪੰਜਾਬੀ ਦੀ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਵਰਤੋਂ ਕਰੀਏ ਆਪਣੇ ਵਿਰਸੇ ਤੇ ਸਭਿਆਚਾਰ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲੀਏ।

ਮੈਗਜ਼ੀਨ ਦੇ ਕਾਲਮਾਂ ਰਾਹੀਂ ਬਹੁਤ ਗੱਲਾਂ ਕੀਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਹਨ ਤੇ ਕਈ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਤਰੁੱਟੀਆਂ ਵੀ ਰਹਿ ਗਈਆਂ ਹੋਣਗੀਆਂ। ਕ੍ਰਿਪਾ ਕਰਕੇ ਮੁਆਫ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਅਤੇ ਆਪ ਜੀ ਵਲੋਂ ਸਾਡੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਬਹੁਤ-ਬਹੁਤ ਆਸ਼ੀਰਵਾਦ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ।

ਜਸਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ
ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਭਾਗ

ਹਸੂਏ-ਖੁਸ਼ੀਏ ਦਾ ਘੋਲ

ਬੜੇ ਚਿਰਾਂ ਦੀ ਗੱਲ ਏ ਕਿਸੇ ਪਿੰਡ ਵਿੱਚ ਦੋ ਬੰਦੇ ਰਹਿੰਦੇ ਸਨ। ਜੋ ਉਮਰੋਂ, ਕੱਦ-ਕਾਠੋ ਤੇ ਸੁਭਾਅ ਪੱਖੋਂ ਇੱਕ-ਦੂਜੇ ਨਾਲ ਮਿਲਦੇ-ਜੁਲਦੇ ਸਨ। ਉਹ ਸਦਾ ਇਕੱਠੇ ਹੀ ਰਹਿੰਦੇ ਤੇ ਇਕੱਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਦਾਸ ਕਰ ਦਿੰਦੀ ਸੀ। ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਵਿੱਚ ਕਿੰਨੇ ਹੀ ਦੁਖ-ਤਕਲੀਫ ਆਏ, ਦੋਵਾਂ ਨੇ ਇੱਕ-ਦੂਜੇ ਦਾ ਹੱਥ ਫੜ ਕੇ ਰੱਖਿਆ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਖੁਸ਼ੀਆਂ ਤੇ ਹਸੂਆ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਈ ਕਿੱਸੇ-ਕਹਾਣੀਆਂ ਲੋਕਾਂ ਵਿੱਚ ਬਹੁਤ ਮਸ਼ਹੂਰ ਹਨ।

ਸਿਆਣੇ ਬਜ਼ੁਰਗ ਦੱਸਦੇ ਹਨ ਕਿ ਇੱਕ ਵਾਰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਨ ਵਿੱਚ ਫੁਰਨਾ ਫੁਰਿਆ ਕਿ ਬਾਹਰ ਜਾ ਕੇ ਕਿਉਂ ਨਾ ਦੁਨੀਆਂ ਦੇਖੀ ਜਾਵੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬਹੁਤ ਸ਼ਹਿਰਾਂ, ਪਿੰਡਾਂ ਤੇ ਕਸਬਿਆਂ ਦੀ ਸੈਰ ਕੀਤੀ। ਇੱਕ ਵਾਰ ਫਿਰਦੇ-ਫਿਰਦੇ ਉਹ ਇੱਕ ਪਿੰਡ ਦੀ ਸੱਥ ਵਿੱਚ ਪੁੱਜ ਗਏ। ਸੱਥ ਵਿੱਚ ਬੜਾ ਭਾਰੀ ਇਕੱਠ ਸੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੋਚਿਆ, ਕਾਹਦਾ ਇਕੱਠ ਏ ? ਆਪਾਂ ਵੀ ਵੇਖੀਏ। ਅੱਗੇ ਅਖਾੜਾ ਪੱਟਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ ਤੇ ਘੋਲ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਹੋ ਰਹੀ ਸੀ। ਐਨੇ ਲੋਕੀਂ ਬਾਘੇ ਤੇ ਸ਼ੇਰੇ ਦਾ ਘੋਲ ਵੇਖਣ ਲਈ ਆਏ ਹੋਏ ਸਨ।

ਦੋਵਾਂ ਦਾ ਘੋਲ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਗਿਆ, ਦੋਵੇਂ ਭਲਵਾਨ ਭਾਰੇ ਸਨ। ਭੀੜ ਵਿੱਚੋਂ ਵੀ ਕਈ ਲੋਕੀਂ ਲਲਕਾਰੇ ਮਾਰਨ ਲੱਗ ਪਏ ਸਨ। ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਦਾਉ ਵਿਖਾਉਂਦਾ, ਭੀੜ ਵਿੱਚੋਂ ਕੋਈ ਨਾ ਕੋਈ ਤਾੜੀ ਮਾਰ ਦਿੰਦਾ ਤੇ ਬੱਸ ਫੇਰ ਕੀ ਸੀ, ਉਸਦੇ ਪਿੱਛੇ ਤਾੜੀਆਂ ਦਾ ਮੀਂਹ ਬਰਸਣ ਲੱਗ ਪੈਂਦਾ। ਜਦੋਂ ਉਹ ਇੱਕ-ਦੂਜੇ ਦਾ ਦਾਉ ਬਚਾਉਂਦੇ ਤਾਂ ਵੀ ਰੌਲਾ ਪੈਂਦਾ। ਬੜਾ ਚਿਰ ਘੋਲ ਇਵੇਂ ਚਲਦਾ ਰਿਹਾ, ਇਵੇਂ ਲੱਗਦਾ ਸੀ ਕਿ ਦੋਵਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਹਾਰੇਗਾ। ਬੜੀ ਜ਼ੋਰ ਅਜਮਾਈ ਪਿੱਛੋਂ ਸ਼ੇਰੇ ਨੂੰ ਬਾਘੇ ਨੇ ਢਾਹ ਹੀ ਲਿਆ। ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਰੌਲਾ ਪਾ-ਪਾ ਕੇ ਆਕਾਸ਼ ਗੂੰਜਣ ਲਾ ਦਿੱਤਾ। ਬਾਘਾ ਖੁਸ਼ੀ ਵਿੱਚ ਥਾਪੀਆਂ ਮਾਰਨ ਲੱਗਾ। ਲੋਕਾਂ ਨੇ ਉਸਨੂੰ ਮੋਢਿਆਂ ਤੇ ਚੁੱਕ ਲਿਆ। ਸ਼ੇਰਾ ਉਦਾਸ ਹੋ ਕੇ ਇੱਕ ਪਾਸੇ ਜਾ ਬੈਠਾ ਤੇ ਸੋਚਣ ਲੱਗਾ ਕਸਰ ਤਾਂ ਮੈਂ ਵੀ ਕੋਈ ਨਹੀਂ ਛੱਡੀ। ਉਸਦਾ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਵੀ ਕੋਈ ਖਿਆਲ ਤੱਕ ਨਹੀਂ ਸੀ।

ਹਸੂਆ ਉੱਠਿਆ ਤੇ ਜੋ ਬੰਦਾ ਪਿੰਡ ਦਾ ਮੋਹਰੀ ਸੀ, ਉਸ ਕੋਲ ਪੁੱਜਿਆ। ਉਸਨੇ ਪੁੱਛਿਆ, "ਮੈਂ ਤੇ ਮੇਰਾ ਸਾਥੀ ਜੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਘੋਲ ਵਿਖਾਈਏ, ਤੁਹਾਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ ਤਾਂ ਨਹੀਂ ?" ਪਿੰਡ ਦਾ ਮੋਹਰੀ ਥੋੜ੍ਹਾ ਜਿਹਾ ਮੁਸਕੁਰਾਇਆ ਤੇ ਬੋਲਿਆ, 'ਨਹੀਂ, ਸਾਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ ਨਹੀਂ।' ਲੰਗੋਟ ਬੰਨ ਕੇ ਹਸੂਆ ਤੇ ਖੁਸ਼ੀਆ ਅਖਾੜੇ ਵਿੱਚ ਆ ਗਏ। ਕਾਫੀ ਦੇਰ ਦੋਵਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਆਪ ਵਿੱਚ ਕਮਾਲ ਦੇ ਹੱਥ ਵਿਖਾਏ। ਲੋਕ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦਾਉ-ਪੇਚਾਂ ਤੇ ਤਾੜੀਆਂ ਵਜਾਉਂਦੇ ਰਹੇ। ਬਾਘਾ ਤੇ ਸ਼ੇਰਾ ਵੀ ਦੋਵੇਂ ਘੋਲ ਦਾ ਆਨੰਦ ਮਾਣ ਰਹੇ ਸਨ। ਹਰ ਕੋਈ ਘੋਲ ਵੇਖਣ ਲਈ ਇੱਕ-ਦੂਜੇ ਤੋਂ ਅੱਗੇ ਖਲੋਣ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਨ ਲੱਗਾ। ਇਉਂ ਜਾਪਦਾ ਸੀ ਜਿਵੇਂ ਦੋਵਾਂ ਨੇ ਰਲ ਕੇ ਮੇਲਾ ਲੁੱਟ ਲਿਆ ਹੋਵੇ। ਅਖੀਰ ਨੂੰ ਖੁਸ਼ੀਏ ਨੇ ਹਸੂਏ ਨੂੰ ਢਾਹ ਲਿਆ। ਲੋਕੀਂ ਇੱਕ-ਦੂਜੇ ਤੇ ਵੱਧ ਕੇ ਰੌਲਾ ਪਾਉਣ ਲੱਗੇ। ਹਸੂਆ ਵੀ ਖੁਸ਼ੀ ਵਿੱਚ ਨੱਚਣ ਲੱਗਾ। ਸ਼ੇਰਾ ਤੇ ਬਾਘਾ ਉਸ ਵੱਲ ਬਿਟ-ਬਿਟ ਵੇਖਣ ਲੱਗੇ, ਦੋਵਾਂ ਦੇ ਮੂੰਹਾਂ ਤੇ ਹੈਰਾਨਗੀ ਸਾਫ਼ ਝਲਕ ਰਹੀ ਸੀ।

ਨਵਜੋਤ ਕੌਰ
ਬੀ.ਏ. ਤੀਜਾ ਸਾਲ

ਲੋਕ ਗੀਤ

ਮੋਟੀ ਰੰਨ ਦਾ ਕੀ ਸਲਾਹੀਏ।
ਕੋਈ ਨਾ ਇਹਦੇ ਜੇਹਾ,
ਸਾਰੇ ਘਰ ਦਾ ਅੰਨ ਖਾ ਜਾਂਦੀ
ਟੁੱਕਰ ਬਚੇ ਨਾ ਬੇਹਾ,
ਇਸ ਨੂੰ ਛੋੜ ਦਿਆਂਗੇ ਸ਼ਾਵਾ
ਹਮ ਤੋਂ ਔਰ ਕਰੇਂਗੇ ਸ਼ਾਵਾ
ਜਵਾਨੀ ਬੜੀ ਮਸਤਾਨੀ ਸ਼ਾਵਾ
ਬੁਢਾਪਾ ਬੜਾ ਲਾਲਚੀ ਸ਼ਾਵਾ

ਪਤਲੀ ਰੰਨ ਦਾ ਕੀ ਸਲਾਹੀਏ ਕੀ ਸਲਾਹੀਏ
ਜਿਉਂ ਖੇਤ ਦਾ ਡਰਨਾ
ਸੁੱਖਣ ਪਾਵੇ ਲਹਿੰਗਾ ਪਾਵੇ,
ਕੁਝ ਵੀ ਇਸ ਨੂੰ ਨਾਂ ਸੱਜਣਾ
ਹਮ ਤੇ ਔਰ ਕਰੇਂਗੇ ਸ਼ਾਵਾ

ਕਾਲੀ ਰੰਨ ਦਾ ਕੀ ਸਲਾਹੀਏ, ਕੀ ਸਲਾਹੀਏ,
ਕਾਲੀ ਮੈਂ ਨਾਂ ਭਾਵੇ,
ਕੋਠੇ ਚੜ੍ਹ ਕੇ ਵੇਖਣ ਲੱਗੇ,
ਬੱਦਲ ਚੜ੍ਹਿਆ ਆਵੇ,
ਇਸ ਨੂੰ ਛੋੜ ਦਿਆਂਗੇ ਸ਼ਾਵਾ
ਸ਼ਾਵਾ ਸ਼ਾਹ ਜਵਾਨੀ।
ਜਵਾਨੀ ਬੜੀ ਮਸਤਾਨੀ ਸ਼ਾਵਾ
ਬੁਢਾਪਾ ਬੜਾ ਲਾਲਚੀ।

ਕਮਲੇਸ਼
ਬੀ.ਏ. ਪਹਿਲਾ ਸਾਲ

ਸੁਥਰਾ ਜੀ ਜਦ ਤੱਕਿਆ ਤੂੰ

ਮੈਨੂੰ ਗੁੱਸਾ ਰੱਬ ਤੇ ਆਉਂਦਾ ਹੈ,
ਕਯੋਂ ਸਭ ਦੀ ਚਿੰਤਾ ਹਰਦਾ ਨਹੀਂ ?
ਖਾਹਸ਼ਾ ਉਪਜਾ ਕੇ ਆਪੇ ਹੀ,
ਫਿਰ ਸਭ ਕਿਉਂ ਪੂਰਨ ਕਰਦਾ ਨਹੀਂ ?
ਲੋਕੋ ! ਚਾ ਮੈਨੂੰ ਰੱਬ ਮਿਥੋਂ,
ਸਿਰੇ ਸੀਸ ਖੁਦਾਈ ਤਾਜ਼ ਪਰੋ
ਫਿਰ ਲਵੇਂ ਮੁਰਾਦਾਂ ਮੁੰਹ ਮੰਗੀਆਂ
ਸਿਰੇ ਦਿਲ ਦਾ ਹੁਣ ਇਲਾਜ ਕਰੋ।
ਜਦ ਤੱਕਿਆ ਤੂੰ
ਸਾਡੇ ਵੱਲ ਜਦ ਤੱਕਿਆ ਤੂੰ,
ਮਿਨ੍ਹਾ ਜਿਹਾ ਜਦ ਹੱਸਿਆ ਤੂੰ,
ਅੱਖਾਂ ਨੂੰ ਇੰਨ੍ਹਾ ਜੱਚਿਆਂ ਤੂੰ,
ਸਿੱਧਾ ਸੀ ਦਿਲ ਵਿੱਚ ਵਸਿਆ ਤੂੰ,
ਖੇਲ ਕੋਈ ਐਸਾ ਰਚਿਆ ਤੂੰ
ਆਪਣਾ ਗਵਾ ਬੈਠੇ ਸਭ ਕੁਝ
ਹੁਣ ਬਾਕੀ ਬੱਚਿਆਂ ਤੂੰ।

ਦਿਵਿਆ
ਬੀ.ਏ. ਭਾਗ ਦੂਜਾ

ਭਲੇ ਆਦਮੀ ਦਾ ਪਰਛਾਵਾਂ

ਬਹੁਤ ਪੁਰਾਣੀ ਗੱਲ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਥਾਂ ਇੱਕ ਆਦਮੀ ਰਹਿੰਦਾ ਸੀ। ਜੋ ਸਭਨਾਂ ਨਾਲ ਬੜਾ ਪਿਆਰ ਕਰਦਾ ਸੀ ਅਤੇ ਉਸਦੇ ਹਿਰਦੇ ਵਿੱਚ ਜੀਵਾਂ ਦੇ ਲਈ ਹਮਦਰਦੀ ਸੀ। ਉਸਦੇ ਗੁਣਾਂ ਤੋਂ ਪ੍ਰਸੰਨ ਹੋ ਕੇ ਪ੍ਰਮਾਤਮਾ ਨੇ ਉਸਦੇ ਕੋਲ ਆਪਣਾ ਦੂਤ ਘੱਲਿਆ। ਦੂਤ ਨੇ ਭਲੇ ਆਦਮੀ ਕੋਲ ਆ ਕੇ ਕਿਹਾ, "ਪਰਮਾਤਮਾ ਨੇ ਮੈਨੂੰ ਤੁਹਾਡੇ ਕੋਲ ਇਹ ਕਹਿਣ ਦੇ ਲਈ ਘੱਲਿਆ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਤੁਹਾਡੇ ਤੋਂ ਬੜਾ ਪ੍ਰਸੰਨ ਹੈ ਅਤੇ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕੋਈ ਵਿਦਿਆ ਸ਼ਕਤੀ ਦੇਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਕੀ ਤੁਸੀਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਰੋਗਮੁਕਤ ਕਰਨ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨਾ ਚਾਹੋਗੇ ?"

ਬਿਲਕੁਲ ਨਹੀਂ, ਮੈਂ ਇਹ ਚਾਹਾਂਗਾ ਕਿ ਪ੍ਰਮਾਤਮਾ ਖੁਦ ਇਸ ਗੱਲ ਦਾ ਨਿਰਣਾ ਕਰੇ ਕਿ ਕਿਸ ਨੂੰ ਰੋਗ ਮੁਕਤ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ, ਭਲੇ ਆਦਮੀ ਨੇ ਕਿਹਾ।

ਫਿਰ ਦੂਤ ਬੋਲਿਆ, 'ਤਾਂ ਫਿਰ ਤੁਸੀਂ ਪਾਪੀਆਂ ਨੂੰ ਸਦਮਾਰਗ 'ਤੇ ਲਿਆਉਣ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਗ੍ਰਹਿਣ ਕਰ ਲਵੋ।'

'ਇਹ ਤਾਂ ਤੁਹਾਡੇ ਜਿਹੇ ਦੇਵ ਦੂਤਾਂ ਦਾ ਕੰਮ ਹੈ। ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਕਿ ਲੋਕ ਮਸੀਹਾ ਜਾਣ ਕੇ ਮੇਰਾ ਸਤਿਕਾਰ ਕਰਨ ਜਾਂ ਮੈਨੂੰ ਇਵੇਂ ਹੀ ਮੂਰਤੀ ਸਥਾਪਤ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇ।' ਭਲੇ ਆਦਮੀ ਨੇ ਕਿਹਾ, 'ਤੁਸੀਂ ਤਾਂ ਸੰਕਟ ਵਿੱਚ ਪਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ।' ਦੇਵਦੂਤ ਨੇ ਭਲੇ ਆਦਮੀ ਨੂੰ ਕਿਹਾ, 'ਮੈਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਕੋਈ ਸ਼ਕਤੀ ਦਿੱਤੇ ਬਿਨਾ ਸਵਰਗ ਵਾਪਸ ਨਹੀਂ ਜਾ ਸਕਦਾ। ਜੇਕਰ ਤੁਸੀਂ ਕੋਈ ਸ਼ਕਤੀ ਨਹੀਂ ਲੈਣਾ ਚਾਹੋਗੇ ਤਾਂ ਮਜ਼ਬੂਰ ਹੋ ਕੇ ਮੈਨੂੰ ਤੁਹਾਡੇ ਲਈ ਕੁਝ ਚੁਣਨਾ ਪਵੇਗਾ।

ਭਲੇ ਆਦਮੀ ਨੇ ਕੁਝ ਪਲਾਂ ਦੇ ਲਈ ਸੋਚਿਆ ਅਤੇ ਫਿਰ ਕਿਹਾ, 'ਠੀਕ ਹੈ ਜੇਕਰ ਇਹੋ ਜਿਹਾ ਹੈ ਤਾਂ ਮੈਂ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹਾਂ ਕਿ ਪ੍ਰਮਾਤਮਾ ਮੇਰੇ ਕੋਲ ਜਿਹੜੇ ਵੀ ਸ਼ੁਭ ਕਾਰਜ ਕਰਵਾਉਣਾ ਚਾਹੁੰਦਾ ਹੈ ਉਹ ਖੁਦ ਵਾਪਰਦੇ ਰਹਿਣ, ਪਰ ਉਸ ਵਿੱਚ ਮੇਰਾ ਹੱਥ ਹੋਣ ਦਾ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਵੀ ਪਤਾ ਨਾ ਲੱਗੇ, ਮੈਨੂੰ ਵੀ ਨਹੀਂ ਤਾਂ ਕਿ ਖੁਦ ਨੂੰ ਇਹੋ ਜਿਹੀ ਸਮਰੱਥਾ ਨਾਲ ਭਰਪੂਰ ਜਾਣ ਕੇ ਮੇਰੇ ਵਿੱਚ ਕਦੀ ਹੰਕਾਰ ਨਾ ਜਨਮੇ।'

"ਇਹੋ ਜਿਹਾ ਹੀ ਹੋਵੇਗਾ" ਦੇਵਦੂਤ ਨੇ ਕਿਹਾ। ਉਸਨੇ ਭਲੇ ਆਦਮੀ ਦੇ ਪ੍ਰਛਾਵੇਂ ਨੂੰ ਰੋਗਮੁਕਤ ਕਰਨ ਦੀ ਦਿਵਿਆ ਸ਼ਕਤੀ ਨਾਲ ਸੰਪੂਰਨ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਪਰ ਉਨੇ ਸਮੇਂ ਦੇ ਲਈ ਜਦ ਉਸਦੇ ਚਿਹਰੇ 'ਤੇ ਸੂਰਜ ਦੀਆਂ ਕਿਰਨਾਂ ਪੈ ਰਹੀਆਂ ਹੋਣ। ਇਸ ਪ੍ਰਕਾਰ ਉਹ ਭਲਾ ਆਦਮੀ ਜਿੱਥੇ ਕਿਤੇ ਵੀ ਗਿਆ ਓਥੇ ਲੋਕ ਰੋਗਮੁਕਤ ਹੋ ਗਏ। ਬੰਜਰ ਧਰਤੀ ਵਿੱਚ ਫੁੱਲ ਖਿੜ੍ਹ ਪਏ ਅਤੇ ਦੁਖੀਆਂ ਦੇ ਜੀਵਨ ਵਿੱਚ ਬਸੰਤ ਆ ਗਿਆ। ਆਪਣੀਆਂ ਸ਼ਕਤੀਆਂ ਤੋਂ ਅਣਜਾਣ ਉਹ ਭਲਾ ਆਦਮੀ ਸਾਲਾਂ ਤਕ ਦੂਰ ਦੇਸ਼ਾਂ ਦੀਆਂ ਯਾਤਰਾਵਾਂ ਕਰਦਾ ਰਿਹਾ ਅਤੇ ਉਸਦਾ ਪ੍ਰਛਾਵਾਂ ਪ੍ਰਮਾਤਮਾ ਦੀ ਇੱਛਾ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਦਾ ਰਿਹਾ। ਉਸਨੂੰ ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਭਰ ਇਸਦਾ ਅਹਿਸਾਸ ਨਹੀਂ ਹੋਇਆ ਕਿ ਉਹ ਪ੍ਰਮਾਤਮਾ ਦੇ ਕਿੰਨਾ ਨੇੜੇ ਸੀ।

ਜਸਕਰਨ ਕੌਰ
ਬੀ.ਏ. ਤੀਜਾ ਸਾਲ

ਜੀਵਣ ਜਾਂਚ

1. ਜਿਸ ਦਿਨ ਸਾਦਗੀ ਨਾਲ ਜੀਉਣਾ ਆ ਗਿਆ ਤਾਂ ਅਸਲੀ ਜੀਉਣਾ ਆ ਗਿਆ।
2. ਨਤੀਜਿਆਂ ਦਾ ਕੱਦ ਸਦਾ ਮਿਹਨਤ ਦੀ ਖੁਰਾਕ ਤੇ ਨਿਰਭਰ ਕਰਦਾ ਹੈ।
3. ਹਰ ਦਿਨ ਕੀਤੀ ਥੋੜ੍ਹੀ-ਥੋੜ੍ਹੀ ਮਿਹਨਤ ਵੱਡੇ ਨਤੀਜੇ ਲੈ ਕੇ ਆਉਂਦੀ ਹੈ।
4. ਜ਼ਿੰਦਗੀ ਵਿੱਚ ਉਤਰਾਅ ਚੜ੍ਹਾਅ ਤਾਂ ਆਉਂਦੇ ਹੀ ਰਹਿੰਦੇ ਹਨ ਬਸ ਡਟੇ ਰਹੋ।
5. ਸਫਲ ਹੋਣ ਲਈ ਆਪਣੀਆਂ ਗਲਤੀਆਂ ਤੋਂ ਸਿੱਖਣਾ ਪੈਂਦਾ ਹੈ।
6. If not ਹੁਣ then ਕਦੋਂ ?
7. ਮੇਰੇ ਸਬਰ ਦੀ ਖਬਰ ਰੱਬ ਨੂੰ ਹੈ, ਮੈਂ ਦੁਨੀਆਂ ਤੋਂ ਕੀ ਲੈਣਾ।

ਰਮਨਪ੍ਰੀਤ ਕੌਰ
ਬੀ.ਏ. ਦੂਜਾ ਸਾਲ

ਕਾਂ, ਬਾਜ ਤੇ ਖਰਗੋਸ਼

ਇੱਕ ਵਾਰ ਇੱਕ ਪਹਾੜ ਦੀ ਚੋਟੀ ਉੱਤੇ ਇੱਕ ਬਾਜ ਰਹਿੰਦਾ ਸੀ। ਉਸੇ ਪਹਾੜ ਦੇ ਪੈਰਾਂ ਵਿੱਚ ਬੋਹੜ ਦੇ ਰੁੱਖ ਉੱਤੇ ਇੱਕ ਕਾਂ ਦਾ ਆਲ੍ਹਣਾ ਸੀ। ਉਹ ਬੜਾ ਚਲਾਕ ਤੇ ਮਕਾਰ ਸੀ। ਉਹ ਹਮੇਸ਼ਾ ਇਹੀ ਸੋਚਦਾ ਰਹਿੰਦਾ ਸੀ ਕਿ ਬਿਨ੍ਹਾਂ ਮਿਹਨਤ ਕੀਤੇ ਵਧੀਆ ਖਾਣ ਨੂੰ ਮਿਲ ਜਾਵੇ। ਰੁੱਖ ਦੇ ਕੋਲ ਗੁਫਾ ਵਿੱਚ ਖਰਗੋਸ਼ ਰਹਿੰਦੇ ਸਨ। ਜਦੋਂ ਵੀ ਖਰਗੋਸ਼ ਬਾਹਰ ਆਉਂਦੇ ਤਾਂ ਬਾਜ ਉੱਚੀ ਉਡਾਣ ਭਰਦੇ ਅਤੇ ਕਿਸੇ ਨਾ ਕਿਸੇ ਖਰਗੋਸ਼ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਪੰਜਿਆਂ ਵਿੱਚ ਚੁੱਕ ਕੇ ਲੈ ਜਾਂਦੇ।

ਇੱਕ ਦਿਨ ਕਾਂ ਨੇ ਸੋਚਿਆ, 'ਉਂਝ ਤਾਂ ਇਹ ਚਲਾਕ ਖਰਗੋਸ਼ ਮੇਰੇ ਹੱਥ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਆਉਣ ਲੱਗੇ, ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਨਰਮ ਮਾਸ ਖਾਣ ਲਈ ਮੈਨੂੰ ਵੀ ਬਾਜ ਵਾਂਗ ਕਰਨਾ ਪਵੇਗਾ। ਮੈਂ ਵੀ ਅਚਾਨਕ ਛਪੱਟਾ ਮਾਰ ਕੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਫੜ ਲਵਾਂਗਾ। ਦੂਜੇ ਦਿਨ ਕਾਂ ਨੇ ਵੀ ਇੱਕ ਖਰਗੋਸ਼ ਨੂੰ ਫੜਨ ਦੀ ਗੱਲ ਸੋਚਕੇ ਉੱਚੀ ਉਡਾਨ ਭਰੀ। ਫਿਰ ਉਹਨੇ ਖਰਗੋਸ਼ ਨੂੰ ਫੜਨ ਲਈ ਬਾਜ ਵਾਂਗ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ ਉਪਰੋਂ ਛਪੱਟਾ ਮਾਰਿਆ ਭਲਾ ਕਾਂ ਤੇ ਬਾਜ ਦਾ ਕੀ ਮੁਕਾਬਲਾ ? ਖਰਗੋਸ਼ ਨੇ ਕਾਂ ਨੂੰ ਵੇਖ ਲਿਆ ਅਤੇ ਉਸੇ ਵੇਲੇ ਭੱਜ ਕੇ ਚਟਾਨ ਦੇ ਪਿੱਛੇ ਲੁੱਕ ਗਿਆ। ਕਾਂ ਪੂਰੇ ਜ਼ੋਰ ਨਾਲ ਚਟਾਨ ਵਿਚ ਜਾ ਵੱਜਿਆ। ਚਟਾਨ ਨਾਲ ਵੱਜਦਿਆਂ ਸਾਰ ਹੀ ਉਸਦੀ ਚੁੰਝ ਅਤੇ ਗਰਦਨ ਟੁੱਟ ਗਈ ਤੇ ਉਹ ਉਥੇ ਹੀ ਤੜਫ-ਤੜਫ ਕੇ ਮਰ ਗਿਆ।

ਸਿੱਖਿਆ – ਨਕਲ ਕਰੋ ਪਰ ਅਕਲ ਨਾਲ।

ਨਮਨ
ਬੀ.ਏ. ਦੂਜਾ ਸਾਲ

ਹੀਰ ਦੀ ਨਮਾਜ਼

ਘਿਓ ਦੀ ਚੂਰੀ ਭਰ ਛੰਨਾ ਲਈ ਹੀਰ ਸੀ ਜਾਂਦੀ

ਕਾਹਲੀ ਕਾਹਲੀ ਕਦਮ ਉਠਾਂਦੀ, ਲੋਕਾਂ ਨਜ਼ਰ ਬਚਾਂਦੀ

ਦਿਲ ਵਿਚ ਫਿਕਰ ਕਿ ਮੇਰਾ ਰਾਂਝਾ ਹਉ ਉਡੀਕ ਕਰਦਾ

ਭੁੱਖਾ ਭਾਣਾ ਕਿਸੇ ਬਿਰਛ ਦੀ ਛਾਵੇਂ ਹਉਕੇ ਭਰਦਾ

ਅੱਗੇ ਪਿੰਡ ਦਾ ਵੱਡਾ ਮੁਲਾਣਾ ਪਿਆ ਨਮਾਜ ਪੜ੍ਹੇਂਦਾ

ਅਪਨੀ ਜਾਚੇ ਰੱਬ ਦੇ ਸਿਰ ਸੀ ਬੜਾ ਹਸਾਨ ਕਰੇਂਦਾ

ਵੇਖ ਮੁੱਲੇ ਨੇ ਦੰਦੇ ਕਰੀਚੇ ਅੱਗੋਂ ਪਿਆਂ ਖਾਣ ਨੂੰ

ਮੁੱਲਾ ਭੁੱਖਾ ਜਿਵੇਂ ਬਘੇਲਾ

ਬੇਵਕੂਫ ਤੂਨੇ ਕਰ ਦੀ ਕਜ਼ ਨਮਾਜ ਹਮਾਰੀ

ਆਂਧੀ ਬਣ ਕੇ ਗੁਜਰੀ ਆਗੈ ਧਯਾਨ ਹਮਾਰਾ ਟੁੱਟਾ

ਹੀਰ ਪਿਆਰੀ ਨੇ ਮੁਸਕਰਾਕੇ ਉੱਤਰ ਦਿੱਤਾ ਮਿੱਠਾ

ਸੁੰਹ ਰਾਂਝੇ ਦੀ ਮੈਂ ਨਹੀਂ ਤੈਨੂੰ ਡਿੱਠਾ ਰਾਂਝੇ

ਵੱਲ ਸੂਰਤ ਸੀ ਮੇਰੀ ਹੋਰ ਖਿਆਲ ਸਭ ਭੁੱਲੇ

ਹੀਰ ਕਹੇ ਮੈਂ ਪੜ੍ਹਾਂ ਨਮਾਜ਼ਾ ਰਾਂਝੇ ਆਪਣੇ ਯਾਰ ਦੀਆਂ।

ਮੇਰਾ ਰਾਂਝਾ ਮੇਰਾ ਮੱਕਾ, ਮਦੀਨਾ ਮੇਰਾ ਰੱਬ

ਮੇਰਾ ਹੈ ਯਾਰ ਹੀ।

ਗੀਤੀਕਾ

ਬੀ.ਏ. ਭਾਗ ਦੂਜਾ

Economics Section

Editor :
Shubhda Thakur
HOD, Economics

CONTENTS

1.	Editorial	Mrs. Shubhda Thakur	HOD, Economics
2.	Brain Drain	Gurvinder Kaur	B.A. III
3.	MSP (Minimum Support Price)	Sakshi Saini	B.A. II
4.	Impact of AI on Economy	Kanika Agnihotri	B.A. II
5.	प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ता रूझान	मनप्रीत कौर	बी.ए. द्वितीय वर्ष
6.	अर्न्तराष्ट्रीय परिदृश्य में नीली अर्थव्यवस्था के भावी निहितार्थ	हरकीरत कौर	बी.ए. द्वितीय वर्ष
7.	बेरोजगारी : भारत के लिए एक अभिशाप	नवजोत कौर	बी.ए. तृतीय वर्ष
8.	शिक्षा व्यवस्था बनाम बाजारवाद	जसप्रीत कौर	बी.ए. द्वितीय वर्ष
9.	अशिक्षा का प्रभाव	खुशप्रीत कौर	बी.ए. तृतीय वर्ष

EDITORIAL

The youth of India is a dynamic force that is changing the governance of the country. Their energy, ideas and innovation are essential to lead India to a brighter and fairer future. with a large percentage of the population under 35. India has a demographic dividend where the young generation represents substantial workforce and potential for economic growth.

Indian youth are actively contributing to the startup eco-system driving innovation in technology healthcare and other fields due to their tech savy nature and willingness to take risks.

Youth are increasingly vocal about social issues like climate change, gender equality and social jusice, leading movements and advocating for positive change. Despite their potential Indian youth face significant challenges including - high unemployment rates inadequate access to quality education particularly in rural areas and social pressure regarding career choices.

So in short we can say that India's youth are its greatest asset and by providing them with the necessary opportunities and support the country can leverage there potential to achieve significant progress in various fields leading to a more prosperous and equitable society. It is crucial to address the challenges faced by the young generation to ensure they can actively contribute to building a strong and progressive nation.

Mrs. Shubhda Thakur
HOD, Economics

BRAIN DRAIN

Brain Drain हमारे देश भारत के लिए एक गंभीर समस्या बन चुकी है। Brain Drain का अर्थ होता है कि जब सुशिक्षित और कार्यकुशल व्यक्तियों को बेहतर नौकरी और अधिक धन के लिए स्वदेश छोड़कर विदेश जाना पड़े। किसी देश के आर्थिक विकास के लिए बुद्धिजीवियों, पेशवरों और तकनीकी संसाधनों का होना अत्यंत आवश्यक है। Brain Drain किसी देश के कुशल संसाधनों के सामूहिक पलायन के रूप में भी जाना जाता है। यह देश के संभावित आर्थिक गिरावट को दर्शाता है।

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय जनसंख्या में अनुकूल वृद्धि हुई है। भारतीय जनसंख्या में कार्यकारी वर्ग का अनुपात तीव्रगति से बढ़ा है। कार्यकारी वर्ग वह होता है जिनमें किसी कार्य या काम को करने की कुशल योग्यता या क्षमता होती है। भारतीय युवा का देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान होता है देश के युवा ही आधुनिक तकनीक या संसाधनों का कुशलतापूर्ण प्रयोग कर सकते हैं। भारत अपने विकास की राह पर अग्रसर है क्योंकि भारत की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वर्ष 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारती का यह स्वपन कैसे साकार होगा? क्योंकि भारतीय युवा कम समय में अधिक वेतन एवं अपने आर्थिक विकास के लिए विदेशों में जा रहे हैं, जिससे भारत में अशिक्षित एवं अकुशल लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है।

इसके लिए सरकार द्वारा भी ठोस कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2024 में शिक्षित वर्ग की कार्यकुशलता को सुधारने के लिए ''नई शिक्षा नीति'' शुरुआत की गई है, जिसमें युवा को व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा। Brain Drain को रोकने के लिए देश में आर्थिक संसाधनों का आबंटन किया जा रहा है। भारत में युवा को तकनीकी ज्ञान या उनकी Skill पर ज़ोर दिया जा रहा है। इसके साथ-साथ लघु एवं कुटीर उद्योगों के विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। Brain Drain भारत में अनेकों समस्याएं पैदा कर रहा है, जो अप्रत्यक्ष रूप से मौजूद है यदि सभी पढ़े-लिखे, कुशल व्यक्ति पहले अपने देश के विकास की ओर ध्यान देंगे तो विकास होगा और Brain Drainखत्म किया जा सकेगा।

Gurvinder Kaur
B.A. III

MSP (MINIMUM SUPPORT PRICE)

The minimum support price (MSP) is a crucial component of India's agricultural Policy, aimed at ensuring a fair and remunerative price for farmer's produce. The MSP is a price at which the government purchases crops from farmers to provide a safety net against price fluctuations and market volatility. This mechanism was first introduced in the 1960s as part of India's Green Revolution, with the primary objective of incentivizing farmers to produce more, thereby increasing food security and reducing dependence on imports. The MSP is determined by the commission for Agricultural costs and prices (CACP) which takes into account various factors such as the cost of production, market prices, demand and supply, international prices. Based on these factors, the CACP recommends the MSP to the government, which then announces the prices for various crops at the beginning of each crop season.

In recent years, the MSP has been a topic of debate among policymakers, farmers and experts. Some argue that the MSP has been ineffective in ensuring fair price for farmers, while other argue that it has been successful in incentivizing production and increasing food security. Despite these debates, the MSP remains a vital component of India's agricultural policy, and its success is crucial for ensuring the well-being of farmers and the country food security.

In conclusion, the minimum support price is a critical component of India's agricultural; policy, aimed at ensuring fair prices of farmers and promoting food security while the MSP has been successful in incentivize production and increasing food security.

Sakshi Saini
B.A II

IMPACT OF AI ON ECONOMY

AI refers to the simulation of human intelligence in the machines that are programmes to think and learn. AI's impact on the global economy and India's economy is a matter of concern. Artificial Intelligence is revolutionizing India's digital economy, improving services across sector like banking, healthcare and agriculture and offering personalized consumer experiences. AI's role in enhancing productivity and fostering innovation is certain, setting the stage for economic growth. According to estimates made by the NCAER, India's GDP will increase by 7.4% between 2025-26, By boosting productivity, facilitating the creation of new goods and services and enhancing global competitiveness. AI is predicted to increase GDP growth. AI can revolutinize diagnostics, personalized treatment plans. It can enhance risk assessment fraud detection services. Precision farming using AI powered tools can optimize resource usage, improve crop yields. AI-powered recommendation systems, personalised marketing and efficient supply chain management can boost customer experience and sales. AI has the potential to personlise learning, raise educational standards and increase accessibility. The Indian government is making efforts to encourage the use of AI to its maximum extent by introducing a variety of programmes to encourage AI research and development and to provide workers with AI training. Even though AI can considerably increase India's GDP development, several issues must be resolved. Since AI is a sector that is continuously expanding, there is a dearth of experienced individuals in India who can implement. AI solutions data access is another issue that needs to be addressed as access to high quality data is limited for many enterprises and institution of government. AI also needs the establishing of clear data privacy regulations and ethical guidelines. The workers of all the sectors of the economy need to upgrade creativity and integrate information processing skills to exploit the opportunities thrown by AI. In comparison to other countries, AI is projected to have a significant positive impact on India's economy with the potential to boost GDP significantly through increased productivity across all the sectors. India needs to focus on creating a sustainable AI ecosystem that prioritizes ethical considerations and equitable access. By tackling these issues, India can harness AI to drive its digital economy forward, establishing itself as a leader in the global digital landscape. The path ahead demands strategic efforts. But the rewards promise to transform the nation's economy.

Kanika Agnihotri
B.A II

प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ता रुझान

देश में लगभग 65 प्रतिशत लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कृषि क्षेत्र से जुड़े हैं जिनकी रोजी-रोटी और आजीविका का प्रमुख साधन खेती-बाड़ी है। खेती में बढ़ती उत्पादन लागत व प्राकृतिक संसाधनों की मात्रा और गुणवत्ता में गिरावट एक गम्भीर समस्या बनती जा रही हे। इसके अलावा सुरक्षित, स्वास्थ्यवर्धक, गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन के बीच संतुलन बनाना एक कठिन काम हो चला है। बढ़ता कार्बन उत्सर्जन और नकारात्मक प्रभाव आस-पास के पर्यावरण के लिए चिंता का विषय है। इन समस्याओं के समाधान हेतु छोटे व सीमान्त किसानों की आय को बढ़ावा देने के लिए आजकल प्राकृतिक खेती पर जोर दिया जा रहा है।

प्राकृतिक खेती से तात्पर्य

प्राकृतिक खेती से तात्पर्य फसल उत्पादन की उस पद्धति से है, जिसमें प्राकृतिक संसाधनों की मदद से खेती की जाती है यानि बिना रसायनों के खेती करना प्राकृतिक खेती कहलाता है।

प्राकृतिक खेती का लक्ष्य जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना, कृषि लागत को न्यूनतम करना और किसानों की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। प्राकृतिक खेती से किसानों की आय बढ़ाने में काफी मदद मिल सकती है। इस पद्धति में प्राकृतिक संसाधनों की मदद से खेती की जाती है। आज देश के कई क्षेत्रों जैसे आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश और केरल में किसान इस तरह की खेती कर रहे हैं और इसका लाभ उठा रहे हैं। किसान कल्याण और पर्यावरण के सन्दर्भ में प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देना एक नई पहल है।

लघु एवं सीमान्त किसान नीम की खली, पौधों की पत्तियों व फसल कटाई उपरांत बचे फसल अवशेषों को खेत में दबाकर अपनी जमीन का उपजाऊपन बढ़ा सकते हैं। इस प्रकार भूमि में जीवाश्म पदार्थ की उपलब्धता को भी बढ़ाया जा सकता है। खेती की इस पद्धति का विकास करने का श्रेय महाराष्ट्र के किसान सुभास पेलकर को जाता है। उन्हें वर्ष 2016 में पद्मश्री से नवाजा जा चुका है। अब किसान अपनी आय और जीवन स्तर को बेहतर कर सकेंगे। प्राकृतिक खेती भारतीय परम्परा में निहित एक रसायनमुक्त कृषि प्रणाली है। यह परिस्थितिकी, संसाधन पुनर्चक्रण और खेती पर ससांधन अनुकूल की आधुनिक समझ से समृद्ध है।

सरकारी प्रयास व योजनाएं

केन्द्रीय बजट 2023-24 में सरकार ने 3 वर्षों में 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने की दिशा में मदद देने की बात कही थी। साथ ही किसानों की आय बढ़ाने के लिए परम्परागत कृषि विकास योजना के अन्तर्गत जैविक फसल उत्पादन की सभी क्रियाओं को सहकारिता और किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के माध्यम से बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

निष्कर्ष

निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि प्राकृतिक खेती मिट्टी को उपजाऊ बनाए रखने के लिए तो अच्छी है ही, इसके साथ प्राकृतिक खेती करने से पैदा की जाने वाली फसलों से लोगों के स्वास्थ्य में भी वृद्धि होती है। यही नहीं प्राकृतिक खेती करने से किसानों की आय में भी वृद्धि होती है साथ ही उन्हें कम लागत का प्रयोग करना पड़ता है।

मनप्रीत कौर
B.A. II

अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य में नीली अर्थव्यवस्था के भावी निहितार्थ

पृथ्वी के तीन-चौथाई हिस्से में विशाल जलराशि के रूप में व्याप्त समुद्र प्राचीनकाल से ही मानवीय जिज्ञासा ओर आकर्षण का विषय रहा है, जहाँ संस्कृति और सभ्यताओं की वैश्विक पहुँच का माध्यम समुद्र रहे हैं। समुद्र व्यापारिक मार्ग ही नहीं अपितु मानव जीविका स्रोत के प्राकृतिक समाधानों का भी एक बड़ा स्रोत है वर्तमान समय में विश्व व्यापार का लगभग 80 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्ग के माध्यम से होता है। आर्थिक विकास के क्रम में भूमि और अन्तरिक्ष के बाद समुद्र विकास का तीसरा आयाम है। समुद्र आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक रुप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समुद्र वैश्विक जीडीपी में लगभग 5 प्रतिशत से अधिक का योगदान देते हैं तथा 350 मिलियन लोगों के साधन उपलब्ध कराते हैं। वैश्विक स्तर पर बदलते भू-राजनीतिक, आर्थिक और पर्यावरणीय परिवर्तनों को देखते हुए नीली अर्थव्यवस्था की गणना निर्णायक की भूमिका होगी।

नीली अर्थव्यवस्था की अवधारणा :

नीली अर्थव्यवस्था को समुद्री अर्थव्यवस्था अथवा सागरीय एवं महासागरीय अर्थव्यवस्था के नामों से भी जाना जाता है।

नीली अर्थव्यवस्था (ब्लू इकोनॉमी) की अवधारणा को पहली बार वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र में प्रोफेसर गुंटर पाउली ने पेश किया था।

नीली अर्थव्यवस्था के विकास की अवधारणा को मान्यता वर्ष 2012 में रियो-डि-जेनेरो में आयोजित संयुक्त राष्ट्र संघ के सम्मेलन में मिला।

इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों को शामिल करते हुए भविष्य के व्यापार मॉडल पर विचार करना था इसमें महासागर, उससे जुड़ी नदियाँ, जलाशयों और तटवर्ती क्षेत्रों में संसाधनों और परिसम्पत्तियों के विकास से सम्बन्धित आर्थिक गतिविधियां शामिल हैं।

नीली अर्थव्यवस्था पर द्विपक्षीय सहयोग

भारत और रुस सहयोग : भारत आर रूस और पूर्वी एशिया के सबसे छोटे समुद्री परिवहन मार्ग (चेन्नई व्लादिवोस्तोक समुद्री मार्ग) को विकसित करने पर सहमति बनी है।

भारत और फ्रांस सहयोग : भारत और फ्रांस समुद्री तटवर्ती देश है। दोनों के व्यापार समुद्री मार्ग से होते हैं। दोनों मार्ग समुद्र आधारित नीली अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने हेतु साझी रणनीति पर काम कर रहे हैं।

नीली अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौतियाँ

पर्यावरणीय परिप्रेक्ष्य : नीली अर्थव्यवस्था का आधार स्तम्भ महासागर, समुद्र के तटवर्ती नदियाँ है। जो पिछले कुछ वर्षा में पर्यावरण की गिरफत में है। पर्यावरण पर बढ़ता दुष्प्रभाव नीली अर्थव्यवस्था के लिए खतरे का संकेत है।

हरकीरत कौर
B.A. II

बेरोजगारी : भारत के लिए एक अभिशाप

बेरोजगारी उस स्थिति को कहते हैं जिसमें लोगों को योग्य व इच्छुक होने के बावजूद भी रोजगार नहीं मिलता। बेरोजगारी भारत की एक गंभीर समस्या है जो भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में बाधक बन रही है।

भारतीय अर्थव्यवस्था एक विकासशील अर्थव्यवस्था है जो निरंतर विकास की ओर बढ़ रही है। हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था विकास की अेर बढ़ रही है किन्तु इसी के साथ बेरोजगारी भी बढ़ रही है। बेरोजगारी के लिए केवल सरकार ही जिम्मेवार नहीं है बल्कि आम लोग भी जिम्मेवार हैं। क्योंकि रोजगार के बवसर पैदा करना केवल सरकार की ही जिम्मेवारी नहीं है।

हम जानते हैं कि भारत में जनसंख्या निरंतर बढ़ रही है और सभी लोगों को सरकार रोजगार नहीं दे सकती है। भारत का युवा वर्ग भी केवल नौकरियों के पीछे ही भागता है। भारत में अधिकतर शिक्षत बेरोजगारी पाई जाती है क्योंकि शिक्षित वर्ग बड़ी नौकरियां पाना चाहता है वह अन्य कामों को अपने लिए छोटा समझता है। इसलिए अधिकतर मस्तिष्क पलायन हो रहा है। भारत का पढ़ा-लिखा वर्ग विदेशों की ओर रोजगार लेने के लिए भाग रहा है।

जो लोग भारत में रह रहे हैं उनका मानना है कि नौकरी से उनका भविष्य सुरक्षित हो जाता है और ज्यादातर व्यक्ति व्यवसाय स्थापित करके रिस्क नहीं लेना चाहते हैं।

प्राचीन समय में भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था इसका कारण यह था कि उस समय भारत में बहुत खुशहाली थी, ऐसा इसीलिए था क्योंकि उस समय की आर्थिक स्थिति अच्छी थी और लोग किसी न किसी व्यवसाय में लगे हुए थे कोइ हस्तकार था, कोई शिल्पकार था अथवा कई तरह के व्यवसायों से जुड़े हुए थे।

परंतु आज के समय में लोग किसी न किसी कला को सीखने की बजाए अर्थात् अपना कोई व्यवसाय खोलने की बजाए नौकरी को ही प्राथमिकता देते हैं।

इसीलिए अगर, बेरोजगारी को दूर करना है तो सभी को मिलकर इसका समाधान करना पड़ेगा। इसके लिए लोगों को व्यवसाय खोलने चाहिए व सरकार को इसके लिए प्रोत्साहित करना चाहिए और लोगों की सहायता करनी चाहिए।

नवजोत कौर
बी.ए. (तृतीय वर्ष)

शिक्षा व्यवस्था बनाम बाजारवाद

सर्वविदित है कि शिक्षा में बाजारवाद बेहद ही खतरनाक है, आज बढ़ता निजीकरण, व्यवसायीकरण को बढ़ाता जा रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत में सबसे ज्यादा दयनीय स्थिति तो सरकारी शिक्षा व्यवस्था की है उसमें अगर देखा जाए तो सबसे बदहाल प्राथमिक शिक्षा है, ऐसे में जब नींव ही कमजोर पड़ जाएगी तो आगे की स्थिति समझी जा सकती है। जगह-जगह नए स्कूल और कॉलेज खुल रहे हैं इससे तो लगता यही है कि देश में शिक्षा का बहुत प्रसार हो रहा है, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता की ओर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। सवाल उठता है कि केवल आर्थिक लाभ के उद्देश्य से खुलने वाले इन संस्थानों में किस स्तर की शिक्षा देश की भावी पीढ़ी को दी जा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में लगे बाजारवाद के घुन ने पूरी शैक्षिक व्यवस्था को बदल कर रख दिया है। आज निजी स्कूलों में जो कमाई का फंडा बना रखा है, इससे बच्चों का भविष्य कहाँ जा रहा है, यह कहना मुश्किल है। हर नए शिक्षा सत्र में निजी स्कूल खुल जाते हैं। बकायदा वह मान्यता भी दिखा देते हैं। रातों-रात मान्यता कैसे मिल जाती है मानक को ताक पर रखकर स्कूल रूपी दुकान खोल दी जाती है। हर छोटे-छोटे शहरों में सैंकड़ों स्कूल अभिभावकों से मोटी फीस वसूल रहे हैं। शिक्षा में सुधार की जरूरत से ज्यादा ध्यान वे बिल्डिंग्स और कैम्पस के रखरखाव में समझते हैं। तभी तो आजकल ऐसे शानदार भव्य कॉलेज देखने को मिलते हैं जिन्हें देखकर फर्क करना मुश्किल है कि ये होटल है या कॉलज ? खैर, शिक्षा व्यवस्था का कार्य केंद्र या राज्य सरकार का न होकर ग्राम-पंचायत से लेकर जिला स्तर पर ही शिक्षा की नीति तैयार की जानी चाहिए। प्रत्येक जनपद में कम-से-कम दो विश्वविद्यालय अवश्य होने चाहिए, ताकि प्रत्येक गरीब से गरीब नागरिक को समान रूप से गुणवत्तापरक शिक्षा सुलभ हो सके। इस तरह उन प्राइवेट शिक्षण संस्थाओं पर जहाँ गरीब उच्च शिक्षा नहीं ग्रहण कर सकता, लगाम लगाई जा सकती है। इन तमाम सुझावों पर विचार कर कार्य करने से शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाया जा सकता है।

जसप्रीत कौर
B.A. II

अशिक्षा का प्रभाव

अशिक्षा या अनपढ़ता, जिसे हमारे समाज में एक बहुत बड़ी समस्या माना गया है, यह वह आधार है जिसपर किसी भी देशका भविष्य निर्भर करता है। अशिक्षा समाज और देश के विकास में बाधा डालती है। अशिक्षा प्रभाव व्यक्ति के व्यक्तिगत जीवन से लेकर समाज के समग्र विकास तक कई स्तरों पर देशा जा सकता है। सबसे पहले, अशिक्षित व्यक्ति अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक नहीं हो पाता। उसे न तो अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जानकारी होती है और न ी अपने परिवार की बेहतरी के लिए आवश्यक निर्णय लेने की क्षमता। अशिक्षा के कारण वह अंधविश्वास और कुरीतियों का शिकार हो जाता है।

समाज के विकास में भी अशिक्षा एक बड़ी बाधा है। अशिक्षित समाज में रोजगार की संभावनाएं कम हो जती हैं। क्योंकि वहां के लोग आधुनिक तकनीकों और ज्ञान से अंजान होते हैं इससे देश की आर्थिक प्रगति रूक जाती है और गरीबी का स्तर बढ़ता हौं। अशिक्षा के कारण समाज में अपराधों की दर भी बढ़ती है क्योंकि बेरोजगार और निराश लोग अपराध की और मुड़ जाते हैं। अशिक्षा के कारण महिलाओं की स्थिति और भी दयनीय हो जाती है। अशिक्षित महिलाएं परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने में असमर्थ रहती है और उनकी आवाज़ समाज में दबकर रह जाती है। वे अपने और अपने बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति जागरूक नहीं हो पाती, जिसके कारण एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक अशिक्षा का चक्र चलता रहता है।

सरकार को शिक्षा के क्षेत्र में अधिक निवेश करना चाहिए और ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा का प्रचार-प्रसार करते रहना चाहिए। क्योंकि अशिक्षा समाज और देश पर सबसे बड़ा कलंक है। अशिक्षा देश के विकास में सबसे बड़ी बाधा है। एक देश का कल्याण तभी संभव हो सकता है, जब तक कि प्रत्येक देशवासी शिक्षित न हो। शिक्षा किसी एक वर्ग या पीढ़ी के लिए नहीं है बल्कि यह सबके लिए है। अशिक्षित मनुष्य सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक बदलावों को समझने में असमर्थ होता है कुछ चालाक प्रवृति कें लोग उनकी इस अज्ञानता का लाभ उठाकर उनका शोषण करते रहते हैं। साहूकार और जमींदार इन्हीं तरह के लोगों में से एक है इस तरह के लोगों में से एक है इस तरह उनकी जाति भी विकास नहीं कर पाती है और वे अपनी संस्कृति के गौरव को समझने में भी असमर्थ होते हैं।

खुशप्रीत कौर

बी.ए. (तृतीय वर्ष)

HOME SCIENCE
(The Art of a Happy Home)

THE MAGIC OF MUSIC

PROUD MOMENTS WITH OUR CHAMPIONS

Annual Prize Distribution Function

(Celebrating This Year's Achievers)

Celebration Continues ....

Commerce Section

Staff Editor :
Neetika Bajaj
HOD, Commerce

CONTENTS

1.	Editorial	Mrs. Neetika Bajaj	HOD, Commerce
2.	India's New Foreign Trade Policy 2023	Ms. Sukhdeep Kaur	Asst. Prof., Commerce
3.	Indian Financial Accounting A Pillar of Business Transparency	Himanshi	B.Com I
4.	International Financial Architecture (IFA)	Jasmeen Kaur	B.Com I
5.	Effect of E-Commerce on Traditional Market	Muskan	B.Com I
6.	Love as in Commerce	Ishita	B.Com III
7.	BHIM APP	Shweta	B. Com II
8.	Digital Marketing Payment	Simrat Kaur	B.Com III

Editorial

Why is it that we fear failure more than we love learning, even when we know that failure is often the very engine of growth. From an early age, we are conditioned to equate failure with inadequacy school systems reward the right answer over the thougthful question. Mistakes are marked in red and grades become currency for self worth. Failure is treated not as a step in the process, but as a verdict. This failure is not just emotional - its cultural. In many societies, failure carries stigma. Entrepreneurs who try and fail aren't admired for their bravery; but they are quietly avoided.

Even in workplaces "mistakes" are too often punished or buried, rather than dissected and discussed. This cultural rigidity makes the love of learning feel like a luxury something we say we value, but only when its safe, polished and tidy. The truth is, learning is messy. It's filled with setbacks dead ends and the sting of not knowing. But it's in these uncomfortable moments the one we lable as "failures" - that real transformation begins.

What we need is a cultural shift - one that redefines failure not as a deviation from success, but as a part of it. This means fostering environment - in schools, homes, workplaces - where failure is analyzed, not demonized; where vulnerability is seen as strength, not weakness. It means replacing fear with curiosity asking what went wrong not to assign blame, but to understand and improve. To truly love learning, we must learn to make peace with failure. Not just tolerate it, as a sign that we are stretching, experimenting, the boundaries of what we know. At last but not least it is well said, "The one who falls and gets up is stronger than the one who never tried. Do not fear failure but rather fear not trying."

Neetika Bajaj
HOD Commerce

INDIA'S NEW FOREIGN TRADE POLICY 2023: A VISION FOR GLOBAL GROWTH

In the globalized economy of the 21st century, international trade farms the backbone of a nation's growth and competitiveness. Recognizing the importance of a robust trade policy, the Government of India introduced the New Foreign Trade Policy (FTP) 2023. This policy is designed to transform India into a major export hub while promoting sustainability, inclusivity and ease of doing business.

The new FTP 2023 departs from the traditional fixed term approach by adopting an open-ended format. This flexibility allows the policy to adapt dynamically to shifting global trade scenarios. The government has set an ambitious target of achieving USD 2 trillion in exports by 2030, encompassing both goods and services sectors.

To appreciate the advancements of FTP 2023, it's essential to briefly reflect on the previous Foreign Trade Policy (2015-2020). The earlier policy emphasized boosting manufacturing under the "Make in India" initiative. Key features included the introduction of the Merchandise Exports from India Scheme (MEIS) and the Services Exports from India Scheme (SEIS), designed to provide incentives to exporters. Simplification of procedures, reduced documentation, and enhanced digitization were also crucial elements aimed at improving the ease of doing business. The FTP 2015-2020 targeted USD 900 billion in exports but faced challenges due to global uncertainties.

Building upon that foundation, FTP 2023 brings a fresh approach. One of its key highlights is the promotion of e-commerce exports. The policy supports small businesses, startups and MSMEs in tapping into global markets through simplified digital trade processes. Additionally, it emphasizes the One District One Product (ODOP) initiative, encouraging district - specific products to gain international recognition.

Recognizing the importance of export clusters, four new towns - Faridabad, Moradabad, Mirzapur and Varanasi - have been added as Towns of Export Excellence. This move aims to provide specialized financial and infrastructural support to these hubs

Furthermore, FTP 2023 places a strong focus on sustainability by encouraging exporters to adopt green technologies and eco-friendly practices. It also simplifies regulations through digitization and introduces an Automatic Approval of Authorizations system to reduce bureaucratic delays.

Special attention has been given to Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs) by reducing compliance burdens and offering them greater opportunities to integrate into global supply chains.

Overall, India's New Foreign Trade Policy 2023 represents a significant step forward in enhancing the country's trade potential while ensuring that economic growth is inclusive, sustainable and future ready.

Ms. Sukhdeep Kaur
Asst. Professor (Commerce)

INDIAN FINANCIAL ACCOUNTING
A PILLAR OF BUSINESS TRANSPARENCY

Introduction : Indian Financial Accounting (IFA) plays a vital role in ensuring transparency and accuracy in business transaction. It provides a structured way to record, analyze and interpret financial information, helping business, investors and regulatory bodies make informed decisions.

Key Principals of IFA

Accrual Accounting : Transactions are recorded when they occur, not just when cash is exchange.

Going concern : Assumes that a business will continue operating in the foreseeable future.

Consistency: Accounting methods should remain uniform over time for accurate comparisons.

Materality : Financial Statements should disclose all significant information that can influence decisions.

The role of Indian Financial Accounting in Economic Growth Financial Accounting in Indian plays a significant role in maintaining economic stability and promoting business growth. It ensures proper financial management helping business make strategic decision.

Indian follows IndAS (Indian Accounting Standards), which align with international standards to ensure uniformity and global acceptance. The institute of chartered Accountants of Indian (ICAI) regulates these standards to maintain accuracy and transparency in financial reporting.

Encourages Investments : Clear and accurate Financial statement attract both domestic and foreign investors.

Ensures Tax Compliance : Proper accounting helps business accounting help business adhere to tax laws, contributing to government revenue.

Reduces Financial Fraud : Standardized accounting practices help detect and prevent financial misconduct.

With the rie of digital accounting, automation and blockchain technology, financial accounting in India is becoming more efficient and reliable. The integration of AI and big data analytics is also transforming how business manage their finances. Indian Financial Accounting is not just a regulatory requirement but a key driver of business success and economic stability. As India continues to grow as a Global Economic Power, the role of IFA will become even more critical in shaping its financial future.

Himanshi
B.Com I

INTERNATIONAL FINANCIAL ARCHITECTURE (IFA)

In today's interconnected world, financial stability is crucial for the smooth functioning of economies. The International Financial Architecture (IFA) plays a significant role in maintaining this stability by establishing policies, regulations and institutions that govern global financial interactions from managing exchange rates to prevent financial crises, the IFA influences both national and international Economies.

Several International organizations contribute to the IFA

International Monetary Fund (IMF) : Provides financial assistance and policy advice to countries facing economic challenges.

World Bank : Focuses on long term economic development by funding infrastructure and social projects in developing nations.

Bank for International settlements : Supports central banks in ensuring money and financial stability.

The IFA refers to the Global framework that regulates international finance, trade and monetary policies. It consists of institutions, agreements and financial mechanisms that ensure economic cooperation and stability among countries. The primary objectives of the IFA includes :

- promoting financial stability and preventing crises
- facilitating international trade and investments.

Despite its role in ensuring stability, the IFA facers multiple challenges:

Financial Crises : Global recessions, such as the 2008 Financial crises, expose weaknesses in financial regulations.

Currency Volatility : Exchange rate fluctuations in the currency overtime. It is influenced by supply & demand etc.

The international financial architecture plays a vital role in shaping the global economy with continuous reforms and cooperation, it can adapt to modern financial challenges and promote a fair and stable economic environment. As future business leaders and economists, students must understand the significance of IFA in building a resilient financial system.

Jasmeen Kaur

B.Com I

EFFECT OF E-COMMERCE ON TRADITIONAL MARKET

The 'internet' has changed the concept of business world the concept of online buying in India has been suggested to have started since the year 2000 where websites like Ebay & Rediff shopping were some of the first few sites to offer electronic products of cheap prices. Since then, numerous brands such as Flipkart, Amazon etc. started in the online market.

E-Commerce is just the process of buying & selling produce by electronic means such as by mobile applications and the Internet. E-Commerce refers to both online retail as well as electronic transactions. E-Commerce has hugely increased in popularity over the last decades and in way's it's replacing traditional brick and mortar stores.

E-Commerce allows consumers to overcome geographical barriers and allows them to purchase product anytime and from anywhere. E-commerce has a major impact on the market and retail industry in a variety of ways.

E-Commerce draws on technologies such as mobile commerce, electronic fund transfer, supply chain management, Internet marketing, online transaction processing, electronic data interchange (EDI), inventory management systems and automated data collection systems.

Modern electronic commerce typically uses the (www) for at least one part of the transaction's cycle although it may use other technologies such as e-mail. Typical e-commerce transactions include the purchase of online books such as Amazon and music purchases (music download in the form of digital distribution (such as i Tones store) and to a less extent customize / personlized online liquor stores inventory services.

Muskan
B.Com I

LOVE AS IN COMMERCE

Love can be called as an intangible Asset
But it is surely a fixed one.
It is also the Goodwill of the Business Firm
Where firms are the human souls
It changes its form as
Capital in the Balance Sheet and is the
summation of Commitment & special Care
Where the Former Being Assets & Latter as liabilities.
It should always be credited as
Net Profit in the Profit and Loss Account
should be debited as surplus in
the Income & Expenditure Account .....
The Admission is restricted , one retired then not possible to be Re-registered
If death occurs then the executors Account
Gets over flooded with love.

Ishita

B.Com III

BHIM APP

BHIM (Bharat Interface for Money) is a mobile App developed by National Payments Corporation of India (NPCI) based on the unified payment Interface (UPI). It was launched by Shri Narendra Modi, the Prime Minister of India, at Digi Dhan Mela, Talkotora Stadium in New Delhi on 30 December 2016. It has been named after Dr. Bhimrao R. Ambedkar and is intended to facilitate e-payments directly through banks as part of the 2016 Indian bank notes demonetization and drive towards cashless transactios.

Working of Bhim App

Bhim Allows users to send or receive money to or from UPI payment address or to non UPI based accounts (by scanning a QR Code with account number and IFSC Code or MMID (Mobile Money Identifier code) Unlike mobile wallets (Pay TM, Mobik Mpesa, Airtel Money etc.) which hold money the BHIM App is only a transfer mechanism, which transfer money between different bank accounts. Transactions on BHIM are nearly instantaeous and can be done 24/7 including weekends and bank holidays.

BHIM allows users to check the current balance in their bank accounts and to choose which account to use for conducting transactions, although only one can create own QR code for a fixed amount of money which is helpful in merchant- seller-buyer transactions users can also have more than one payment address. If the 12 digit Aadhar number is listed as a payment ID, the BHIM App will not require any biometric authentication or prior registration with the bank or unified payment interface. Version 1.3 allows uses to use mobile numbers from their contact book to send money and also save payment addresses for future use shows transactions through BHIM. BHIM App currently supports 12 languages (including English), through there are totally 22 of the officials languages of India along with other regional languages which were spoken widely next to the scheduled languages.

Which Banks support the BHIM App

The list is long : Allahabad Bank, Andhra Bank, Axis Bank, Bank of Baroda, Bank of Maharashtra, Canara Bank, Catholic Syrian Bank, Central Bank of India, DCB Bank, Dena Bank, Federal Bank, HDFC Bank, ICICI Bank, IDBI Bank, TDFC Bank, Indian Bank, Indian overseas Bank, Inuds Ind Bank, Karnataka Bank, Karur Vysya Bank, Kotak Mahindra Bank, Oriental Bank of Commerce, Punjab National Bank, RBI Bank, South Indian Bank, Standard Chartered Bank, State Bank of India, Syndicate Bank, Union Bank of India, United Bank of India and Viyaya Bank.

Bhim App or otherwise known as Bharat Interface for money is currently being used by over 125 lakh Indian citizens, Union Finance Minister. Arun Jaitley said in his budget 2017 speech on Wednesday. Launched on December 30, the unified Payment Interface (UPI) based BHIM app is currently available on Google's Play Store.

Shweta
B.Com II

DIGITAL MARKETING PAYMENT

Innovations in Digital Marketing Payment models

The digital marketing landscape is continuously involving and one of the key areas of transformation is payment models. Business and advertisrs and leveraging cutting edge technologies and to optimize at spend, improve technologies and to optimize at spend, improve targeting and enhances return on investment (ROI), below are some of the latest innovations in digital marketing payment system.

1. Performance - Based Pricing Models

Traditional payment structures like cost per click (CPC) and cost per impression (CPM) are gradually beings replaced by performance driven models

- **Cost Per Engagement (CPE)**

Advertisers pay based on specific user interactions, such as video views, likes on shares

- Cost per Action (CPA) : Payment occurs only when user completes a desired action, such as a purchase or sign-up.
- Cost per outcome (CPO) - Brand only pay for measurable business outcomes, such as revenue generated or customers retention.

2. Blockchain and smart contacts

Blockchain technology is introducing greater transparency and efficiency into digital marketing payments.

- Smart contracts : Automated, self executing contracts that ensure payment are only released when predefined conditions are met.
- Fraud Preventions : Block chain minimizes and fraud by providing an immutable record of ad interactions.
- Direction advertiser : Publishers transactions, eliminating intermediaries reduces cost and ensures fair compensations.

3. Subscriptions - Based and Membership models : Instead of paying per campaign, business are experimenting with :

- Flat-rate advertising subscription : Providing steady revenue stream for platform and predictable cost for advertisers.
- Exclusive membership perks : Marketers gain priority and placement on enhanced targeting features through premium membership.

4. AI Driven Dynamic Pricing : AI dynamically sets bids based on user behaviour, engagement, probability and market conditions.

- Real time bid adjustment : AI dynamically sets bids based on user behaviour, engagement probability and market conditions.
- Predictive analytics : Alogrithms forecast optical pricing models for different demographics and industries.
- Automated budget allocation - AI redistributes ad budgets to maximise conversions and minimize wastage.

5. Cryptocurrency and Microtransactions :

The use of cryptocurrency and micro transactions is reshaping digital marketings.

- Crypto-based payment : Advertisers can pay using digital currencies, enabling global transactions with ads, watching with lower fees.

Conclusion

As digital marketing becomes more data driven and technologically advanced innovation payment models are revolutionizing the industry. By embracing AI, blockchain and dynamic pricing business can achieve greater efficiency, transparency and profitability in their advertising efforts.

Simrat Kaur
B.Com (Final Year)

Home Science Section

Staff Editor:
Pinky Bajaj
HOD, Home Science

CONTENT

1.	Editorial	Ms. Pinky Bajaj	HOD. Home Science
2.	विटामिन्स : स्वास्थ्य के लिए क्यो जरूरी हैं?	किरण	बी.कॉम (प्रथम वर्ष)
3.	पाचन तंत्र सही, तो सेहत सही	मनप्रीत कौर	बी.कॉम (प्रथम वर्ष)
4.	गृह विज्ञान में रोजगार के अवसर	कशिश	बी.कॉम (प्रथम वर्ष)
5.	जंक फूड	डिम्पी	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
6.	आँखों को बचाएँ धूप से	महक	बी.ए. (प्रथम वर्ष)
7.	फेशियल ट्रीटमेंट	मनदीप कौर	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
8.	हरी सब्जियाँ खाने के फायदे	रीतिका	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
9.	Time Management skills for working women	Simranjeet Kaur	B.A. (IInd Year)
10.	The Mental Health Benefits of a clean home	Kanika Agnihotri	B.A. (IInd Year)
11.	कैसे करें बालों की देखभाल ?	महकप्रीत कौर	बी.ए. (द्वितीय वर्ष)
12.	Home Science a lucrative career option for students	Harkirat Kaur	B.A. (IInd Year)
13.	Home Science in Everyday Life	Varinda	B.A. (IInd Year)

Editorial

Health and nutrition are intricately linked, with the food we eat playing a crucial role in determining our overall well-being. Nutrition is the process of taking in and utilizing the nutrients and substances necesary for the growth, maintenance and repair of the body's tissues. A well balanced diet that provides the necesary nutritients, vitamins and minerals is essential for maintaining optical health.

Nutrition is vital for maintaining optimal health and a diet that is deficient in essential nutrients can lead to a range of health problems. For example, a diet that is low in fruits and vegetables can lead to a deficiency in vitamins and minerals, such as vitamin C and potassium, which are essential for maintaining healthy blood vessels and immune system. Similarly, a diet that is high in processed and high-calorie foods can lead to weight gain and obesity, which increases the risk of chronic diseases like diabetes, heart disease and certain types of cancer.

Chronic diseases are among the leading causes of death worldwide. Nutrition play a critical role in the development and management of these diseases. A diet is high in saturated and transfats, salt and sugar can increase the risk of heart disease, while a diet that is rich in fruits, vegetables and whole grains can help to reduce this risk. Similarly, a diet that is low in fibre and high in refined carbohydrates can increase the risk of developing type 2 diabetes, while a diet that is rich in whole grains, fruits and vegetables can help to reduce the risk. Maintaining a healthy weight is essential for overall health and nutrition play a critical role in achieving and maintaining a healthy weight. A diet that is high in processed and high-calorie food can lead to weight gain and obesity, while a diet that is rich in fruits, vegetables and whole grains can help to support weight loss and maintenance. Additionally, a diet that is low in added sugars and saturated fats can help to reduce the risk of weight related health problems.

Nutrition also plays a critical role in maintaining mental health. A diet that is rich in fruits, vegetables and whole grains can help to support cognitive function and reduce the risk of depression and anxiety. Additionally, a diet that is high in omega-3 fatty acids, found in fatty fish and nuts, can help to support brain health and reduce the risk of dementia.

Maintaining optimal nutrition can be challenging, especially in today's fast paced world. However, with a little planning and creativity, individuals can ensure they are getting the nutrients they need to support optimal health. Here are some practical tips for maintaining optimal nutrition :

Eat a variety of whole foods
Limit processed and high-calorie foods
Stay hydrated
Cook at home
Plan your meals

Last but not least nutrition plays a critical role in maintaining optimal health. A well balanced diet that provides the necessary nutrients, vitamins & minerals is essential for maintaining healthy tissues, organs & systems. By prioritizing nutrition and making informed food choices, individuals can take control of their health & well being, reducing the risk of chronic diseases and maintaining optimal health.

Pinky Bajaj
Asst. Professor (Home Science)

विटामिन्स : स्वास्थ्य के लिए क्यों जरूरी है ?

विटामिन हमारे शरीर के सही विकास और कार्य प्रणाली के लिए आवश्यक होते हैं। ये सूक्ष्यम पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर की विभिन्न जैव रसायनिक क्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विटामिन की कमी से कई प्रकार की बीमारियाँ हो सकती हैं, इसीलिए संतुलित आहार मे विटामिन्स का समावेश बेहद जरूरी है।

मुख्य विटामिन्स के महत्त्व और स्त्रोत

1. **विटामिन A**

   महत्त्व : आँखों की रोशनी और त्वचा के लिए आवश्यक है।

   स्रोत : गाजर, पालक, आम, दूध, अंडा

2. **विटामिन B - कॉम्पलेक्स**

   महत्त्व : ऊर्जा उत्पादन, तंत्रिका तंत्र के कामकाज में मदद करता है और लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण करता है।

   स्रोत : अनाज, दालें, अंडा, दूध, हरी पत्तेदार सब्जियाँ

3. **विटामिन C**

   महत्त्व : रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और घाव भरने में मदद करता है।

   स्त्रोत : संतरा, नींबू, आंवला, टमाटर

4. **विटामिन D**

   महत्त्व : हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है।

   स्रोत : सूरज की रोशनी, मछली, अंडे की जर्दी, दूध।

5. **विटामिन E**

   महत्त्व : त्वचा और बालों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

   स्रोत : बादाम, सूरजमुखी के बीज, पालक

6. **विटामिन K**

   महत्त्व : रक्त का थक्का बनाने में सहायक है।

   स्रोत : ब्रोकली, पालक, गोभी।

विटामिन्स की कमी से होने वाली बीमारियाँ

विटामिन A की कमी : रतौंधी

विटामिन B की कमी : बेरी-बेरी

विटामिन C की कमी : स्कर्वी

विटामिन D की कमी : रिकेट्स

विटामिन K की कमी : रक्तस्राव विकार

स्वास्थ जीवन के लिए संतुलित आहार लेना बेहद, जरूरी है। ताज़े फल, सब्जियाँ, अनाज और डेयरी उत्पाद विटामिन्स के अच्छे स्रोत हैं।

किरण
बी.काम (प्रथम वर्ष)

पाचन तंत्र सही, तो सेहत सही

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए केवल पौष्टिक खाना लेना ही जरूरी नहीं है बल्कि भोजन का सही पाचन भी जरूरी होता है, भोजन के सही पाचन से ही शरीर तंदरूस्त रहता है। हमारे शरीर का पाचन तंत्र ही खाए गए भोजन को ऊर्जा में परिवर्तित कर रोग प्रतिरोधक क्षमता को ऊर्जा में परिवर्तित कर रोग प्रतिरोधक क्षमता का निर्माण करता है। पाचन क्रिया खराब होने पर भोजन पूरी तरह से पचता नहीं है जिसके कारण शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता। इस कारण रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कम होती जाती है और शरीर बीमारियों का घर बनते देर नहीं लगता। अगर भोजन अच्छी तरह से नहीं पचेगा और बिना पचे मल के रूप में निकल जाता है, इससे कब्ज गैस, ऐसिडिटी जैसी समस्याएं सामने आती हैं। जैसे पेट में दर्द, पेट में सूजन, गैस आदि खराब डाइजेशन यानि पाचन क्रिया को सही न होने के संकेत है। पेट की समस्याओं की प्रमुख वजह आजकल का खराब फास्टफूड है।

पाचन की दिक्कत होने के कारण :

- जंक फूड, तला-भुना भोजन, कोल्ड-ड्रिंक, चाय-कॉफी का अत्यधिक सेवन
- देर रात को भोजन कर तुरन्त सो जाना, रात में अधिक देर तक जागना, देर तक बैठ कर कार्य करना।
- मिर्च मसालेदार खाद्य पदार्थों के आवश्यकता से अधिक सेवन से अमाश्य में जलन होने लगती है।
- लम्बे समय तक एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन भी पाचन तंत्र को प्रभावित करता है।
- तनाव में रहना, जल्दी-जल्दी खाना, सही से चबाकर न खाना, ज्यादा कैफिन या चॉकलेट का सेवन करना।

इन बातों का ध्यान रखें :

- भोजन के सही पाचन के लिए नियमित रूप से व्यायाम करें। सही समय पर सोना और उठना चाहिए।
- भोजन को जल्दबाजी के बजाए देर तक चबाने की आदत डालें। भोजन के पाचन में 2-3 घंटे का समय लगता है। भोजन के बाद टहलने से शरीर सक्रिय रहता है और पाचन क्रिया की गति बढ़ जाती है।
- खाने में ज्यादा फलों का इस्तेमाल करना चाहिए फलों में बेल, पपीता, अनार, आम, अंजीर और संतरों का सेवन करना बेहतर रहेगा। इन में फाइबर होता है जो पेट साफ करने का काम करता है और पाचनतंत्र को दूरूस्त करता है।
- कब्ज रहने पर गुनगुना पानी पीना चाहिए और रात में सोते समय हर्र, बहेड़ा और आंवले से बने त्रिफला चूर्ण का सेवन करना चाहिए।

मनप्रीत कौर

बी.कॉम (प्रथम वर्ष)

गृह विज्ञान में रोजगार के अवसर

गृह विज्ञान में रोजगार के अवसर बहुत विविध और व्यापक हैं। इस विषय का अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राएं न केवल घर को सुचारू रूप से चलाने का ज्ञान प्राप्त करते हैं, बल्कि वे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी प्राप्त कर सकते हैं।

स्वरोजगार के अवसर :

खाद्य संरक्षण और कैटरिंग : खाद्य पदार्थों को संरक्षित करने और कैटरिंग सेवाएं प्रदान करने का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

पाक-कला और कुकिंग : पाक कला सिखाने के लिए कक्षाएं चलाकर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

बुटीक और वस्त्र डिजाइनिंग : बुटीक खोलकर या वस्त्र डिजाइनिंग का काम करके स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

आंतरिक सज्जा और डिजाइनिंग : आंतरिक सज्जा और डिजाइनिंग का काम करके स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

नर्सरी स्कूल और डे-केयर सेंटर : नर्सरी स्कूल या डे-केयर सेंटर खोलकर स्वरोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

वेतन रोजगार के अवसर :

शिक्षक या प्रोफेसर : गृह विज्ञान विषय के शिक्षक या प्रोफेसर के रूप में काम कर सकते हैं।

आहार विशेषज्ञ या डायटीशियन : अस्पतालों या होटलों में आहार विशेषज्ञ या डायटीशियन के रूप में काम कर सकते हैं।

कैंटीन या रेस्तरां प्रबंधन : कैंटीन या रेस्तरां में प्रबंधन का काम कर सकते हैं।

प्रयोगशाला सहायक : गृह विज्ञान महाविद्यालयो या विद्यालयों में प्रयोगशाला सहायक के रूप में काम कर सकते हैं।

गृह विज्ञान के छात्र-छात्राएं इन अवसरों का लाभ उठाकर अपने करियर को सफल बना सकते हैं।

कशिश
बी.कॉम (प्रथम वर्ष)

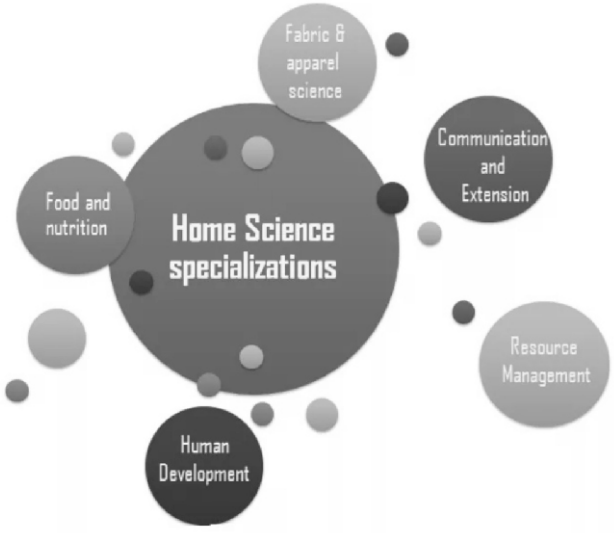

जंक फूड

आज मानव के जीवन में संतुलित और पौष्टिक आहार का स्थान जंक फूड ने ले लिया है। आज के दौर में हर व्यक्ति इसका दीवाना है। हर गली-मोहल्ले में जगह-जगह पर जंक फूड बिक रहे हैं और लोग यह बड़े चाव से खाते हैं। यह मनुष्य को केवल बीमारी की ओर लेकर जा रहा है। जहाँ लोग पहले शुद्ध शाकाहारी भोजन खाया करते थे, आज वहीं वे जंक फूड पर निर्भर हो गए हैं। मैदे से बनने वाली इन चीज़ों ने मानव के स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव डाला है। आज जो खाना खाने में हम अपनी शान समझते हैं। वही मनुष्य की जान का दुश्मन है। आज इसकी वजह से कैंसर, अस्थमा, टी. बी. पेट की समस्याएं व अन्य कई बिमारियाँ होने लगी है। इन खानों में इस्तेमाल होन वाले मसालें व अन्य पदार्थ मानव के स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं है। बच्चे हों, जवान या बुढ़े हर कोई इस जंक फूड की तरफ बढ़ता जा रहा है। पहले ब्याह-शादी में और पार्टियों में शुद्ध हिन्दुस्तानी भोजन देखने को मिलता था। लेकिन आज जब तक जंक फूड शामिल नहीं होता, तब तक लोग शादी को शादी और पार्टी को पार्टी नहीं मानते हैं। जंक फूड ने हमें केवल शारीरिक तौर पर ही नहीं अपितु मानसिक तौर पर भी कमजोर बना दिया है। जंक फूड की इस आदत को धीरे-धीरे खत्म करने वाली एक हानिकारक वस्तु है।

डिम्पी
बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

आँखो को बचाएँ धूप से

नेत्र विशेषज्ञों का कहना है कि आँखों को भी सूर्य की अल्ट्रावॉयलेट किरणों के कारण नुकसान पहुँचता है, मोतियाबिंद तक हो सकता है; त्वचा में सनबर्न का प्रभाव तो दिख जाता है। लेकिन हम यह महसूस नहीं कर पाते हैं कि हमारी आंखें भी सनबर्न का शिकार होती हैं।

आंखों में सनबर्न का प्रभाव कुछ घंटों के बाद सूखापन, खुजली, जलन, आंसू निकलने जैसे लक्ष्णों से पता चलता है। आंखों में सनबर्न से स्थायी दृष्टि हानि हो सकती है। ऐसे में आ जब भी बाहर जाएं तो सूर्य की हानिकारक किरणों से बचने के लिए नियमित रूप से धूप के चश्में का उपयोग करें इसके अलावा आप छतरी का भी उपयोग कर सकती हैं।

धूप से बचने की तमाम सावधानियों के अलावा इस मौसम में खानपान पर भी विशेष ध्यान दें। हरी और पत्तेदार सब्जियां खाएं, ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं, ताजे फलों का सेवन करें, तली भुनी चीजें खाने के बजाय लिक्विड ज्यादा लें। दही, लस्सी, जूस जैसे पेयपदार्थों का ज्यादा सेवन करें।

महक
बी.ए. (प्रथम वर्ष)

फेशियल ट्रीटमेंट

अपनी स्किन को लेकर अब लोग ज्यादा सावधानी बरतने लगे हैं। खासकर चेहरे पर फशियल का ट्रेंड घर-घर में पहुंच चुका है। चेहरे की मालिश ऐसे उपचार हैं जो आप किसी प्रैक्टिशन के साथ या अपने दम पर कर सकते हैं। लेकिन फेशियल ट्रीटमेंट के कुछ संभावित नुकसान भी होते हैं।

फेशियल में इस्तेमाल होने वाले कुछ उत्पादों में केमिकल्स होते हैं, जो त्वचा में खुजली और रूखापन पैदा कर सकते हैं इसीलिए अपनी त्वचा के अनुसार उपयुक्त उत्पादों का चयन करें और फेशियल के दौरान इस्तेमाल होने वाले उत्पादों को ध्यान से जांचे। बार-बार फेशियल करवाने से त्वचा का प्राकृतिक पीएच संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे त्वचा की रक्षा करने की क्षमता कम हो जाती है इसीजिए फेशियल को बार-बार करवाने की बजाय बीच में पर्याप्त अंतराल रखें।

फेशियल के बाद त्वचा के छिद्र खुल जाते हैं और अगर आप सही तरह से देखभाल नहीं करते हैं, तो इससे मुंहासे और पिंपल्स हो सकते हैं। इसीलिए फेशियल के बाद अपनी त्वचा को धूप से बचाएं और उसे मॉइस्चाराइज़ करें। अगर फेशियल के दौरान साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाता है तो त्वचा में संक्रमण होने का खतरा होता है इसीलिए फेशियल करवाते समय साफ-सफाई का ध्यान अवश्य रखें।

मनदीप कौर
बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

हरी सब्जियाँ खाने के फायदे

हरी सब्जियां खाने के कई फायदें हैं, हमारे शरीर को स्वस्थ और मजबूत रखने के लिए हरी सब्जियों का सेवन जरूरी है। हरी सब्जियाँ हमारी पाचन शक्ति को मजबूत करने के साथ ही हमें कई बीमारियों से लड़ने के साथ ही हमें कई बीमारियों से लड़ने की शक्ति देती हैं। जैसे- कैंसर, हृदय रोग इत्यादि। हरी सब्जी में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन और खनिज पाये जाते हैं, जो हमारी त्वचा को खूबसूरत बनाने के साथ ही मोटापे को भी नियंत्रित करते हैं। शरीर में पोषण तत्वों को हरी सब्ज़ी द्वारा ही पूरा किया जा सकता है। हरी सब्जियों में कैलोरी कम होती हैं। जिस कारण से यह मोटापे को नियंत्रित रखती हैं। शरीर को स्वस्थ और बेहतर बनाने के लिए व मोटापे को नियंत्रित रखने के लिए हरी सब्जी खाना जरूरी है। हरी सब्जी के सेवन हमारी त्वचा के लिए भी फायदेमंद है। हरी सब्जी में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन-ए व विटामिन-बी पाये जाते हैं। जो हमारी त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं।

रीतिका
बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

TIME MANAGEMENT SKILLS FOR WORKING WOMEN

Time Management skills for working Women : Balancing Career and Life

In today's fast-paced world, working women often juggle multiple roles - professional responsibilities, household duties, personal goals and social commitments. With so much to manage effective time management becomes essential not only for productivity but also for maintaining mental and emotional well being.

Why Time Management Matter

Time is a limited resource. For working women using it wisely can mean the difference between feeling overwhelmed and staying in control. Good time management helps :

Reduce stress

Improve work - life balance

Increase efficiency

Create more personal time

Key Time Management Skills

1. **Prioritization :** Identity what truly matters. Use tools like the Eisenhower matrix to catagorize tasks as urgent / important and plan your day accordingly.
2. **Goal Setting :** Set clear short-term and long term goals. Break larger tasks into smaller, manageable steps to stay motivated and track progress.
3. **Planning Ahead :** Plan your week in advance, use calenders, Planners or apps to schedule work meetings, errands, family time and self-care activities.
4. **Delegation :** Don't hesitate to delegation tasks at work and home-sharing responsibilities can reduce your lead and allow others to contribute.
5. **Setting Boundaries :** Learn to say no to commitments that don't align with your priorities. Protecting your time is essential for maintaining focus and avoiding burnout.
6. **Avoiding multitasking :** Focus on one task at a time multitasking can decrease productivity and Increase errors. Mindful attention yields better result.
7. **Using Technology wisely :** Leverage Productivity apps, timers and digital callenders but also manage screen time to avoid distractions.

Tips for everyday Success

Start your day early and with intention

Set realistic expectations

Make time for self-care and rest because a well rested mind works better.

Reflect at the end of the day to assess what went well and what can improve.

Conclusion

Time Management is not about doing more, but about doing what truly matter, with the time you have. For working women striving to balance diverse responsibilities, mastering time management skills is key to achieving success and fulfillment in both personal and professional life.

Simranjeet Kaur
B.A. II

THE MENTAL HEALTH BENEFITS OF A CLEAN HOME

"Cleaning your room is good for your health", might sound like something your parents may have told you to get you tidy up your toys as a kid, but turns out, there's some truth of it. Our environment plays an important role in our mental wellness and keeping a clean home, whether that's your bedroom, apartment or house, has a variety of benefits you won't to ignore. "Our outer world's invariably affect our inner world and vice versa." The following are a handful of ways cleaning can benefit your mental health, according to experts.

- Sense of order and control - When there is order and structure to our other environment it can help us feel more able to manage some of the internal feelings states and worlds. Thus it is said that "clean space, happy place."
- Familiarity and consistency - Keeping your household items in order can provide that familiarity.
- Released endrophins - The physical act of cleaning can also release endrophins which is hugely beneficial as a pain reliever, stress reliever and overall enhancement of our well-being.
- Improved focus and clearing away clutter allows the brain to focus on items and tasks one at a time.
- The act of cleaning also requires us to slow down, which can offer a calming effect during overwhelming situations and help us explore and manage our emotions. there are many tips for cleaning your home. It involves picking your favourite or most important room first, start small, give everything a "home", use a goal to motivate you, set non-negotiable tasks and take it slow. For many, cleaning is a chore they'd gladly avoid, but a bit of tidying up each day is a small price to pay for a mental health to boost.

"Clean home, clear mind"

Kanika Agnihotri

B.A. II

कैसे करें बालों की देखभाल ?

बालों की देखभाल के लिए आपको किसी ब्यूटी पार्लर में जाने की जरूरत नहीं है आपके घर में बल्कि आपके किचन में कई ऐसी कमाल की चीज़े हैं जिनका इस्तेमाल सदियों से किया जा रहा है। खास तो यह है कि इनमें कोई केमिकल भी नहीं होता है जो सबके बालों को सूट कर जाता है।

रुसी के लिए नींबू

नारियल तेल बालों को पोषण देता है और जब इसे नींबू के जूस के साथ मिलाया जाता है तो यह डैंड्रफ का रामबाण इलाज सिद्ध हो सकता है। इससे बालों की कंडीशनिंग भी होती है। आप चाहें तो नारियल तेल की जगह ओलव ऑयल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

बालों के लिए दही

बालों में दही लगाने से रूसी भी खत्म होती है और यह बालों को हाइड्रेशन भी देता है। बालों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और बालों को मुलायम एवं चमकदार भी बनाता है।

कमल के फूल का कंडीशनर

हम में से बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि कमल का फूल कमाल का है। यह बालों के लिए बेहतरीन कंडीशनर है, जो बालों को पोषण प्रदान करने के साथ ही इसे मूलायम भी रखता है।

नीलगिरी का तेल

नीलगिरी का तेल न सिर्फ स्किन के लिए बल्कि बालों के लिए भी बहुत अच्छा है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं जो किसी भी तरह के संक्रमण को दूर करके बालों को चमक प्रदान करते हैं। यही नहीं, यदि आपके बाल झड़ते हैं तो भी नीलगिरी का तेल उसे कम करने और धीरे-धीरे उसे खत्म करने में आपकी मदद करेगा।

डैंड्रफ के लिए नीम का तेल

डैंड्रफ का इलाज चाहिए तो नीम इसके लिए 100 फीसदी सही तौर पर काम करता है। आप चाहें तो नीम के तेल से सिर पर मालिश कर सकते हैं, यह बालों और स्कल्प पर जमें डैंड्रफ को दूर भगाकर उसका खात्मा करता है।

तेल मालिश

तेल मालिश एक ऐसी जादुई चीज़ है, जिसे करना आसान है। यह बालों और स्कल्प में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ावा देता है और बाल मजबूत बनते हैं। आप चाहें तो नारियल तेल, सरसों तेल से मालिश कर सकते हैं।

प्रदूषण से बचाव

प्रदूषण बालों के लिए बिल्कुल भी सही नहीं है, इसकी वजह से बाल झड़ने लगते हैं, रुखे बेजान हो जाते हैं और इनकी चमक भी गायब हो जती है।

गर्म पानी से बचें

गर्म पानी बालों के जड़ों को कमज़ोर करता है और उन्हें टूटने के लिए उकसाता है। बालों की नमी भी खो जाती है और बाल बेजान हो जाते हैं। इसलिए बाल हमेशा सामान्य पानी या हलके गुनगुने पानी से ही धोना सही रहता है।

रोज न धोएं बाल

कई लोगों की सोच रहती है कि रोजाना बाल धोने से बाल सही रहते हैं जबकि सच तो यह है रोजाना बाल धोने से बालों का प्राकृतिक तेल कम हो जाता है और चमक गायब हो जाती है। इसलिए हफते में दो बार से ज्यादा बाल धोने से बचें

सिर को ढकें

घर से बाहर निकलते ही आपको बालों को सूरज की तेज किरणों, प्रदूषण का सामना करना पड़ता है। इसीलिए घर से बाहर निकलते समय सिर को सूती कपड़े से ढकें।

महकप्रीत कौर
बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

HOME SCIENCE A LUCRATIVE CAREER OPTION FOR STUDENTS :

Home Science is a subject about managing the household. This age old myth about purely scientific subject is now looking it as a viable career option.

There was a time when girls were encouraged to take up home science that will be helpful for them after marriage. Now, apart from learning to make round chapatti, home science is taken by students who interested in becoming a qualified nutritionist, textile designer or family counsellor.

B.Sc. in home science has five major parts - Food and nutrition, clothing and textile, family resources management, development communication and extension and human development and family. "The health index of India is going down with the change in food habit and lack of exercise. There is a rise in demand of a nutritionist in gym or in hospitals. Our students are now working in hospitals preparing diet plans for cancer, liver damage, kidney-damage patients, all of whom needs separate diet chart as per their medical condition. In clothing and textile, they are able to go for textiles designers or management. This subject even involves studying child psychology and family counselling. It takes great efforts for parents, now-a-days to study behavioural changes in their children. Home Science includes subjects like biology, psychology bio-chemistry, economics, rural development, child development and family relations including other science subjects.

Conclusion : Home Science equips individual with practical skills and knowledge to enhance their family, personal and community life, ultimately promoting well-being and responsible citizenship.

Harkrit Kaur

B.A. II

HOME SCIENCE IN EVERYDAY LIFE

As the name suggests, home science is referred to the home, happiness and the health of the people living in it. When an individual takes up home science as a subject in higher educational institutions, he acquires knowledge about various areas, such as Food and Nutrition, Resource Management, Human Development, Clothing & Textile and Extension Education. The knowledge and the information regarding these areas not only helps a person in enriching his career but he also gains an understanding about how to adequately maintain his home, family and obtain a successful career. In an individual's life, his family and home plays an important part. Family and home are considered to be the first institutions from where an individual learns various things such as norms, values, ethics and cultures. Good quality education and employment opportunities are provided to the individuals through his family and home, therefore, it is vital for the individuals to possess efficient knowledge regarding the management of family and home. The main purpose of this research paper is to understand the meaning and significance of home science in everyday life.

The main areas that have been taken into account are, significance of home science, purpose and meaning of home science, objectives of home science and career opportunities in home science. The individuals are required to prepare themselves about how to make use of the resources in a proper manner to make their lives contended and well-to-do and this is improved through the subject of home science.

Conclusion

Home Science plays a vital role in everyday life, impacting our daily routines and well-being. By applying scientific principles, individuals can improve health and nutrition, enhance household management, develop practical skills and promote sustainability. This knowledge empowers people to make informed decisions, leading to a better quality of life and a more comfortable living environment.

Varinda

B.A. II

174th BIRTH ANNIVERSARY CELEBRATION OF REVERED BHAGWAN DEVATAMA

OUR ALUMNAE

(From our Hall to Great Heights)

COMMEMORATING IMPORTANT DAYS

Magazine Inauguration Day

Constitution Day

Annual Prize Distribution Day

Earth Day

Orientation Day

Bhav Prakash Sabha Day

NSS Day

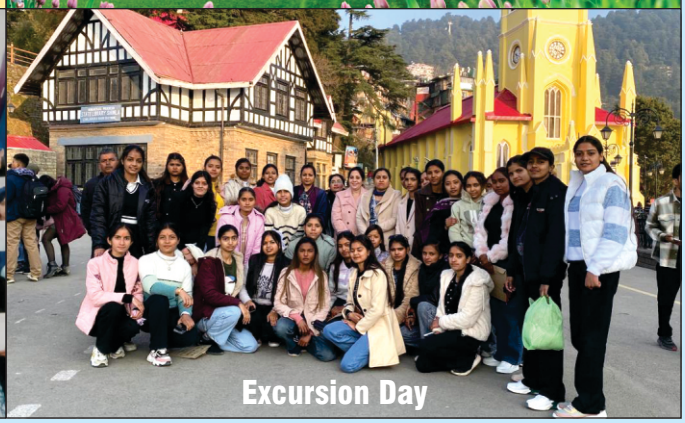
Excursion Day

FAREWELL ! AUREVOIR !

Computer Section

Staff Editor :
Kirti Gupta
HOD, Computer Science

CONTENTS

1.	Editorial	Mrs. Kirti Gupta	HOD, Computer Science
2.	डिजिटल दुनिया की पहेलियां	डिम्पी	बी.ए. द्वितीय वर्ष
3.	Computer the Foundation of Modern Techology	Ishika Khanna	B.A. II
4.	कम्प्यूटर की पीढ़ियां	प्रभजोत कौर	बी.ए. द्वितीय वर्ष
5.	The future of computers	Kanika Agnihotri	B.A. II
6.	कम्प्यूटर का युग	दिव्या	बी.ए. द्वितीय वर्ष
7.	कम्प्यूटर ज्ञान	वरिंदा गोयला	बी.ए. द्वितीय वर्ष
8.	The Rise of AI	Muskan Verma	B.A. II
9.	याद है मुझे वो वक्त	मनप्रीत कौर	बी.ए. द्वितीय वर्ष
10.	Artificial Intelligence and Machine Learning	Diya Sharma	B.A. II

Editorial

The Dark Side of Tech : Are we addicted to Algorithms ?

Everytime we open Instagram, Youtube or Netflix, we see content that feels just right for us. That's no coincidence it's the work of powerful algorithms. There hidden systems track what we watch, like or click and then show us more of it. The goal ? To keep us hooked.

Hours pass by while we scroll through reels or binge-watch a new show. What starts as a five-minute break turns into a lost evening. Many of us don't even realize how much time we spend on our screens until our phone shows us the weekly screen time report and we're shocked.

The problem isn't just the time. It's also the way algorithms shape what we think, feel and even believe. They create "echo chambers" where we only see ideas we already agree with making it harder to understand different opinions.

Technology has many benefits, but it's important to stay aware of how it's influencing us. Taking breaks, setting limits, and being mindful of our digital habits can help us take back control.

After all, we should use technology not let it use us.

Mrs. Kirti Gupta
(Asst. Professor, Computer Science)

डिजिटल दुनिया की पहेलियां

1. कम्प्यूटर का वह दिमाग कहलाता,
   उसके बिना कम्प्यूटर ना चल पाता।

2. चूहे जैसा लगता है,
   हाथ का काम वो करता है।

3. टक-टक-टक करता है,
   टाईपिंग कर डाटा भरता है।

4. आवाज सुनाना इसका काम,
   दाएँ-बाएँ एक समान।

5. छपाई करना है इसका काम,
   जल्दी बताओ इसका नाम।

6. टेलिविजन जैसा दिखता है,
   आऊटपुट का काम वो करता है।

7. कम्प्यूटर का वह मित्र कहलाता है,
   बिजली ना होने पर लगातार सप्लाई पहुंचाता है।

8. मैं हूँ एक मशीन, जो काम करती हर दिन,
   मानव जैसी संरचना है मेरी जवाब देने में नहीं करता हूँ देरी।

उत्तर-1. सी.पी.यू 2. माऊस 3. की-बोर्ड 4. स्पीकर 5. प्रींटर 6. मॉनिटर 7. यू.पी.एस. 8. एआई

डिम्पी
बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

COMPUTER THE FOUNDATION OF MODERN TECHNOLOGY

"A computer is like a violin." you can imagine it making beautiful music,
but you have to learn how to play it."

In today's world, computers are a fundamental component of everyday life, whether we're browsing the internet, working from home or playing video games, computers play a crucial role in almost every aspect of ur lifes.

History of Computers

History of computer dates back to the 19th century when english mathematician Charles Babbage designed a machine called the "Analytical engine." This machine was essentially a mechanical calculator that could perform mathematical operations automatically. Although Babbage was never able to complete the machine during his lifetime, his work laid the foundation for modern computing. Today, we have access to a wide range of computing devices, from smartphones and tablets to laptops and desktops.

Computers have become an integral part of modern society for several reasons. Thanks to the internet, we can send emails, instant messages and vide calls to anyone in the world. Computers have also revolutionized the way we work. Many jobs today require the use of computers.

Computers had a profound impact on various industries, from healthcare to finance. In healthcare, computer are used to store and manage patient information, perform medical research and analyze patient data. In finance, computers are used to monitor Financial markets, manage investment portfolios and detect fraudulent activity.

Computers have also transformed the manufacturing industry. With computer aided design (CAD) and computer aided manufacturing (CAM) software, companies can design and build products more efficiently than ever before. In facts, many products today are designed entirely on a computer before they are manufactured.

"Computers are good at following instructions, but not at reading your mind."

Ishika Khanna
B.A. II

कम्प्यूटर की पीढ़ियां

कम्प्यूटर का विकास एक लंबी प्रक्रिया है जो विभिन्न चरणों से होकर गुजरता है। इन चरणों को ''कम्प्यूटर की पीढ़ियां'' कहा जाता है। प्रत्येक पीढ़ी में तकनीकी सुधार और गति में वृद्धि हुई है। अब तक कम्पयूटर की पांच प्रमुख पीढ़ियां मानी जाती हैं।

आईए जानते हैं इनके बारे में :

पहली पीढ़ी (1940-1956) : वैक्यूम टयूब्स आकार में बहुत बड़े और बिजली की अधिक खपत करते थे। इनकी गति धीमी और इनका रख-रखाव कठिन था। उदाहरण : ENIAC, UNIVAC

दूसरी पीढ़ी (1956-1963) ट्रांजिस्टर का प्रयोग जिससे कम्प्यूटर छोटे, तेज और अधिक विश्वसनीय बन गए। इनकी बिजली की खपत भी कम हुई और भाषा के रूप में असेंबली लैंग्वेज का प्रयोग शुरू हुआ।

तीसरी पीढ़ी (1964-1971) : इंटीग्रेटेड सर्किट्स (ICS) इसमें कम्प्यूटर और अधिक छोटे, शक्तिशाली और सस्ते हो गए। उच्च स्तरीय भाषाएं जैसे C, Cobol आदि का उपयोग आरम्भ हुआ। मल्टीप्रोगामिंग और मल्टीटास्किंग आसान हो गए व इस समय कम्प्यूटर का उपयोग उद्योगों और व्यवसायों मे बढ़ने लगा।

चौथी पीढ़ी (1971 वर्तमान तक) : माइक्रोप्रोसेसर का युग कंप्यूटर। कम्प्यूटर अब और भी छोटे, तेज और किफायती हो गए। माइक्रोचिंग्स और साफ्टवेयर की उन्नति ने कम्प्यूटर को घर-घर तक पहुँच प्रदान की उदाहरण : Intel 4004, IBMPC

पांचवीं पीढ़ी (वर्तमान और भविष्य) : कृत्रिम बुद्धिमता (AL) ये कम्प्यूटर सोचने, समझने, निर्णय लेने और खुद से सीखने की क्षमता रखते हैं। उदाहरण सुपर कम्प्यूटर, रोबोटिक्स, वाइस रिकग्निशन सिस्टम, चैटबाट्स आदि। भविष्य में ये कम्प्यूटर मानव की तरह कार्य करने में सक्षम होंगे।

कम्प्यूटर की इन पीढ़ियों ने न केवल तकनीकी दुनिया में बल्कि हमारे दैनिक जीवन में भी एक बड़ा परिवर्तन लाया हैं। हर नई पीढ़ी ने पुराने कम्प्यूटर की तुलना में अधिक शक्ति, क्षमता और सुविधा प्रदान की है। कम्प्यूटर का ये सफर आज भी जारी है और भविष्य में यह और अधिक उन्नत रूप लेगा।

प्रभजोत कौर
बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

THE FUTURE OF COMPUTERS

As we stand on the brink of a new technological era, the future of computers promises to be transformative driven by rapid advancements in artificial intelligence, quantum computing and human computer interaction. This article explores the key trnes and innovations that are set to redefine the computing lanscape in the coming years.

Artificial Intelligence (AI) and machine learning (ML) are at the forefront of the computing revolution. Future computers will leverage these technologies to automate complex tasks, enhance decision making and provide personalized user experiences. AI driven systems will become more intuitive, understanding context and user preferences, leading to seamless interaction between humans and machines.

Quantum computing represents a significant leap in processing power, enabling computers to solve problems that are currently intractable for classical systems. with the ability to perform complex calculations at unprecedented speeds, quantum computers will revolutionize fields such as cryptography, drug discovery and material science. The way we interact with computers is evolving rapidly. Future devices will incorporate advanced interfaces, including gesture recognition, voice control & immersive agumented and virtual-reality experiences. As environmental concerns grow, the future of computing will prioritize sustainability. Computers will be designed with energy sources and stainable manufacturing practices. The rise of the Internet of things (IOT) will drive the need for decentralized and edge computing solutions. Future computers will distribute processing power across devices at edge of networks, reducing latency etc.

As digital interactions become more prevalent, the importance of cybersecurity will escalate. Future computers will incorporate advanced encryption methods and AI-driven security solutions to protect sensitive data and ensure user privacy and prevent cyber threats.

The future of computers is poised for remarkable advancements that will reshape our interactions with technology and each other.

Kanika Agnihotri
B.A. II

कम्प्यूटर का युग

कम्प्यूटर आज के समय में जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है। यह न केवल हमोर काम को आसान बनाता हैं, बल्कि समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। हालांकि, इसके आयोग में संतुलन बनाए रखना आवश्यक है, ताकि इसके नकारात्मक प्रभावों से बचा जा सके। सही दिशा में जीवन को बेहतर बनाने के लिए कम्प्यूटर का बहुत योगदान है। यह जानकारी का आदान-प्रदान समस्याओं का समाधान करने में भी सहयोगी हैं।

आज के डिजिटल युग में कम्प्यूटर न केवल एक उपकरण बल्कि एक महत्वपूर्ण ज्ञान का स्त्रोत बन चुका है। यह छात्रों को शैक्षिक उद्देश्य से लेकर मनोरंजन तक, हर क्षेत्र में सहायता करता है। कम्प्यूटर के माध्यम से हम न केवल इंटरनेट पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि इसे Software और online platforms के साथ जोड़कर अपनी रचनात्मकता और उत्पादकता में भी वृद्धि कर सकते हैं। कम्प्यूटर एक ऐसा उपकरण है जो सूचनाओं को स्टोर, प्रदर्शित और प्रबंधित करने का कार्य करता है। समय के साथ, कम्प्यूटर ने नए update और सुधारों के साथ, खुद को निंरतर विकसित किया है।

कम्प्यूटर का विभिन्न क्षेत्रों में भी उपयोग होता है जैसे - चिकित्सा क्षेत्र, रिसर्च, रक्षा तथा वाणिज्य।

दिव्या
बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

कम्प्यूटर ज्ञान

कम्प्यूटर की दुनिया है निराली
इसके बिना है दुनिया खाली
कम्प्यूटर का ज्ञान पाओ
तुम अच्छा जीवन बनाओ।
कम्प्यूटर से करो दोस्ती एक बार?
नौकरी क्षेत्र में नहीं खाओगे मार।
कम्प्यूटर की दुनिया में आओ
अपना कौशल तुम बढ़ाओ
हासिल कर कम्प्यूटर में निपुणता
अपना जीवन बेहतर बनाओ
देश-विदेश की रखता है ये खबर
डाटा खोने का इसे नहीं है कोई डर।
सारी दुनिया ये माने बात
कम्प्यूटर का तुम ज्ञान बढ़ाओ
हर क्षेत्र में नौकरी पाओ।

वरिंदा गोयला
बी.ए. (द्वितीय वर्ष)

THE RISE OF AI

As I sit down to write this article. I am surrounded by devices that are powered by artificial intelligence (AI). From my smartphone to my laptop AI has become an integral part of my day life. In this article. I will share my experience with AI and explore how it has revolutionized the way we live and work.

My first encounter with AI was through virtual assistants like Siri and Google Assistant. I was amazed by how easily I could interact with these assistants, asking them questions, setting reminders and even controlling my smart home devices. As I delved deeper into the world of AI. I realized that it was not just limited to virtual assistants.

I started AI powered tools for my work such as language translation software and content generation tools. These tools not only saved my time but also improved the accuracy and quality of my work. I was impressed by how AI could analyze vast amounts of data, identify patterns and make predictions with incredible accuracy.

One of the most significant benefits of AI that I have experienced is its ability to automate repetitive tasks. As I spend a lot of time on researching and organizing information. AI-powered tools have made this process much easier.

However, my experience with AI has not been without its challenges. One of the biggest concerns I have is the potential for AI to replace human jobs. As AI becomes more advanced. There is a risk that it could automate many jobs leaving people without employment. This is a concern that policymaker and business leaders need to address urgently.

AI is trained on vast amounts of data, it can perpetuate existing biases and stereotypes. This is a problem that needs to be addressed through more diverse and inclusive data sets.

AI has revolutionized the way we live and work, making many tasks easier, faster and more accurate. As AI continue to evolve. I am excited to see the new possibilities, it will bring.

In conclusion, experience with AI has shown the potential of this technology. While there are challenges that need to be addressed. I believed that AI has the power to transform many aspects of our lives. As we continue to develop and refine AI system.

Natural language, computer vision and machine learning are the mainly development that are on the horizon. As AI continues to evolve, we can expect to see many new and innovative applications that will transform many aspects of our lives.

Muskaan Verma
B.A. II

याद है मुझे वो वक्त

हाँ याद है मुझे वो वक्त,
जब मैं छोटी हुआ करती थी।
एक मुझसे बड़ी लड़की थी,
वो मुझे Computer के बारे में बताया करती थी।
हाँ याद है मुझे वो वक्त,
जब मैं छोटी हुआ करती थी।

एक बार उसने मुझे कहा मैं सीख रही Computer हूँ,
तब देख Computer पर चलती उसकी उंगलियों को,
जागी मुझमें इच्छा की सीखूँ मैं भी कम्प्यूटर को।
हाँ याद है मुझे वो वक्त .....।।

फिर एक दिन वो वक्त आया जब मैंने नौंवीं कक्षा में प्रवेश पाया,
हम पहले दिन बैठे उस Lab में जिसने हमें Computer से रूबरू कराया।
हाँ थे एक Sir जिन्होंने Computer का ज्ञान दिया।
फिर चार साल सीखा Computer, इसके बाद College में प्रवेश पाया।
हाँ याद है मुझे वो वक्त, ...।।

College में मिली एक Professor नाम है जिनका Kiriti Gupta
दिया उन्होंने हमको Computer का ज्ञान अनोखा।
Computer से दोस्ती की मैंने,
अच्छा लगता है अब Computer पर काम करना।
हाँ याद है मुझे वो वक्त, ...।।
अब एक नया Subject आया है,
जो ज्ञान का भण्डार लाया है।
हाँ अच्छा लगता है वो Subject हमें,
जिसने Computer पर Graphics Design करना बताया है।
ये वक्त पुराना नहीं अभी चल रहा है,
हां अभी चल रहा है।
पर याद है मुझे वो वक्त, ...।

मनप्रीत कौर
बी.ए. द्वितीय वर्ष

ARTIFICIAL INTELLIGENCE AND MACHINE LEARNING

Artificial intelligence (AI) and machine learning (ML) have become burrweeds in the technology industry in recent years. They are changing the way business operate and have the potential to revolutionized our lives in many ways. In this article, we will explore what is AI and ML, their differences and various applications of these technologies.

Artificial Intelligence refers to the ability of machines to mimic human intelligence, perform task that typically require human intervention and learn from experience. AI can be categorized into two types: narrow or weak AI and general and strong AI.

Machine learning is a subset of AI that allows machines to learn from data and improve over time without being explicity programmed. It is based on the idea that machine can automatically learn from experience, identify patterns and make decisions with minimal human intervention. There are three types of machine learning supervised learning, unsupervised learning and reinforcement learning.

On the other hand, general AI is designed to perform any intellectual task that a human can do supervised learning involves training a machine on labelled data.

So "Artificial Intelligence is not a substitute for human intelligence; it is al tool to amplify human creativity and ingenuity."

Diya Sharma
B.A. II

Chronology of College Activities

2024-25

Chronology of College Activities (2024-25)

Dev Samaj, based on the progressive ideals of Revered Bhagwan Devatma, always supported women's education and empowerment. His unwavering belief in equal opportunities for women led to the establishment of Dev Samaj College for Girls in Lahore in 1934. After the Partition, the college was re-established in Ambala City in 1948 and continued to follow his transformative vision since then.

The college is committed to overall development and works to build academic excellence, ethical values, emotional strength, and social responsibility. It provides a nurturing environment for young women to explore their potential, grow in confidence, and contribute meaningfully to society.

In this edition of 'Onward', we present a curated account of the college's recent milestones—celebrating achievements, initiatives, and the rich tapestry of intellectual and cultural activities that define the spirit of Dev Samaj College. It is both a tribute to our legacy and a reflection of our continuing journey.

Results 2023-24

B.A.Sem. I
First - Mansi 89.17%
Second - Harshpreet Kaur 84.83%

B.A.Sem. II
First - Kanika 83.67%
Second - Harkirat Kaur 81.83%

B.A.Sem. III
First - Manpreet Kaur 82.75%
Second - Jaspreet Kaur 80.80%

B.A.Sem. IV
First - Priya Sharma 85.17%
Second - Manpreet Kaur 84.75%

B.A.Sem. V
First - Simran Kaur 76%
Second - Gurman Kaur 73.75%

B.A.Sem. VI
First - Simran Kaur 76.54%
Second - Ishu Sharma 75.83%

B.Com. Sem. I
First - Isha Sharma 84.17%
Second - Varsha 84%

B.Com. Sem. II
First - Varsha 82.5%
Second - Isha 81.83%

B.Com. Sem. III
First - Ishita 77.30%
Second - Dolly Faujjdar 77.10%

B.Com. Sem IV
First -Dolly Faujjdar 72.30%
Second - Preet Kaur 72%

B.Com. Sem.V
First - Harshpreet Kaur 81.83%
Second - Garima Jain 81.50%

B.Com. Sem. VI
First - Harshpreet Kaur 83.03%
Second - Garima Jain 80.56%

Talent Hunt Competition

(Co-ordinator - Mrs. Jaspreet Kaur)

In line with KUK directives for appraising the skills of B.A. & B.Com. newcomers, a series of nine competitions were organized in phases. The list of winners is as follows:

Quiz

First - (Team B) Jasmeen, Himanshi, Muskan (B.Com I)
Second - (Team D) Meghu Sharma, Manpreet Kaur, Muskan (B.Com I)
Third - (Team A) Sunaina, Reena, Navjot Kaur (B.A I)

Declamation

First - Pranjal Gour (B.A I)
Second - Nancy (B.A I)
Third - Muskan (B.Com I)

Poetic Recitation

First - Navdeep Kaur (B.A I)
Second - Sania Sharma (B.A I)
Third - Dimpi (B.A I)

Singing

First - Anshu (B.A I)
Second - Himansi (B.Com.I)
Third - Gurpreet Kaur (B.A I)

Dance

First - Minnat (B.A I)
Second - Sania Sharma (B.A I)
Third - Jaspreet Kaur (B.A. I)

Monoacting

First - Manpreet Kaur (B.Com I)
Second - Pranjal Gour (B.A I)
Third - Khushi (B.A I)

Mimicry

First - Navjot (B.Com I)
Second - Muskan Mittal (B.Com.I)
Third - Navdeep Kaur (B.A I)

Music Instrumental

First - Khushi (B.A. I)
Second - Simar (B.A. I)
Third - Sukhjinder Kaur (B.A. I)

Painting

First - Muskan Mittal (B.Com.I)
Second- Kiran (B.A I)
Third - Aarju (B.A I)

NSS (National Service Scheme)

(Convener - Mrs. Poonam Rani, Programme Officer)

- On July 29, 2024, under 'Van Mahotsav Week', volunteers planted saplings on the college campus and in their hometowns to accelerate the 'One Volunteer, One Plant' campaign.
- On Aug. 07, 2024, under 'Jal Swavalamban, Jan Jagriti Week', an 'Essay Writing Competition' on 'Jal Swavalamban' was organized. In this competition Ishita (B.Com III), Gurvinder Kaur (B.A III) & Simrat (B.Com III) won the first, second & third prizes respectively.
- On Aug. 08, 2024, in the collaboration with Computer Dept. & Teamfire 64, a workshop on 'Digital Marketing' was organized to acquaint students with the importance and utility of digital marketing in present scenario.
- On Aug. 14, 2024, in the collaboration with the Youth Welfare Society, the '78th

Independence Day was celebrated. The volunteers clicked selfies with the national flag and recited poems to pay tribute to our freedom fighters and martyrs.

- On Aug. 16, 2024, NSS Programme Officer attended a 'One-day Orientation Programme' on 'PFMS' conducted at KUK.
- On Sept. 17, 2024, an 'Alumni Meet' was organized for NSS volunteers, where former volunteers shared their enriching experiences from NSS camps and their active participation in various social service activities.
- On Sept. 24, 2024, on NSS Day, a 'One Day camp' was organized. Under this camp, the following awareness campaigns were undertaken:

  i. An 'Awareness Rally' and a 'Nukkad Natak' on 'Voting Awareness ' was organized at the railway station, A/City.

  ii A 'Slogan Writing Competition' was organized to spread awareness and encourage greater voter participation in upcoming elections. In this competition, Naman (B.A III), Sukhjit Kaur (B.A III), Ishita (B.Com III), & Khushpreet Kaur (B. A III) won the first, second, third & consolation prizes respectively.

- On Oct. 05, 2024, a total of 62 YRC volunteers performed election duty in their respective constituencies.
- On Oct. 15, 2024, the NSS Programme Officer, along with four volunteers - Naman, Gurjeet (B.A III) & Preet Kaur, and Pallavi (B.Com III) - participated in a seminar addressing critical issues: 'Life Diseases, Mental Health and Preventive Measures to Foster a Healthier Society', held at GMN College, A/City.
- On Oct. 18, 2024, on 'World Food Day', in collaboration with Computer Dept., a 'PPT Making Competition' was organized. In this competition Preet Kaur (B.Com III), Gurvinder Kaur (B.A III) & Naman (B. A III) won the first, second & third prizes respectively.
- On Nov. 20, 2024, on 'Communal Harmony Week', observed from 19th Nov. to 25th Nov. 2024,, a 'Nukkad Natak' was organized to promote unity, peace and mutual respect among diverse communities.
- On Dec. 20, 2024, on 'Anti-Tobacco Day', posters and slogans highlighting the hazards of tobacco were displayed on the college walls to raise awareness among the students and visitors.
- On Dec. 20, 2024, a 'One-Day NSS Camp' was organized. Mrs. Shubhda Thakur, HOD, Economics acquainted the students with the 'The Tips to Conserve Energy'.
- On Dec. 24, 2024, on 'National Consumer Day', to raise awareness about consumer rights and responsibilities, a 'Slogan Writing Competition' was organized. Naman (B.A III), Preet Kaur (B.Com III) and Gurjeet Kaur (B.A III) won the first, second & third prizes in this competition respectively.
- From Jan. 1 to Jan. 7, 2025, our four volunteers - Pallavi Sharma, Sakshi, Bhumika (B.A III) & Preet Kaur (B.Com III) - attended a 'Seven-Day University level Camp' held at Gurjar Kanya Gururkul Mahavidyalaya, Devdhar, Yamuna Nagar. The volunteers actively

participated in various cultural activities and Preet Kaur won third prize in a 'Declamation Contest' on 'Atam Nirbhar Bharat'.

- On Jan. 12, 2025, 23 the volunteers accompanied by the NSS Programme Officer, attended the 'National Youth Day Celebration' at Indradhanush Auditorium, Sector-5, Panchkula, presided over by the Hon'ble Chief Minister of Haryana, Shri Nayab Singh Saini.

- On March 12, 2025, a 'One-day NSS Camp' was held on the college campus. During this camp, the following activities were carried out:

i) Under 'Nasha Mukt Bharat Abhiyan', hemp plants - an easy source of intoxication - were uprooted.

ii) A 'One - minute video' on 'What do You Mean by Viksit Bharat' was made and uploaded on 'My Bharat Portal App'.

iii) Under 'Swachh Haryana Mission', the college campus and nearby railway station were cleaned by the volunteers.

iv) A 'Tree Plantation Drive' was also organized on the college campus.

- On April 14, 2025, on 'The Birth Anniversary of Dr. Bhimrao Ambedkar', the following activities were organized:

I) A virtual 'Quiz Contest' on the the theme 'Know Your Babasaheb' was conducted to enhance awareness about Dr. B. R Ambedkar's life and his contributions.

II) A 'Pledge-taking event' focusing on the 'Preamble', to spread constitutional awareness, was conducted.

From April 8 to April 23, 2025, under 'Poshan Pakhwada', in collaboration with Home Science Dept., a series of activities were held to encourage nutritious eating habits among children and women. These included - a 'Nukkad Natak' at the railway station and Anganwadi, an informative session on combating childhood obesity conducted by Ms. Pinki Bajaj, HOD, Home Science.

- On April 22, 2025, the volunteers took part in an 'E-Quiz' organized on 'World Earth Day' by Davim NSS team.

- On April 23, 2025, on 'World Creativity and innovation Day', 'Best-Out-of-Waste' & 'Captionathion Competitions' were organized by Innovative Cell of S.A Jain (PG) College, Ambala City. Himanshi & Manpreet Kaur (B.Com I) actively participated in the respective competitions.

- On April 30, 2025, on 'World Immunization Day' centered on the theme ' Immunization for All is Humanly Possible' a Slogan Writing Competition was organized. The winners of the competition were Muskan (B.Com I), Isha (B.Com II) & Simran (B.Com II).

- On May 07, 2025, the volunteers took part in a 'Mock Drill' conducted to prepare for safety measures during a war emergency.

- On May 11, 2025, 20 volunteers accompanied by the the NSS Programme Officer and Mrs. Kirti Gupta, HOD, Computer Science, attended 'Civil Defence Volunteers Training' held at S.D (PG) College, A/Cantt.

- On May 31, 2025, On 'World Anti-Tobacco Day', to encourage tobacco-free lifestyles, a 'Pledge- Taking Ceremony' was held.
- On June 5, 2025, On 'World Environment Day', a 'Tree Planting Initiative' was carried out by the college as well as students' families to promote sustainable practices and reducing plastic waste .
- On June 21, 2025, 'International Yoga Day', in the collaboration with Health and Physical Education Dept., was celebrated. The students under the guidance of the teacher-in-charge performed a series of yoga asanas.

NSS Special Seven Days Camp

From Feb. 8 to Feb. 14, 2025, under the supervision of Mrs. Poonam Rani, the NSS Programme Officer, an NSS Seven Days Special Camp was organized on the college campus as well as in the adopted village i.e., Krishna Colony.

On Feb. 8, 2025

- On the day of inauguration, the Principal delivered an inspiring address to the volunteers and encouraged them to become responsible, compassionate citizens of the future. Later, she flagged off a 'Rally' in the support of 'Beti Bachao, Beti Padhao Campaign'.
- The Rally is followed by a 'Graphic Designing Course on AI Tools' conducted by Siara Institute.
- Thereafter, a 'Slogan Writing Competition' on 'Philosophy and Ideas of Great Personalities in India' was organized. In this competition Khushpreet Kaur (B.A III), Priyanka (B.Com III) & Preet Kaur (B.Com III) won the first, second & third prizes respectively.

On Feb. 9, 2025,

- A 'Yoga training session' for the mental and physical fitness of the volunteers was organized.
- Ms Bhavna, HOD, History, delivered an informative lecture to the volunteers on 'Embrace Swadeshi.'
- A 'Seven- day Beautician Course' was held to enhance the vocational skills of the volunteers
- A 'Nukkad Natak' aiming at reducing road accidents was enacted by the volunteers.

On Feb. 10, 2025,

- A 'Yoga- session' to promote overall well-being of the volunteers was conducted.
- A 'Rally' advocating the havoc caused by intoxication among youngsters was organized in the vicinity of Cloth Market and its surrounding areas.
- Under 'Swachh Bharat Abhiyan', a 'Nukkad Natak' aiming at garbage-free nation was presented.
- A 'Slogan Writing Competition' on 'Plastic-free Haryana' was organized. In this competition,

Anu (B.Com III), Neha Verma (B.A III) & Navjot Kaur (B.A III) won the first, second & third prizes respectively.

On Feb. 11, 2025,

- A 'One-day Fridge Magnet-Making Workshop' using clay and pidilite colours, in the collaboration with the Hm. Sc. Dept. & Pidilte company was organized.
- A 'Nukkad Natak', highlighting the advantages of the 'Digital India Campaign' was presented at the railway station and in Sonia Colony.
- A 'Patriotic Poetic- Recitation Competition' was organized to develop patriotic feeling among volunteers. Khushpreet Kaur (B.A III), Sneha (B.A III) & Gurjeet Kaur (B.A III) won the first, second & third prizes in this competition respectively.

On Feb. 12, 2025,

- The day started with a rejuvenating yoga asanas.
- A knowledgeable lecture on 'Uniform Civil Code, Laken Reily Act & Budget' was delivered by Ms. Sukdeep, Asst. Professor, Commerce.
- A 'Dance Competition' was organized. In this competition Dolly (B.Com III), Bhawna (B.A III) & Harman (B.Com III) won the first, second & third prizes respectively.

On Feb. 13, 2025,

- 'Surya Namaskar - a sequence of 12 Yoga Poses' was performed by the volunteers.
- An informative lecture on 'Healthy Diet and Nutritious Food' was delivered by Ms. Seema and Mr. Rajiv, North Crown Ambassador, DXN, Chandigarh.
- A 'One-day workshop' on Artificial Intelligence with AI Tools' in the collaboration with Siara Institute was held.
- A 'Poster-Making Competition' on 'Environment Protection' was organized. In this competition Preet Kaur (B.Com III), Naman (B.A III), Amisha (B.Com III) won the first, second & third prizes respectively.
- A 'Nukkad Natak' on 'Water Conservation' was presented to promote reduction of water wastage.

On Feb. 14, 2025,

- The 'Valedictory Function' was organized to conclude the camp. The volunteers added colour to the event with their cultural programme which included Dance, Skit, Songs etc. The Principal, Mrs. Mukta Arora, appreciated the commendable efforts of the NSS Programme Officer and the volunteers and extended the best wishes for future camps.

Social Sciences Forum
(Convener - Mrs. Shubhda Thakur)

On Sept. 21, 2024, on 'World Peace Day', in collaboration with Raj Vidya Kendar Charitable Organization, a thought-provoking video lecture by Sh. Prem Rawat, Founder of Prem Rawat

Foundation & International Ambassador of Peace was shared. The lecture appealed youngsters to maintain peace and save humanity.

- On Sept. 28, 2024, an online 'Essay Writing Competition' on 'Relevance of Mahatma Gandhi's Philosophy of Life and Thought in Today's Context' was organized by ' Dayanand Mahila Mahavidyalya. Sneha and Manpreet Kaur (B.A III) sent in their entries.
- On Oct. 01, 2024, on ' The 'Birth Anniversary of Mahatma Gandhi', a 'Poetic-Recitation Competition' was organized by History Dept.. In this competition, Navjot Kaur (B.A III), Pranjal (B.A III) & Khushpreet Kaur (B.A III) won the first, second & third prizes respectively.
- On Oct. 24, 2024, on 'United Nation Day', An insightful lecture to celebrate the UN's work was delivered by Ms. Ekta Sharma, HOD, Pol. Science.
- On Oct. 24, 2024, the convener, along with other staff members and students, visited 'Jeevan Dhara Red cross Old Age Home' to foster warmth, compassion and inter-generational bonding with the senior citizens.
- On Nov. 08, 2024, a 'One-day Awareness Camp' organized by the Office of the Chief Judicial Magistrate-cum- Secretary', was held. Dr. Arvind Jain, a Paralegal Volunteer, informed the students about various legal services, including Legal Services to Victims of Acid Attack System, 2015, Compensation to the Victim under Hit & Run Motor Accident Scheme, 2022 & NALSA (Child Friendly Legal Services to Children & Their Protection Scheme, 2015) etc.
- On Nov. 26, 2024, under the campaign 'Hamara Samvidhan, Hamara Swabhiman', a 'Debate' on 'Promoting Gender Equality' & a 'Quiz' on 'Know Your Constitution' were organized.
- On Nov. 26, 2024, a 'District-level Celebration of Constitution Day', chaired by Sh. Parth Gupta, DC, Ambala was attended at Panchayat Bhawan, A/City by Ms. Ekta Sharma, HOD Pol. Science. The main highlight of the programme was a ' Documentary Film' featured on 'The Preamble of the Indian Constitution'.
- On Jan. 22, 2025, Dr. Jagdeep Singh, Asst. Professor, Pol. Science at Govt. College, Naraingarh, was invited to deliver an extension lecture titled 'Our Constitution, Our Pride', highlighting significance of the Indian Constitution.

IQAC Cell
(Convener - Mrs. Shubhda Thakur)

- On Aug. 31, 2024, an 'Extension lecture' on 'Mental Health' was organized in the collaboration with YRC Society. Dr. Sajjan Singh, Retd. Professor of Psychology from G.M.N College, A/Cantt. addressed the students and encouraged them to prioritize emotional well-being alongside academic success.
- On Jan. 09, 2025, a 'Pledge-taking Ceremony' was organized to promote 'Drug De-addiction' and to 'Make India Drug-free'.
- On Jan. 14, 2025, a 'Group Discussion' on 'How to Improve Mental Stress' was organized for staff members to nurture their mental health and reduce stress levels.

- On Jan. 21, 2025, in the collaboration with Library Dept., a 'Group Discussion' on 'Importance of Reading Books in Life' was organized. All staff members shared their personal experiences with literature.

Youth Red Cross Society
(Convener- Mrs. Jaspreet Kaur)

- On July 18, 2024, a 'Tree Plantation Drive' was conducted on the college campus to promote environmental awareness.
- On Aug. 21, 2024, an 'Extension Lecture' on 'Mental Health' was organized in the collaboration with IQAC Cell. Dr. Sajjan Singh, Retd. Professor of Psychology from G.M.N College, A/Cantt., addressed the students and encouraged them to prioritize emotional well-being alongside academic success.
- On Oct. 24, 2024, the convener, along with the other staff members and volunteers, visited 'Jeevan Dhara Red Cross Old Age Home' and distributed sweets and fruits to the residents. The volunteers presented cultural performances to foster warmth, compassion and inter-generational bonding with them.
- On Nov. 07, 2024, on 'National Cancer Day', the YRC Convener, with the aim of raising awareness and eradicating the deadly disease of cancer, acquainted the students with the 'Symptoms and Precautions to Prevent Cancer'.
- On Dec. 02, 2024, on 'World Aids Day', a detailed lecture on 'AIDS- Causes and Precautionary Measures', was delivered by Mrs. Jaspreet Kaur, Convener, YRC Society.
- On Dec. 26, 2024, a 'Free Health Check-up Camp,' in the collaboration with Lions Club, was organized on the college campus. Renowned ophthalmologist, pulmonologists, and physicians provided medical consultations to the needy and economically weaker sections of the society.
- From Feb. 17 to Feb. 21, 2025, a 'YRC- Five Day Camp' was held at M..D.S.D. College, A/City. The YRC Convener along with 4 volunteers - Gurvinder Kaur (B.A III), Harshpreet Kaur, Mehakpreet Kaur and Muskan (B.A II) - attended this camp. Gurvinder Kaur (B.A III) actively participated in various activities and won second prize in a 'Singing Competition'& third prize in 'Extempore Speech Competition' on the topic 'Yuva Pidhi'.
- On March 02, 2025, a total of 62 YRC volunteers performed election duty during 'Mayor-Election' in their respective constituencies.

Career Guidance and Counselling Cell
(Convener - Mrs. Neetika Bajaj)

- On Sept. 30, 2024, 12 students from B.Com & B.A final year attended a seminar on 'Digital Marketing & Artificial Intelligence' conducted by Indo-West Academy A/ City.
- On Oct. 24, 2024, The convener, along with the other staff members and students, visited 'Jeevan Dhara Red Cross Old Age Home' and distributed sweets and fruits to the residents. The volunteers presented cultural performances to foster warmth, compassion and inter-generational bonding with them.

- On Nov. 13, 2024, an 'Informative Session' on 'Future Prospects & Courses Run by Indo-West Academy' was organized.
- On Feb. 23, 2025, the students from final year of B.Com. took part in 'Lakshay-25-Placement Drive Pool' held at AIMT, A/City.
- On Feb. 27, 2025, an 'Innovative Session' on 'Entrepreneurship - Importance in Present Scenario' was conducted by Ms. Gazal & Ms. Shivani Arora, Verbal Faculty Head & Business Development Officer at Hitbullseye Academy. The session is followed by a 'Scholarship Test', conducted to select and enroll the best students for the MBA program & various other courses. The session concluded with a 'Quiz Competition', in which Priyanka, Dolly (B.Com III) & Aanchal, Sneha, Pallavi Sharma (B.A III) emerged as winners.
- On Feb. 27, 2025, an 'MOU' was signed with 'Hitbullseye Academy, A/City' and 'Human Pharmacia Pvt. Ltd.' to strengthen students' practical skills & industry readiness.
- On March 03, 2025, a 'Competitive Exam Awareness Session' was organized in the collaboration with 'Mahindra Institute'.
- On March 19, 2025, a 'Postgraduate Awareness Seminar' was conducted in association with AIMT, A/City to acquaint students with career paths and academic options.
- On March 27, 2025, 10 final-year students from B.Com took part in a 'Mega Job Fair', organized in collaboration with Divisonal Employment Office, held at S.A Jain (PG) College, A/City.

Youth Welfare Society

(Convener - Mrs. Neetika Bajaj)

- On Aug. 14, 2024, on the eve of the 78th Independence Day, to celebrate India's glorious independence, a 'Patriotic Programme', including 'Patriotic Poem Recitation' to pay tribute to 'Our Freedom Fighters & Martyrs', & ' Selfie with Tiranga' activities, were organized in the collaboration with NSS Unit.
- On Aug. 14, 2024, a 'Seminar' on 'Eye Donation' was organized in the collaboration with 'Saksham Madhav Eye-Donation Society'. The programme started with an 'Oath-taking Ceremony' to promote eye donation, followed by informative sessions on 'Procedure and Myths Related to Eye Donation' by Sh. Krishan Saini, Haryana State Office Secretary, Saksham, Sh. Narendra Batra, State President and Sh. Arvind Jain, Convener.
- On Sept. 5, 2024, the members of Youth Club were selected. Six CRS & six Youth Club members were selected from each faculty. Navjot Kaur (B.A III), Palak (B. Com III) and Khushpreet Kaur (B.A. III) were designated as President, Vice- President & Stage Secretary respectively.
- On Sept. 5, 2024, 'Teachers' Day' was celebrated with a pomp and show in the collaboration with the Music Dept. A tribute to Dr. Sarvepalli Radhakrishnan was paid, & a cultural programme was presented. The celebration was followed by A 'Card-Making Competition', In this competition, Simran (B.A II), Jaskaran Kaur (B.A III) & Anu (B.Com III), Khushboo (B.A III) & Naman (B.A III) won the first, second, third prizes and consolation prizes respectively.

- On Nov. 8, 2024, on the occasion of the '58th Foundation Ceremony of Haryana', a 'Poster-making Competition' on 'Haryana Ki Sanskriti' was organized. In this competition Khushbu (B.A III), Sheetal (B.A III) & Anu (B.Com III) won the first, second & third prizes respectively.
- On Jan. 11, 2025, on the 'Birth Anniversary Celebration of Swami Vivekanand', marked as 'National Youth Day', a 'Quotation Writing Competition' was organized. In this competition Khushbu (B.A III), Simrat (B.A III), Gurjeet Kaur (B.A III) & Pratiksha (B.Com III) won the first, second & third prizes respectively.
- On Jan. 12, 2025, on 'National Youth Day', an online 'Essay Writing Competition' on 'Relevance of Swami Vivekanand's Ideas' was organized by SNRL Jairam Girls College Lohar Majra (KKR). In this competition Harshpreet Kaur (B.Com III), Navjot Kaur (B.A II) & Tanu (B.A III) submitted their essays.
- On May 14, 2025, On 'Mother's Day', a 'Photo Frame-Making Competition' was organized. Dimpy (B.A II), Mehakpreet Kaur (B.A II) & Navdeep Kaur, Reena (B.A I) won the first, second & third prizes respectively.

Red Ribbon Club

(Convener - Dr (Mrs.) Anupam Sharma)

- On Sept. 18, 2024, On 'National Deworming Day', in the collaboration with Civil Hospital, A/City, Albendazole tablets were distributed among the students to promote deworming awareness and hygiene.
- On Dec. 02, 2024, 'On World AIDS Day', in the collaboration with YRC Society, a detailed lecture on 'AIDS - Causes and Precautionary Measures', was delivered by Mrs. Jaspreet Kaur, Convener, YRC Society.
- From Jan. 10 to Jan. 20, 2025, On 'National Youth Day', 10 Days Awareness Campaign was organized featuring the following activities:

I) A 'Signature Campaign' was organized, commencing with the signature of Principal, Mrs. Mukta Arora, followed by the staff members and students.

II) A 'Slogan Writing Competition' was organized. In this competition, Khushbu (B.A III), Inayat & Gurjeet Kaur (B.A III) and Navjot Kaur & Ishita (B.Com III) won the first, second & third prizes in this competition respectively.

III) A 'Poster Making Competition' was also organized. Inayat, Gurvinder Kaur and Navjot Kaur from B.A final year won the first, second & third prizes in this competition respectively.

- On Jan. 16, 2025, 'An Inter- College State Level Poster Making, 'Story Writing and Slogan Writing Competitions', were organized at D.A.V. College A/City. Khushpreet Kaur, Navjot Kaur, Inayat & Gurvinder Kaur from B.A final year participated in these competitions.
- On Jan. 17, 2025, Under the aegis of the Civil Surgeon Ambala, a 'Seminar' on 'Awareness of HIV, TB, STI, Leprosy, OST, HIV-AIDS Prevention Control Act, 2017', was attended by the convener, Mrs. Preety Prashar, (YRC Society member) along with students Khushpreet Kaur, Navjot Kaur, Inayat & Gurvinder kaur (B.A final year).

- On April 01, 2025, On 'World Red Cross Day', A 'Slogan Writing Competition' was organized. Harshpreet Kaur, Kanika Agnihotri and Mehakpreet Kaur from B.A second year won the first, second & third prizes in this competition respectively.

Electoral Literacy Cell/Road Safety Cell

(Convener - Mrs. Preeti Prashar)

- On Aug. 16, 2024, The convener, along with Ms. Ekta Sharma (Electoral Cell member), attended a meeting regarding 'Approaching Election' at SDM Office, A/City.
- On Sept. 10 , 2024, A 'Declamation Contest' on 'Importance of Single Vote' was organized to promote electoral participaton.
- On Sept. 17, 2024, An 'Awareness Lecture' was conducted by Mr. Manoj Saini, Red Cross District Program Officer for the NSS volunteers on ethical conduct and assisting the elderly during the upcoming Assembly elections.
- On Sept. 19, 2024, A 'Slogan Writing Competition', in the collaboration with NSS Unit, was organized to raise awareness about active voting. In this competition, Naman (B.A III), Sukhjeet Kaur (B.A III), Ishita (B.A II) & Khushpreet Kaur (B.A III) won the first, Second, third prizes & consolation prizes respectively.
- On Sept. 24, 2024, A variety of activities were organized to sensitize students and the public about 'Value of Ethical Voting in Democracy'.

I) An 'Awareness lecture' was delivered by Ms. Ekta Sharma (Electoral Cell member).

II) A 'Rally' to connect public with the above-said campaign was flagged off by the Principal, Mrs. Mukta Arora.

III) A 'Nukkkad Natak' was performed at the railway station, A/City to encourage citizens to actively participate in the upcoming elections.

- On Sep. 26, 2024, Dimpy Rajput (B.A.III), Campus Ambassador of the Electoral literacy Cell, delivered a speech and appealed her peers to cast their votes. She also conducted an 'Awareness Drive' in Prem Nagar, her neighbouring locality.
- On Jan. 25, 2025, On 'National Voters' Day', the following activities were organized:

I) An 'Oath-Taking Ceremony' was conducted.

II) An 'Awareness Lecture' on 'Youth & Elections' was delivered by Ms. Ekta Sharma (member of Electoral Cell).

III) A 'Debate' on 'Will Compulsory Voting Strengthen Democracy?' was led by the above-mentioned member.

IV) The Principal, Mrs. Mukta Arora addressed and motivated the students to utilize their right to vote to the fullest.

V) An 'Essay Writing Competition' on above-said topic was organized. In this competition, Ishita (B.A II), Khushi (B.A III) & Navjot Kaur & Khushboo (B.A III) won the first, second & third prizes respectively.

VI) A 'Painting Competition' was organized. In this competition, Pratiksha (B.Com III), Gurvinder & Tanya (B.A III) & Gurjeet Kaur (B.A III) won the first, second & third prizes respectively.

Road Safety Cell organized two key activities:

- On Nov. 12, 2024, A 'Quiz Competition' was conducted to assess students' knowledge of traffic rules and road safety laws.
- On Jan. 30, 2025, A 'Road Safety Oath Ceremony' was organized to encourage adherence to traffic regulations and promote road safety.

Women Cell/Anti-Ragging Cell

(Convener - Mrs. Aarti Sharma)

- On July 11, 2024, a 'Quiz Competition' under 'Talent Hunt competition' was organized.
- On Oct. 14, 2024, on the occasion of 'International Girl Child Day', an 'Awareness lecture' and a 'Poster Making Competition' on the topic 'Girls' Vision for the Future' were organized. In this competition Khushbu (B.A III), Anu (B. Com III) & Sheetal (B.A III) won the first, second & third prizes respectively.
- On Jan. 31, 2025, On 'National Girl Child Day', various activities were organized on the theme, 'Celebrate Yourself as a Girl Child'. The students celebrated womanhood through poems, speeches, songs and skit etc.
- On March 01, 2025, On 'International Women's Day', two creative competitions - 'Poetic Recitation and a 'Slogan Writing Competition - were organized. Dr. Surina Sharma, HOD, English at Universal Group of Institutes and our proud alumna, graced the occasion as Chief Guest. In 'Poetic Recitation Competition', Dimpy (B.A II), Navjot Kaur (B.A III), Jaspreet Kaur (B.A III) & Gurvinder Kaur (B.A III), in 'Slogan Writing Competition', organized in the collaboration with NSS Unit, Ishika Khanna (B.A II), Simran (B.A II), Khushboo (B.A III), Sheetal & Inayat (B.A III) won the first, second, third & consolation prizes respectively.
- On March 08, 2025, Our students took part in the following 'Inter-College Competitions' held to commemorate 'International Women's Day':

I) Manpreet Kaur & Sneha (B.A final year) took part in an 'International Level Online Essay Writing Competition' on the theme 'Digital Inclusion of Women in the Era of Globalization' organized by C.R.D.A.V Girls College, Ellenabad, Haryana.

II) A 'Poster Making Competition' was organized at M.D.S.D College A/City. Khushboo (B.A III), Mehakpreet Kaur & Kanika (B.A II), Navdeep Kaur (B.A I) & Muskan (B.Com I) took part in this competition.

III) A 'State-Level PPT Making Competition' on the theme 'Shakti - Strengthening Women and Girls Empowerment' was organized at D.A.V College A/City. Vanshika, Khushi (B.A III), Kanika, Diya, Ishika, Dimpi (B.A II) actively participated in this competition.

- On March 18, 2025, The convener atteneded a 'One-day Workshop' on 'Preventing and Addressing Sexual Harassment in HEI's' organized by Internal Complaint Committee at KUK.
- On April 28, 2025, On the occasion of 'Akshaya Tritiya', under the guidance of the Director,

Women and Child Development Department, Panchkula, Haryana, to end child marriages in India, 'Oath-taking Ceremony,' and 'Nukkad Natak' were organized in the support of 'The Prohibition of Child Marriage Act, 2006'.

Awareness Activities Conducted under Anti- Ragging Cell:

On August 17, 2024, under Anti- Ragging week observed from Aug. 12 to Aug. 18, 2024, the following awareness activities were organized:

I) An 'Oath-taking Ceremony' was conducted to ensure a ragging-free campus environment.

II) A 'Poster Making Competition' on the theme 'Safe Campus, Happy Students' was organized. In this competition, Simrat (B.Com III), Pratiksha (B.Com III), Khushboo & Gurvinder Kaur (B.A III) won the first, second & third prizes respectively.

III) A 'Slogan Writing Competition, on the theme 'Together We Stand Against Ragging' was organized. Pratiksha (B.Com III), Khushpreet Kaur & Jaskaran Kaur (B.A III) won the first, second & third prizes respectively.

Rural Entrepreneurship Development Cell

(Convener - Mrs. Kirti Gupta)

- On Sept. 28, 2024, Manpreet Kaur & Gurvinder kaur from B.A final year participated in a 'State Level Online Essay Writing Competition' on 'The Future of Entrepreneurship: Trends & Opportunities' organized by BPR College, Kurukshetra and received E-certificate for participation .
- On Oct. 24, 2024, The convener attended a meeting at ITI (Boys), regarding 'Distt. Youth Festival, 2024,' organized by 'Youth Empowerment & Entrepreneurship Development Dept., Panchkula'.

Legal Literacy Cell/Cultural Committee

(Convener - Ms. Ekta Sharma)

- On Oct. 24, 2024, The convener attended a meeting at ITI (Boys), regarding 'Distt. Youth Festival, 2024,' organized by 'Youth Empowerment & Entrepreneurship Development Dept., Panchkula'.
- On Nov. 08, 2024, A 'One-day Awareness Camp' by the office of The Chief Judicial Magistrate-cum-Secretary' was organized. Dr. Arvind Jain, a Paralegal Volunteer, informed the students about various legal services including Legal Services to Victims of Acid Attack System, 2015, Compensation to the Victim under Hit & Run Motor Accident Scheme, 2022 & NALSA (Child Friendly Legal Services to Children & Their Protection Scheme, 2015) etc.

Eco. Club

(Convener- Mrs. Rooman)

- On Dec. 02, 2024, On 'National Pollution Control Day', a 'National Level Online Slogan Writing Competition' was organized by Dayanand Mahila Mahavidyalaya, KKR. Aarju (B.A I) & Kiran (B.Com I) took part in this competition, and Aarju won the first prize in this competition.

- On April 23, 2025, On 'Earth Day', to improve the deteriorating condition of Mother Earth, a 'Tree Plantation Drive' was held under the leadership of the Principal, Mrs. Mukta Arora.

Departmental Activities

Hindi Dept.

(Incharge- Dr. (Mrs.) Anupam Sharma)

- On Sept. 10, 2024, under 'Talent Hunt Competition, 'Declamation Contest & Poetic Recitation Competition' were organized. In 'Poetic Recitation Competition', Navdeep Kaur, Sania Sharma & Dimpi (B.A I) won the first, second & third prizes respectively.
- On Sept., 14, 2024, On 'Hindi Diwas', an online 'Inter-College State-level Slogan Writing Competition' was organized at D.A.V College, A/City. Khushbu and Taniya (B.A III) took part, and Taniya won the third prize and received a medal along with a cash prize of Rs. 300.
- On Sept. 14, 2024, on 'Hindi Diwas', 'State-Ievel Competitions' were organized at S.A Jain College A/City.
  I) In 'Poetic Recitation Competition ', Jaspreet Kaur (B.A III) bagged the first position.
  II) In 'Dictation Writing Competition', Manpreet Kaur (B.A III) secured the first position.
  III) In 'Declamation Contest', Navjot Kaur (B.A III) won the third prize.
- On Sept. 16, 2024, a 'Group Discussion', on 'Hindi Hamari Pehchan' was organized.
- On Sept. 16, 2024, a 'Slogan Writing Competition' was organized at D.A.V. College, A/City. Khushbu (B.A. III) won third prize in this competition.
- On Oct. 22, 2024, under 'Rishi Bodh Utsav', a 'Poetic Recitation Competition' was organized at Police DAV Public School, A/City. In this competition Gurvinder Kaur (B.A II) took part & won the first prize.
- On Nov. 21, 2024, under 'Rishi Bodh Utsav',Mahak (B.A III) won the first prize in the 'Shlok Ucharan Competition' was held at KPAK Sr. Sec. School, A/City.
- On Dec. 09, 2024, Pranjal Gaur (B.A I) & Dimpi (B.A II) attended a 'Seminar', organized to commemorate 'Geeta Jayanti', held at Sohan Lal D.A.V Sr. Sec. School, A/City.
- On Jan. 10, 2025, on 'International Hindi Day', a 'Slogan Writing Competition' was organised in the college. Inayat (B.A III), Simrat (B.Com. III) & Khushbu (B.A III) won the first, second & third prizes respectively in this competition.
- On Feb. 21, 2025, on 'International Mother Language Day', the students of B.A II & B.A III recited poems in praise of our mother language, Hindi.
- On April 28, 2025, a 'State Level Online Declamation Contest' on the topic 'Cyber Suraksha, Ek Gambhir Samasya' was organized at Mata Sundari Khalsa Girls College, Karnal . Dimpi (B.A II) won the first prize in this competition.
- On April 04, 2025, a 'Poetic Symposium Contest in Hindi' was organized at Arya Girls College, A/Cantt.. Dimpi (B.A III) & Khushpreet Kaur (B.A III) recited her own composition in this competition.

- On Feb. 26, 2025, a 'Niti Exam' under the supervision of Dr. (Mrs.) Anupam Sharma, Asst. HOD, Hindi & Ms. Ekta Sharma, HOD, Pol. Sc. was conducted.

Economics Dept.

(Incharge - Mrs. Shubhda Thakur, HOD)

- On Sept.11, 2024, a 'Mono-Acting Competition', as part of the Talent Show, was organized.
- On Dec. 20,2024, The Incharge, during a 'One-Day Nss Camp', acquainted the volunteers with the 'The Tips to Conserve Energy'.
- On Feb. 03, 2025, An 'Awareness lecture', in collaboration with Dev Samaj College For Women, Sector 36-B, Chandigarh, was organized. Ms. Leena Aggarwal, Assistant Professor of Economics and the keynote speaker, acquainted the students with 'Job Opportunities In Economics'.
- 40 students from Arts and Commerce streams took part in an online 'Research Project Advancing Women in Economics', organized by International Economics Association, Delhi.

Commerce Dept.

(Incharge - Mrs. Neetika Bajaj, HOD)

- On Sept.11, 2024, a 'Mimicry Competition', under 'Talent Hunt Competition' was organized.
- On March 25, 2025, A 'Quiz Competiton', consisting of two rounds - preliminary & final - was conducted. Out of six teams, Team - B (Sonia & Amisha - B.Com III), Team - D (Priyanka & Anu - B.Com III) and Team - E (Nainsi & Palak - B.Com I) secured the first, second and third positions respectively.
- On March 07, 2025, A total of six students participated in a different competitions held at P.K.R Jain College of Education, A/City. Simrat (B.Com III) was awarded the second prize in the 'Bridal Make-up Competition'.

Punjabi Dept.

(Incharge - Mrs. Jaspreet Kaur, HOD)

- On Dec. 25, 2024, On 'Veerbaal Diwas', a poignant and inspiring tale of Sahibzada Zorawar Singh & Fateh Singh, honouring their valour and martyrdom at a tender age was shared by Mrs. Jaspreet Kaur, HOD, Punjabi .

English Dept.

(Incharge - Ms. Reena Sharma, HOD)

- On Sept. 11, 2024, a 'Declamation Contest', under 'Talent Hunt Competition' was organized. Pranjal Gaur (B.A I) & Nancy (B.A I) won the first & second prizes respectively in this competition.

Music Dept.

(Incharge - Ms. Jasbir, HOD)

- On July 4, 2024, 'Singing Competition' and 'Music instrumental Competition', under 'Talent Hunt Competition' were organized.

- On Sept. 5, 2024, On Teachers' Day', a 'Doha Recitation titled 'Guru Gobind Dou Khade' was held in honour of the learned gurus.
- On Dec. 25, 2024, On the occasion of the 174th Birth Anniversary celebration of Revered Bhagwan Devatma, during the 'Pravesh Sabha', a soulful Bhajan titled- Aala Jeevan Ki Jyon Jyon Badhegi Kadar, Bhaage Aaenge Iss Dar Par Lakho Bashar' was melodiously presented by Anshu (B.A I), Himanshi (B.Com I), Varsha (B.Com II), Bhumika, Harjeet (B.A III).
- On Jan. 16, 2025, On 'Maat-Pita Santaan Diwas', the Dev Samaj Song 'Shradha Bhajan Maat- Pita ji' was sung by staff members and students. It was followed by a 'Bhav Prakash', expressing gratitude for their parents' infinite love and sacrifices.
- On Jan. 31, 2025, On 'Basant Panchami', a vibrant group song titled ' Phagun Ke Rang Udhe, Purva Ke Sang Chale' to welcome the new season was sung by Bhumika, Sakshi, Vanshika (B.A III) & Varsha (B.Com II).
- On April 07, 2025, Harjeet Kaur & Amandeep Kaur (B.A III), during 'Bhav Prakash Sabha', performed the song - 'Aj Sathi Is Vida Mai', Bhumika, Inayat, Vanshika, Amandeep & Harjeet Kaur sang 'Mere Shikshak Jano Hamko, Yhi Aasheesh Apni Do', while the teachers sang 'Phulo Phalo Aur Viksit Hovo' to shower their blessings on the outgoing students of B.A & B.Com faculties.
- On 'Annual Prize Distribution Function' and 'Women's Day Function', the 'Welcome Song' titled 'Aj Hum Palke Bicha Kr, Kr Rahe Hai Swagtam' was presented by the students of Music Vocal Dept. to warmly welcome the esteemed Chief Guest, Sh. J.C. Bhardwaj and other dignitaries present.

Health & Physical Education Dept.

(Incharge- Mrs. Rooman, HOD)

From Dec. 04 to Dec. 9, 2024, Under 'Fit India Campaign Celebration', the following activities were conducted:

I) A 'Poster Making Competition' was organized. In this competition, Kanika (B.A II), Kiran (B. Com III) & Aarju (B.A II) won the first, second and third prizes respectively.

II) A 'Kho-Kho' match was organized.

III) An 'Awareness Lecture' on 'The Importance of Cycling and Road Safety', was delivered by the NSS Programme Officer, Mrs. Poonam Rani.

IV) A 'Skipping Rope Activity', promoting fitness with fun, was organized.

- On Jan. 29 and Feb. 06, 2025, under the banner of 'Har Ghar Suryanamaskar Campaign', the students along with their family members, performed 'Surya Namaskar'.
- On March 20, 2025, A 'Sports Meet' was organized on the college playground, where various competitions were held :

1) **Shot Put Competition -** Harman Kaur, Khushi & Shweta (B.A III) secured the first, second and third positions in this competition.

2) **Javelin Throw Competition -** Shweta, Gurpreet Kaur (B.A III) & Simrat (B.Com III) secured the first, second and third positions in this competition.

3) **Sack Race Competition -** Harman Kaur, Inayat (B.A III) & Harman (B.Com III) secured the first, second and third positions in this competition.

4) **Tug of War Competition -** The team of Harman, Bhumika, Inayat, Palllavi Sharma, Khushi & Neha Verma (B.A III) won this competition.

5) **Balloon Race Competition -** The pairs of Preet & Palllavi (B.Com III), Diksha & Harman (B.Com III) and Jaspreet Kaur & Shalu (B.A III) secured the first, second and third positions in this competition.

- On June 21, 2024, 'International Yoga Day', in the collaboration with NSS Dept. was celebrated. The students under the guidance of the teacher incharge performed various yogasana.

Computer Dept.

(Incharge - Mrs. Kirti Gupta, HOD)

- On Aug. 08, 2024, in collaboration with NSS Unit & Teamfire 64, a workshop on 'Digital Marketing' was organized to familiarize students with the practical application of digital marketing in the contemporary world.
- On Oct. 16, 2024, In collaboration with 'Siara Techvision Institute', an ' Awareness lecture' on 'Digital Marketing- Use of AI in Cyber Crime', was organized. Mr. Dipender & S. Jaspreet, Managing Director of Siara Techvision Institute, A/City, familiarized the students with the latest cyber security trends.
- On Oct. 22, 2024, On 'World Food Day', a 'PPT Making Competition', was organized. In this competition Preet Kaur (B. Com III), Gurvinder Kaur (B.A III) & Naman (B.A III) won the first, second & third prizes respectively.
- On Feb. 13, 2025, A 'One-Day Workshop' on 'Artificial Intelligence with AI Tools & How to Build a Career in AI Stream' was held in the collaboration with Siara Techvision Institute & NSS Unit.
- On Feb. 28, 2025, Dolly (B.Com III), Vanshika & Khushi (B.A III) participated in an Online 'Poster-Making Competition' and a 'Video-Making Competition' organized by Khalsa Rescue Foundation.
- On March 12, 2025, An'Inter- College State Level PPT Making Competition' on the theme ' Shakti - Strengthening Women and Girls Empowerment was organized at D.A.V College A/City. Vanshika, Khushi (B.A III), Kanika, Diya, Ishika, Dimpi (B.A II) actively participated in this competition.
- On March 25, 2025, A 'Three-Month Graphic Designing Course' was held. Mrs. Kirti Gupta, HOD, Computer Science and five students - Pratiksha, Preet Kaur (B.Com III), Naman, Vanshika, Pallavi (B.A. III) - secured an 'A' grade in this course.
- On March 29, 2025, A 'Two-Day Workshop' focuses on 'Digital Marketing, AI Tools & How to Build a Career in AI Stream Using AI Tools' was organized in collaboration with Indo-West Institute.

Home Science Dept.

(Incharge - Mrs. Pinki Bajaj, HOD)

- On Sept. 5, 2024, Under 'Talent Hunt Competition', a 'Painting Competition' was hoisted on 'Monsoon & Nature'.
- On Sept. 5, 2024, Under 'Poshan Maah', a 'Cooking Competition' , highlighting gram flour as the key component, was organized. In this competition, Khushboo (B.Com II), Gurjeet Kaur (B.A III), Ishita (B.Com III), Renuka (B.A I) & Pratiksha (B.Com III) won the first, second, third prizes respectively.
- On Sept. 30, 2024, in observance of 'National Nutrition Month', an 'Inter-College National Level Online ' Salty Snack Making Competition', was organized by Kumari Vidyavati Anand DAV College for Women, Karnal. In this competition, Ishita (B.Com III) & Pratiksha (B.Com III) represented our college.
- On Oct. 19, 2024, on the eve of 'Karwa Chauth' a 'Mehndi Competition' was organized. Mrs. Sudesh Sharma, Mrs. Raj Rani, wives of the Local Managing Committee Members along with their daughters, graced the occasion as the Chief Guests. In this competition Anu (B.Com III), Manpreet Kaur (B.A III), Inayat (B.A III) & Aarju (B.A I) won the first, second, third & consolation prizes respectively.
- On Oct. 26, 2024, on the 'Pre- Diwali Festive Event', the 'Thali Decoration' and 'Rangoli Competition' were hosted. In 'Thali Decoration' Competition' Pallavi Sharma (B.A III), Gurjeet Kaur (B.A III) & Simrat (B.Com III), Gurjeet Kaur (B.A III) & Navjot Kaur (B.A III) and in 'Rangoli Competition' Khushboo (B.Com III), Aarju (B.A I) & Navjot Kaur (B.A III) won the first, second & third prizes respectively.
- On Oct. 26, 2024, An Online 'Thali Decoration' and 'Mehandi Competition' were organized by Kumari Vidyavati Anand DAV College for Women, Karnal. In 'Thali Decoration Competition' Naman & Inayat (B.A III) and in 'Mehandi Competition' Anu (B.Com III) & Inayat (B.A III) took part.
- On Dec. 3, 2024, A 'One-Day Workshop' on 'Origami Art' was conducted by Mr. Dheeraj Rao from Delhi to encourage students to explore their creativity through the art of paper folding.
- On Feb. 11, 2025, In collaboration with NSS Unit and Pidilite Company, to promote 'Skill India Campaign', a 'One-day 'Fridge Magnet Making Workshop', using clay and Pidilite colours, was organized.

History Dept.

(Incharge - Ms. Bhavna, HOD)

- On Sept. 28, 2024, an online 'Essay Writing Competition' on 'Relevance of Mahatma Gandhi's Philosophy of Life and Thoughts in Today's Context' was organized by 'Dayanand Mahila Mahavidyalya. Sneha and Manpreet Kaur (B.A III) sent in their entries.
- On Oct. 01, 2024, on ' The 'Birth Anniversary of Mahatma Gandhi', a ' Poetic- Recitation Competition' was organized by History Dept.. In this competition, Navjot Kaur (B.A III),

Pranjal (B.A III) & Khushpreet Kaur (B.A III) won the first, second & third prizes respectively.

- On Jan. 31, 2025 an Online 'Essay Writing Competition and Slogan Writing Competition' were organized by Kumari Vidyavati Anand DAV College for Women, Karnal. In Essay Writing Competition, Ishita (B.Com. III) won second prize.

Political Science Dept.

(Incharge - Ms. Ekta Sharma, HOD)

- On Oct. 24, 2024, on 'United Nation Day', an insightful lecture to celebrate the UN's work was delivered by the incharge.
- On Nov. 26, 2024, under the campaign 'Hamara Samvidhan, Hamara Swabhiman', a 'Debate' on 'Promoting Gender Equality' & a 'Quiz' on 'Know Your Constitution' were organized.
- On Nov. 26, 2024, a 'District-level Celebration of Constitution Day', chaired by Sh. Parth Gupta, DC, Ambala was attended by the incharge at Panchayat Bhawan, A/City. The main highlight of the programme was a ' Documentary Film' featured on 'The Preamble of the Indian Constitution'.
- On Jan. 22, 2025, Dr. Jagdeep Singh, Asst. Professor, Political Science at Govt. College, Naraingarh, was invited to deliver an extension lecture titled 'Our Constitution, Our Pride', highlighting significance of the Indian Constitution.

174th Birth Anniversary Celebration of Revered Bhagwan Devatma, Founder of Dev Samaj

The college, with the active involvement of Principal, Mrs. Mukta Arora, organized a series of competitions and events to mark the 174th Birth Anniversary of Revered Bhagwan Devatma.

- On Nov. 14, 2024, a 'Tree Plantation Drive' was held. The Principal, Mrs. Mukta Arora, along with the staff members, planted vibrant flowering plants across the college campus.
- On Nov. 19, 2024, a 'Clealiness Drive' was undertaken by the NSS volunteers to clean the entire college campus.
- On Nov. 20, 2024, a visit to 'Jeevandhara Old Age Home' was organized to foster a bond between the youth and the elderly citizens. The students, along with their teachers , spent time with the senior citizens, lightened their gloomy mood with their cultural items and also distributed sweets and fruits to them.
- On Nov. 20, 2024, A 'PPT Making Competition', on the topic 'Manushyata Aur Prakriti ke Sambandh Mein' was organized. Navjot (B.A III), Preet Kaur (B.Com III), Naman, Khushpreet Kaur (B.A III) won the first, second & third prizes respectively in this competition.
- On Nov. 22, 2024, A 'Donation Drive' was held to instill a sense of altruism among the young. Woollen clothes and eatables were distributed in the slum area near the college.

- On Nov. 23, 2024, A 'Poster Making Competition', focusing on ' The 16 Relations as described in Devshastra Part-4, penned by Revered Bhagwan Devatma was organized. Mehakpreet (B.A II), Mehak Sharma (B.Com II) & Harmanpreet Kaur (B.Com II) won the first, second & third prizes respectively.

- On Nov. 25, 2024, A 'Bhajan Competition', based on the compositions from the Dev Samaj Bhajan Book, was held. In this competition, melodious bhajans sang by Varsha, B. Com II (Tum Aankhen Kholo Ae Sone Walo), Anshu, B.A I (Meri Ye Tuchchh Si Hasti), & Diya, B.A II (Satguru Tumhari Nirali Shaan Hai) won the first, second & third prizes respectively.

- On Dec. 14, 2024, Mrs. Mukta Arora, Principal, Mrs. Shubhda Thakur, HOD, Economics; Mrs. Neetika Bajaj, HOD, Commerce; Ms. Reena Sharma, HOD, English; Ms. Jasbir, HOD, Music Vocal; Mrs. Anita Walia, Asst. Librarian and Mr. Narender, Tabla Player attended 'Pravesh Sabha' held at Dev Samaj College For Education, 36-B, Chandigarh.

- In the evening Sabha our students - Anshu (B.A I), Himanshi (B.Com I), Varsha (B.Com II), Bhumika, Harjeet (B.A III) - presented a soulful Bhajan titled- Aala Jeevan Ki Jyon Jyon Badhegi Kadar, Bhaage Aaenge Iss Dar Par Lakho Bashar'.

- On Dec. 16, 2024, Mrs. Mukta Arora, Principal, Ms. Ekta Sharma, HOD, Pol. Sc.; Ms. Sukhdeep, Asst. Professor, Commerce and Mr. Jawahar lal attended 'Vishesh Sabha' held at Dev Samaj College For Education, Sector 36-B, Chandigarh.

- On Dec. 26, 2024, A 'Free Health Check-up Camp,' in the collaboration with Lions Club, was organized on the college campus. Renowned ophthalmologist, pulmonologists and physicians provided medical consultations to the needy and economically weaker sections of the society.

Celebration of Dev Samaj Special Days

(Co- ordinator - Dr. (Mrs.) Anupam Sharma)

Revered Bhagwan Devatma strongly believed that all the four parts of nature should live in harmony. He felt that knowing and caring for these bonds is important for human progress. Hence, he dedicated the following days as reminders of our duties towards nature and humanity:

Pashu Jagat Ke Sambandh Mein

- On Sept. 11, 2024, The co-ordinator and Mrs. Preeti Prashar, Librarian, accompanied by the students, visited the Gaushala and fed grass to the cows.

Swajati Ke Sambandh Mein

- On Oct. 11, 2024, Nancy, Pranjal Gaur and Sania Sharma (B.A I), shared inspiring stories of exceptional personalities from their castes. Principal, Mrs. Mukta Arora also introduced the students to the unique philosophy of Bhagwan Devatma, as elaborated in Devshastra Part - 4, and encouraged them to follow the noble examples set by the distinguished individuals from their communities.

Bhautik Aur Manushaya Matr Yagya

- On Nov. 14, 2024, An 'Essay Writing Competition' to celebrate infinite relationship between Bhautik and Manushaya Jagat was organized. In this competition, Navjot Kaur (B.A III), Gurvinder Kaur, Jaspreet Kaur from B.A III won the first, second and third prizes respectively.

Udhbhid Jagat Ke Sambandh Mein

- On March 26, 2025, An 'Essay Writing Competition', on the theme 'Prakriti Se Prem Sambandh' was organized. In this competition Gurvinder Kaur (B.A III), Bhawna (B.A II) and Navjot Kaur (B.A III) won the first, second and third prizes respectively.

Maat-Pita Santaan Diwas

- On Jan. 16, 2025, 'Maat-Pita Santaan Diwas' was celebrated to honour parents' unconditional love. The celebration began with an emotional Dev Samaj Song - 'Shradha Bhajan Maat- Pita ji', followed by soulful Bhav Prakash by staff members and students, dedicated to their beloved parents.

Bhai-Bahan Ke Sambandh Mein

- On Feb.17, 2025, An event titled 'Ek Patr Mere Bhai-Bahan Ke Naam' was organized, providing students with a platform to express their deepest emotions through their letters. The staff members also participated, celebrating this infinite bond through heartfelt words.

Bhritya Swami Diwas

- On April 17, 2025, The helping staff were honoured with garlands and gifts in recoginition of their tireless dedication and support.

Swavansh Ke Sambandh Mein

- On May 14, 2025, A 'Family Lineage Tree Competition' was organized to pay tribute to the ancestors and strengthen the bond with family members. Mehakpreet Kaur, Manpreet Kaur & Dimpi and Bhavna Sharma from B.A II begged the first, second & third prizes respectively in this competition.

Dev Samaj Sabha

Sabha is a unique feature of Dev Samaj. Every month sabhas are conducted to reflect upon and strengthen our relationships - with fellow human beings, living beings, non-living things and even nature.

Sevakon ke Sambandh Mein Sabha

- On July 18, 2024, Principal Mrs. Mukta Arora along with other staff members attended 'Dev Samaj Sevakon ke Sambandh Mein' sabha held at Dev Samaj Mandir, A/City.

Janam Mahotsav Sabha

- On Dec. 14, 2024, Mrs. Mukta Arora, Principal, Mrs. Shubhda Thakur, HOD, Economics; Mrs. Neetika Bajaj, HOD, Commerce; Ms. Reena Sharma, HOD, English; Ms. Jasbir, HOD, Music Vocal; Mrs. Anita Walia, Asst. Librarian and Mr. Narender, Tabla Player attended 'Pravesh Sabha' held at Dev Samaj College For Education, 36-B, Chandigarh.
- In the evening sabha our students - Anshu (B.A I), Himanshi (B.Com I), Varsha (B.Com II), Bhumika, Harjeet (B.A III) - presented a soulful Bhajan titled- 'Aala Jeevan Ki Jyon Jyon Badhegi Kadar, Bhaage Aaenge Iss Dar Par Lakho Bashar'.

- On Dec. 16, 2024, Mrs. Mukta Arora, Principal, Ms. Ekta Sharma, HOD, Pol. Sc.; Ms. Sukhdeep, Asst. Professor, Commerce and Mr. Jawahar lal attended 'Vishesh Sabha' held at Dev Samaj College For Education, Sector 36-B, Chandigarh.

Dev Samaj Sathapna Diwas Sabha

- On Feb. 22, 2025, a Sabha on 'Dev Samaj Sathapna Diwas' was held at Dev Samaj Mandir, A/City and in the college hall was attended by Principal Mrs. Mukta Arora, Mrs. Shubhda Thakur, HOD, Economics; Dr. Anupam Sharma, Assistant Professor, Hindi; Mrs. Pinki Bajaj, HOD, Home Science; Mrs. Rooman, HOD, Physical Education and Ms. Bhavna. HOD, History.

Celebrations/Functions

Retirement Party (Mrs. Veena, The Service Staff)

- 31 July, 2024, Mrs. Veena, a member of the Dev Samaj Parivar and a service staff member, retired.. A farewell party was held to acknowledge and celebrate her invaluable contributions to the institution.

Inauguration-cum-Orientation Programme

- On Aug. 17, 2024, an 'Inauguration-cum-Orientation Programme' was arranged for the newly admitted students of the Arts & Commerce streams. Mrs. Shubhda Thakur introduced them to the divine life-style, philosophy, core values of Bhagwan Devatma, along with key features of Dev Samaj institutions.

Teachers' Day

- On Sept. 5, 2024, 'Teachers' Day', in collaboration with Youth Welfare Society & Music Dept., was celebrated with a pomp and show. The function started with the ribbon-cutting ceremony by Principal, Mrs. Mukta Arora & the other staff members. A tribute was paid to Dr. Sarvepalli Radhakrishnan, followed by a cultural programme presented by the students.
- The celebration was followed by a 'Card Making Competition'. In this competition, Simran (B.A II), Jaskaran Kaur (B.A III) & Anu (B.Com III), Khushboo (B.A III) & Naman (B.A III) won the first, second, third prizes and consolation prizes respectively.

Karwa Chauth

- On Oct. 19, 2024, A 'Mehndi Competition,' was organized on the eve of 'Karwa Chauth'. Mrs. Sudesh Sharma, Mrs. Raj Rani, esteemed wives of the Local Managing Committee Members, accompanied by their daughters, graced the occasion as Chief Guests. In this competition Anu (B.Com III), Manpreet Kaur (B.A III) & Inayat (B.A III) & Aarju (B.A I) won the first, second, third & consolation prizes respectively.

Diwali

- On Nov. 9, 2024, On the occasion of 'Pre- Diwali Festival Celebration', a 'Thali Decoration' and a 'Rangoli Competition' were organized.

In 'Thali Decoration Competition', Pallavi Sharma (B.A III), Gurjeet Kaur (B.A III) & Simrat (B.Com III), Gurjeet Kaur (B.A III) & Navjot Kaur (B.A III) and in 'Rangoli Competition', Khushboo (B.Com III), Aarju (B.A I) & Navjot Kaur (B.A III) won the first, second & third prizes respectively.

Lohri

- On Jan. 13, 2025, the joyous occasion of Lohri was celebrated with great enthusiasm. The bonfire was ceremoniously lit by Principal, Mrs. Mukta Arora, along with all the college staff members. The celebration continued with lively dance performances and concluded with the distribution of peanuts, rewari and popcorn among the staff and the students.

Basant Panchami

- On Jan. 31, 2025, On the occasion of 'Basant Panchami', a vibrant group song titled 'Phagun Ke Rang Udhe, Purva Ke Sang Chale' to welcome the new season was presented by Bhumika, Sakshi, Vanshika (B.A III) & Varsha (B.Com II), the Music Vocal students.

Alumni Meet

- On March 22, 2025, an 'Alumni Meet' was organized under the able supervision of Mrs. Shubhda Thakur, HOD, Economics.
  - The programme started with a welcome song 'Aj Hum Palke Bicha Kar, Kar Rahe Hai Swagtam, presented by the students of Music Vocal Department, followed by vibrant cultural performances by the students.
  - The meet concluded with heartfelt 'Bhav-Prakash' by the alumni - Sheetal, Vandana, Aarti Sharma, Gujan and others - followed by a Vote of Thanks delivered by Principal, Mrs. Mukta Arora, and a lunch party also.

Other Activities

- On Nov. 30, 2024, 'MoUs' were signed with Siara Techvision Institute, Hit Bulls Eye Academy, Human Pharmacia Pvt. Ltd., Ambala to establish collaborated efforts in the areas of training, skill enhancement and placement opportunities for students.
- On Jan. 16, 2025, Navjot Kaur, Khushpreet Kaur, Gurvinder & Naman from B.A final year attended a Seminar on 'HIV, TB, STI, OST, HIV & AIDS Prevention Control Act, 2017 organized by Civil Hospital, A/City.
- On March 25, 2025, Our five students - Naman, Vanshika (B.A. III); Preet Kaur, Palak and Pratiksha (B.Com. III) - earned a 'Certificate of Completion' with an 'A' Grade in a 'Graphic Designing Short-term Course' held at Dev Samaj College For Girls, A/City.

Achievements of the Staff Members

Mrs. Mukta Arora
(The Principal)

- Honoured as the 'Guest of Honour' at the 'Poetic Symposium', organized by Sanskriti Garima Manch', and graced the stage with a recitation of her original poetic compositions.

- Participated in a 'Poetic Symposium', on the topic 'Pandit Deendayal Upadhyay and Ramdhari Singh Dinkar' organized under the aegis of the 'Rashtrabhasha Vichar Manch', affiliated with the 'All India Sahitya Parishad.
- Felicitated by Arya Girls College, A/Cantt., for her remarkable contribution to the promotion and propagation of the Hindi language.
- Attended a workshop on 'NEP' jointly organized by KUK & DGHE at Govt. College, Ambala Cantt.
- Received a felicitation on 'Teachers' Day' by Mr. Devender Kumar, Chief Manager; Punjab National Bank.

Mrs. Jaspreet Kaur

(HOD, Punjabi)

- Felicitated by 'Bharat Vikas Parishad, Ambala City for her exceptional achievements, performance and commitment to her work.
- Attended a Workshop on 'NEP' organized both by KUK & DGHE at Govt. College, Ambala Cantt.
- Participated in UGC sponsored 'NEP-2020 Orientation & Sensitization Programme' organized under 'Malaviya Mission Teacher Training Programme' by KUK, and was awarded a Certificate of Completion.
- Honoured by 'Rashtriya Mahila Jagriti Manch', A/Cantt. for her distinguished achievements.
- Attended a 'Five-Day YRC Camp' held at M..D.S.D. College, A/City.

Mrs. Neetika Bajaj

(HOD, Commerce)

- Felicitated by 'Bharat Vikas Parishad', Ambala City for her exceptional achievements, performance and commitment to her work.
- Attended, a Virtual Conference on 'The Pendency of Verification of Forms Applied by the Students organized by DGHE.
- Attended a Virtual Workshop on 'Data Capture Format', organized under aegis of AISHE State Unit, Dept. Of Higher Education, Panchkula, Haryana.
- Attended a Meeting on 'The Pendency of Verification of Forms Applied by the Students' organized by AISHE State Unit, Dept. Of Higher Education, Panchkula.
- Attended a Meeting on 'Job and Trade Fair' organized at ITI, A/City.

Ms. Reena Sharma

(HOD, English)

- Attended a One Day Workshop-cum-Seminar on the topic ' Holistic Education, Nurturing Intelligence, love and inquity', organized jointly by EMERGE & CEASP and District Higher Education Officer, Govt. College For Women, A/City, held at S.D (PG) College, A/Cantt.

Dr. Anupam Sharma
(HOD, Asst. Professor, Hindi)

- Attended a Seminar on 'HIV, TB, STI, OST, HIV & AIDS Prevention Control Act, 2017 organized by Civil Hospital, A/City.
- Attended a One Day Workshop-cum-Seminar on the topic ' Holistic Education, Nurturing Intelligence, love and inquity', organized jointly by EMERGE & CEASP and District Higher Education Officer, Govt. College For Women, A/City, held at S.D (PG) College, A/Cantt.

Mrs. Poonam Rani
(Asst. Professor, Commerce)

- Attended a Seminar addressing critical issues: 'Life Diseases, Mental Health and Preventive Measures to Foster a Healthier Society', held at GMN College, A/City.
- Attended a 'One-day Orientation Programme' on' PFMS' conducted at KUK.
- Attended the 'National Youth Day Celebration' at Indradhanush Auditorium, Sector-5, Panchkula, presided over by the Hon'ble Chief Minister of Haryana, Shri Nayab Singh Saini.

Mrs. Preeti Prashar
(Librarian)

- Attended a Seminar on 'HIV, TB, STI, OST, HIV & AIDS Prevention Control Act, 2017 organized by Civil Hospital, A/City.
- Participated in a One Day International Webinar on 'Artificial Intelligence in Education: Transforming Teaching, Learning & Assessment for the Future' organized by Tulsi College of Education for Women, A/City.
- Participated in a One Day Webinar on 'NEP-2020 in School Education: From Policy to Practice' organized by Tulsi College of Education for Women, A/City.
- Attended a One Day Virtual Workshop on 'Intellectual Property Rights' organized by UdayVidh Foundation.
- Attended a National Seminar on ' Academic Writing and Ethics' organized jointly by 'Haryana Sahitya and Sanskriti Academy, Panchkula and Arya Girls College, A/ Cantt.'
- Attended a One Day Virtual Workshop on ' Understanding NAAC Framework and AQAR Submission' organized by Shah Satnamji College of Education, Sirsa.

Mrs. Aarti Sharma
(Asst. Professor, English)

- Attended a One Day Workshop on 'Preventing and Addressing Sexual Harassment in HEI's' organized by ' Internal Complaint Committee, KUK.

Mrs. Kirti Gupta
(HOD, Computer Science)

- Participated in a One-day International Webinar on ' Artificial Intelligence in Education: Transforming Teaching, Learning & Assessment for the Future' organized by Tulsi College of Education for Women, A/City.

- Earned a 'Certificate of Completion' with an 'A' Grade' in a 'Graphic Designing Short-term Course' held at Dev Samaj College For Girls, A/City.
- Attended a Virtual National-level Workshop on 'The Best Research Practices in Global Context', organized by M.D.S.D. College, A/City.
- Participated in a One Day Webinar on 'NEP-2020 in School Education: From Policy to Practice' organized by Tulsi College of Education for Women, A/City.

Ms. Ekta Sharma
(HOD, Pol. Sc.)

- Enriched her academic profile by earning a Master's degree in Public Administration.
- Attended a Virtual National-level Workshop on 'The Best Research Practices in Global Context', organized by M.D.S.D. College, A/City.
- Attended a 'District-level Celebration of Constitution Day', chaired by Sh. Parth Gupta, DC, Ambala held at Panchayat Bhawan, A/City.

Ms. Sukhdeep Kaur
(Asst. Professor, Commerce)

- Attended a Virtual National-level Workshop on 'The Best Research Practices in Global Context', organized by M.D.S.D. College, A/City.

Ms. Bhavna
(HOD, History)

- Attended a 'One-day Multi-disciplinary National Seminar', on the topic ' Bhagat Singh : Revisiting the Revolutionary Legacy', approved by the Director Higher Education, Haryana.

Mrs. Anita Walia
(Asst. Librarian)

- Actively served as a Polling Officer during the Assembly Elections at Sohan Lal D.A.V. School A/City.

Annual Prize Distribution Function

On April 8, 2025, Annual Prize Distribution Function was celebrated with great enthusiasm. Shriman J.C. Bhardwaj, Chairman, College Managing Committee graced the occasion as the Chief Guest. The function commenced with a melodious Welcome Song followed by Dev Samaj Bhajan and concluded with the blessings of respected Chief Guest, leaving the audience motivated and inspired.

A total of 236 students were awarded by the Hon'ble Chief Guest for their outstanding achievements in fields including Academics, Literature, Social Service, Cultural Activities, Sports and many other categories.

The event was also adorned by the gracious presence of Mrs Usha Bhardwaj (wife of Sh. J.C Bhardwaj), Shriman Om Prakashji, Shriman Harish Sapraji & Shriman Sher Singhji, esteemed members of College Managing Committee and the guests.

In addition to caterory-wise awards, 'Best Students' in various domains were also awarded for their exceptional performance.. The list of these proud awardees is as follows :

The Best Student (Arts)/President - Navjot Kaur

The Best Student (Commerce) - Divya Sharma

Vice-President - Palak (B.Com III)

Stage Secretary - Khushpreet Kaur (B.A. III) / Navjot Kaur (B.A. III)

The Best Literary Artist - Sneha (B.A. III)

The Best Performer in Fine-arts Activities - Khushbu (B.A. III)

The Most Creative Artist - Inayat (B.A. III) & Anu (B.Com. III)

The Most Versatile Student - Simrat(B.Com. III)

The Most Supportive Student - Naman (B.A. III)

The Most Hard-working Student - Jaskaran Kaur (B.A. III)

The Most Obedient Student - Jaspreet Kaur (B.A. III) & Palak (B.Com III)

The Most Sincere Student - Manpreet Kaur (B.A. III) & Preet Kaur (B.Com. III)

The Most Regular Student (100% Attendance) - Vanshika (B.A III) & Harmandeep Kaur (B.Com. III)

The Best Thought of the Day - Khushpreet Kaur (B.A. III) & Rigan Sharma (B.Com. III)

The Best Performer in Cultural Activities - Bhumika (B.A. III)

The Best NSS Volunteer - Preet Kaur (B.Com. III)

The Most Active NSS Volunteer - Naman (B.A. III)

The Most Sincere NSS Volunteer - Pallavi (B.Com. III), Navjot Kaur (B.A. III)

The Best YRC Volunteer - Gurvinder Kaur (B.A III)

The Best Performer in Haryanvi Dance - Muskan Verma (B.A III)

Bhav Prakash Sabha

On April 15, 2025, 'Bhav Prakash Sabha', a one-of-a-kind tradition of Dev Samaj was organized to bid farewell to the outgoing students of Arts & Commerce streams. The students of B.A II - Varsha, Jasmeet, Varinda & Bhawna Sharma - commmenced the sabha by expressing their heartfelt gratitude and admiration for their seniors.

Later, The students of B.A III - Amanjot Kaur & Gurpreet Kaur - sang a farewell song - Aj Sathi Iss Vida Mein' and a group of final-year Music Vocal students expressed their heartfelt gratitude to their teachers by singing a devotional song from the Dev Samaj devotional text, seeking their blessings -

“Mere Shikshak Jano Mujhko, Ye Aashish Apni Do”.

Thereafter, Khushpreet Kaur, Navjot Kaur, Naman, Jaspreet Kaur, Anjali, Bhumika, (B.A. III), Khushboo, Dolly, Regan and Preet Kaur (B.Com. III) shared their deep emotions and cherished memories, expressing their respect and love for the college, their mentors and their friends - both juniors and classmates.

The sabha concluded on a warm and emotional note with the teachers singing another devotional composition from the Dev Samaj book to bless the outgoing students with wishes for success, growth, and a prosperous life ahead - 'Phulo Phalo Aur Viksit Hovo, Jeevan Mein Tum Sab Nishdin.'

Farewell Party

On April 16, 2025, An exhilarating Farewell Party was organized by their juniors to bid farewell to the seniors of Arts and Commerce streams. The energetic dance performances, interactive games, and the modelling contest by the final-year students brought the audience to a stand still . In the modelling contest, Naman (B.A. III) was crowned Miss Final, while Palak (B.Com III) & Khushi (B.A III) were bestowed with the titles of First Runner- Up and Second Runner-Up respectively.

The activities mentioned above reflect the hardwork, dedication and the teamwork of our students and mentors, through various programmes and awareness campaigns, they have not only brought pride to the college but also helped in building a positive, healthy and progressive environment around them. These efforts play a key role in shaping our students into confident, responsible and well-rounded individuals.

All these efforts would not yield the desired results without the unwavering trust and support of our college management. We are truly grateful to them for their constant encouragement and appreciation, which inspire us to push our limits and bring out the best in ourselves.

We sincerely hope all our dear readers enjoy and appreciate the efforts we've invested in this edition. Stay tuned next year as well for many more reports highlighting productive and creative activities organized by our college.

Best Regards

RETIREMENT PARTY OF MRS. VEENA
(THE SERVICE STAFF)

SHOW STOPPERS

देवसमाज कॉलेज में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का हुआ आयोजन

चमनपत्रिका अम्बाला शहर 09 अप्रैल (पत्रिका ब्यूरो)–देवसमाज कॉलेज अम्बाला शहर में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जगदीश चंद भारद्वाज, कॉलेज चेयरमैन ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की। प्राचार्या मुक्ता अरोड़ा ने पुष्पगुच्छ देकर माननीय मुख्यातिथि और उनकी धर्मपत्नी उषा भारद्वाज का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत देवसमाज स्वागत गीत एवं देव समाज भजन पर आधारित कव्वाली से हुई। प्राचार्या मुक्ता अरोड़ा ने मुख्यातिथि के समक्ष कॉलेज की वार्षिक रिपोर्ट पढ़ी और उन्हें कॉलेज में किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों से अवगत करवाया। माननीय मुख्यातिथि ने सिमरन कौर, मनप्रीत, प्रिया शर्मा, मानसी, कनिका (आर्ट्स), हर्षप्रीत, इशिका, डॉली, ईशा एवं वर्षा को शैक्षणिक, नवजोत, खुशप्रीत, गुरविंदर, प्रीत कौर, खेहा, इनायत, भूमिका, खुशबू, हरमनदीप, वैष्णवी, अनु, दिव्या, सिमरत, पाखी, पलक, डिंपी एवं अन्य छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगिताओं में उनकी अनेकों उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत किया गया। कुल 256 पुरस्कारों द्वारा विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक, सांस्कृतिक, एन. एस. एस, गृहविज्ञान, शारीरिक शिक्षा, रेड रिब्बन, यूथ रेड क्रॉस, यूथ

देव समाज कॉलेज की छात्राओं का परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन

अम्बाला हलचल

अम्बाला। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा घोषित बी ए चतुर्थ सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में देव समाज कॉलेज की छात्राओं का परीक्षा परिणाम शानदार रहा। प्राचार्या मुक्ता अरोड़ा ने कक्षा इंचार्ज प्रो आरती शर्मा के साथ आर्टस विभाग की सभी शिक्षिकाओं एवं छात्राओं को हार्दिक बधाई देकर प्रोत्साहित किया। उन्होंने सभी छात्राओं के उज्वल भविष्य के लिए मंगलकामना की। परीक्षा परिणाम कुछ इस प्रकार

कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया व तृतीय स्थान पर शिवानिका रही जिसने (84%) अंक प्राप्त किए। उल्लेखनीय है कि इन छात्राओं ने समय-समय पर

देव समाज कॉलेज में निबंध लेखन प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

चमनपत्रिका अम्बाला शहर 27 मार्च (पत्रिका ब्यूरो)–देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्स, अंबाला शहर में देव समाज के पारम्परिक दिवसों की कड़ी में उद्भिद जगत के सम्बन्ध के उपलक्ष्य में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कॉलेज की छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कॉलेज की प्राचार्या मुक्ता अरोड़ा ने परंपरा को निभाते हुए उद्भिद जगत के प्रति अपना आभार प्रकट करते हुए बताया कि हमें पेड़-पौधों के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। पेड़- पौधे हमारे जीवन का आधार हैं। हमें इनका पालन-पोषण अपने हृदय से करना ... उपकार है। पेड़ पौधे न केवल हमारे आहार ... रखने में सहायक हैं। निर्णायक मंडल की ... र्मा ने बीए तृतीय वर्ष से प्रथम स्थान पर

देव समाज कॉलेज में मनुष्य और प्रकृति के संबंध के विषय में निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

अंबाला हलचल

अंबाला। देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्स अंबाला शहर में आज भगवान देवात्मा के पारंपरिक दिवसों की श्रृंखला में भौतिक यज्ञ और मनुष्य मात्र यज्ञ दिवस मनाया गया। जिसमें हिंदी विभाग की अध्यक्षा डॉ अनुपम शर्मा द्वारा मनुष्य और प्रकृति का संबंध विषय पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। जिसमें लगभग 15 छात्राओं ने भाग लिया। कॉलेज की प्राचार्या ने मुक्ता अरोड़ा जी ने छात्राओं को देव समाज के संस्थापक

प्रकृति और इंसान एक दूसरे से जुड़े हुए है। हमें हमेशा प्रकृति के मूल्य को समझते हुए उसका सम्मान करना

देव समाज कॉलेज में करवा चौथ की पूर्व संध्या पर मेहंदी प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

अम्बाला हलचल

अम्बाला। देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्स अंबाला शहर में आज करवा चौथ के उपलक्ष्य में मेहंदी प्रतियोगिता करवाई गई। इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने शिक्षकों के हाथों में विभिन्न डिजाइन उकेरकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस अफसर पर देव समाज परिवार से सदेश शर्मा, राज रानी, पूजा ...थि के रूप ...तियोगिता में

प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा

प्रथम स्थान : अनु बी कॉम तृतीय वर्ष

द्वितीय स्थान : मनप्रीत कौर बी ए तृतीय वर्ष

तृतीय स्थान : इनायत बी ए तृतीय वर्ष और आरज़ू बी ए प्रथम वर्ष

सांत्वना : जसप्रीत कौर बी ए द्वितीय वर्ष

आकर्षक डिजाइनों में मेहंदी लगाकर सभी के मन को मोहित किया। प्राचार्य मुक्ता अरोड़ा मे छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में ... भरे अपने हाथों में मेहंदी के रंग सजाती हैं। हथेलियों पर सजी मेहंदी अपने अस्तित्व को मिटाकर जिस प्रकार अपने खूबसूरत रंग और सुगंध से परोपकार ... प्रशंसा की और सभी विजेताओं को बधाई भी दी। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका प्रो. नीतिका और प्रो. सुखदीप ने निभाई। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. पिंकी बजाज ने किया और प्रो. कीर्ति ने भी इसमें अपना सहयोग दिया।

स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करके मनाया एनएसएस दिवस

अम्बाला हलचल

अम्बाला। देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्स अंबाला शहर में एन एस एस विभाग द्वारा एन एस एस दिवस के अवसर पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर नारा लेखन प्रतियोगिता, मतदाता जागरूकता रैली कॉलेज प्रांगण से कपड़ा मार्केट रोड, रेलवे स्टेशन, नदी मोहल्ला तक निकाली गई और रेलवे ... चर्चा की और उन्होंने बताया कि छात्राओं को बिना किसी लालच के देश के हित में अपने वोट का उपयोग करना चाहिए। प्राचार्या मुक्ता अरोड़ा ने रैली को हरी झंडी दिखाई और छात्राओं को मतदान के महत्व के बारे में समझाया।

कार्यक्रम का संयोजन एनएसएस प्रभारी प्रोफेसर पूनम रानी और निर्वाचन साक्षरता क्लब की नोडल अधिकारी प्रीति पराशर ने किया।

देव समाज कॉलेज में मनाया गया एंटी रैगिंग सप्ताह

चमनपत्रिका अम्बाला शहर 17 अगस्त (पत्रिका ब्यूरो)–देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्स अंबाला शहर में एंटी रैगिंग सेल की तरफ से यू जी सी के नियमों का पालन करते हुए रैगिंग के विरुद्ध जागरूकता फैलाने तथा इस जघन्य अपराध को रोकने के लिए 12 अगस्त से 18 अगस्त तक एंटी रैगिंग सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर छात्राओं को रैगिंग न करने तथा ना ही होने देने की शपथ भी दिलाई गई छात्राओं को बताया गया कि यदि कोई रैगिंग करता हुआ पाया जाता है तो उसे संस्था से निष्कासित किया जाएगा और इस अपराध के तहत 25000 से 1 लाख तक का जुर्माना भी देना पड़ सकता है। प्राचार्य मुक्ता अरोड़ा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि हमारे कॉलेज का

कैंसर के कारण, रोकथाम और उपचार बताए

अंबाला सिटी। देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्स में राष्ट्रीय कैंसर दिवस मनाया गया। जिसका आयोजन यूथ रेड क्रॉस व रेड रीबन क्लब की ओर से किया गया। इस मौके पर प्रभारी प्रोफेसर जसप्रीत कौर ने कैंसर के कारण, रोकथाम और उपचारों के बारे में छात्राओं को अवगत कराया। इस अवसर पर छात्राओं को अपना स्वयं परीक्षण करने ... डाक्टरी परामर्श लेने का सुझाव ... र सूखे मेवे और हरी सब्जियों का ... चार्या मुक्ता अरोड़ा ने भी छात्राओं ... त किया और स्वयं के खानपान में

हर व्यक्ति मानवाधिकार का हकदार : एकता शर्मा

अम्बाला | देव समाज कॉलेज में सोशल साइंस फोरम ने लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम करवाया। पहली कड़ी में छात्राओं को सरकार द्वारा चलाए बाल विवाह मुक्त भारत कार्यक्रम की वीडियो दिखाई। दूसरी कड़ी में छात्राओं ने मानव अधिकार विषय पर निबंध लेखन व महिलाओं के विरुद्ध हो रहे अपराधों के विषय में नारा लेखन

छात्राओं को समझाया नेत्रदान का महत्व

अंबाला सिटी। देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्स में यूथ वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान से नेत्रदान जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

माधव नेत्र ज्योति सोसाइटी के वरिष्ठ अधिकारी सक्षम राज्य प्रधान नरिंद्र बतरा, कन्वीनर अरविंद जैन, सचिव श्रीकृष्ण सैनी एवं कार्यकारिणी सदस्य सरोज अग्रवाल ने छात्राओं को नेत्रदान के महत्त्व को समझाते हुए बताया कि मृत्यु के बाद नेत्रदान किया जा सकता है। उन्होंने

देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्स में नेत्रदान जागरुकता कार्यक्रम में उपस्थित मेहमान। संस्थान

प्राचार्य मुक्ता अरोड़ा ने उनका धन्यवाद करते हुए कहा कि नेत्रदान एक महायज्ञ है और इस यज्ञ में आहुति मरणोपरांत ही दी जा सकती है। संवाद

भगवान देवात्मा के 174वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में हुआ पॉवर पॉइंट प्रतियोगिता का आयोजन

अंबाला हलचल

देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्स में 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' विषय पर वक्तव्य का आयोजन

अंबाला हलचल

अंबाला। देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्स अंबाला शहर में सोशल साइंस फोरम द्वारा 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' विषय पर एक वक्तव्य का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ जगदीप सिंह जी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान भारत का सर्वोच्च कानून है। उन्होंने अपने वक्तव्य के माध्यम से छात्राओं को संविधान के विषय में विस्तृत जानकारी दी और कहा कि हमारा संविधान विस्तृत होने के साथ-साथ विशेष भी है। उन्होंने संविधान के इतिहास वर्तमान भविष्य को लेकर भी कई सारी महत्वपूर्ण जानकारी को सभी के समक्ष सांझा किया व कहा कि हमें हर स्थिति में अपने संविधान का सम्मान करना चाहिए और गर्व करना चाहिए की हमारे देश का संविधान सबको

संभावना नहीं रहती। प्राचार्या मुक्ता अरोड़ा जी ने मुख्य अतिथि का धन्यवाद करते हुए कहा कि हमारे देश का संविधान सर्वोपरि है व हम सब ... बनाए रखने के निरंतर प्रयास करते रहने चाहिए हमें संविधान के नियमों व अपने कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा से करना चाहिए। इस कार्यक्रम

देव समाज कॉलेज में नए सत्र की शुरूआत में छात्राओं के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का किया आयोजन

अम्बाला हलचल

अम्बाला। देव समाज कॉलेज, अम्बाला शहर में नए सत्र की शुरूआत में बी. ए. और बी. कॉम प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आगाज संगीत स्वर विभाग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत देव समाज की प्रार्थना 'भला चाहना मनुष्य मात्र का इंसान वाजिब है' से हुई। इसके बाद मंच संचालक प्रो. शुभदा ठाकुर ने नई छात्राओं का स्वागत किया और उन्हें अपने कॉलेज और इससे जुड़ी परम्पराओं से अवगत करवाया और बताया कि आज जब समाज से नैतिक मूल्यों का हनन हो रहा है ऐसी विकट परिस्थिति में भी देव समाज कैसे अनुशासन, परमार्थ और अन्य उच्च कोटि के विचारों को आज भी नई पीढ़ी में समाहित करने को तत्पर है। देव समाज का ध्येय छात्राओं का केवल बौद्धिक विकास करना नहीं अपितु उनका आत्मिक विकास करके उनको उच्च कोटि का इंसान बनाना है। इस अवसर पर छात्राओं को संबोधित करते हुए प्राचार्या मुक्ता अरोड़ा ने कहा कि महाविद्यालय में प्रवेश हर नवयुवती का सपना होता है। यही वो मंच है जो उनके सपनों को नई उड़ान देता है। अतः इस अवसर का पूर्णतः लाभ उठाते हुए किताबी ज्ञान के साथ-साथ आप सब कॉलेज में आयोजित प्रतियोगिताओं एवं अन्य समाज सुधार के कार्यक्रमों में भाग लें और अपना सर्वांगीण विकास करते हुए अपने लक्ष्य-पथ पर निरंतर अग्रसर होवें। इस अवसर पर कॉलेज के सभी स्टाफ मेंबर्स ने भी उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

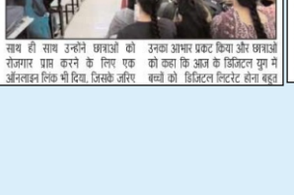

देव समाज कॉलेज में डिजिटल मार्केटिंग पर एक दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

अम्बाला हलचल

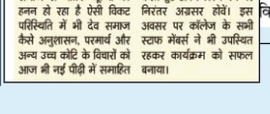

अम्बाला। देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्स अंबाला शहर में आज डिजिटल मार्केटिंग पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संयोजन एन.एस.एस विभाग की प्रभारी प्रो. पूनम रानी और कंप्यूटर विभाग की प्रभारी प्रो. कीर्ति गुप्ता की देखरेख में हुआ। इस कार्यशाला का संयोजन टीम फायर 64 द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने छात्राओं को डिजिटल मार्केटिंग क्या है और आज के जीवन में इसका किस जगह प्रयोग हो

साथ ही साथ उन्होंने छात्राओं को रोजगार प्राप्त करने के लिए एक ऑनलाइन लिंक भी दिया, जिसके जरिए ... उनका आभार प्रकट किया और छात्राओं को कहा कि आज के डिजिटल युग में बच्चों को डिजिटल लिटरेट होना बहुत

भाविप ने देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्स में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम किया आयोजित

अंबाला कवरेज@ अंबाला। हरियाणा उत्तर प्रांत में सेवारत अम्बाला शहर की भारत विकास परिषद महर्षि दयानंद शाखा द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएं देने के लिए गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम के अंतर्गत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रोफेसर जसप्रीत कौर व प्रोफेसर नितिका बजाज को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही बीए तृतीय वर्ष की छात्रा मनप्रीत और बीकॉम तृतीय वर्ष की छात्रा डोली को सर्वश्रेष्ठ छात्रा अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मनोज गर्ग द्वारा भारत विकास परिषद का परिचय व भारत विकास परिषद की गतिविधियों से

अवगत कराया गया। डॉक्टर किरण आंगरा द्वारा गुरु वंदन छात्र अभिनंदन का अभिप्राय एवं छात्राओं को गुरुजनों का सम्मान करने एवं उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद की सदस्या नीलकमल खेड़ा ने भी छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए अपने लक्ष्य को ऊंचा रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्राओं को भारतीय सेना में भर्ती होने के लिए भी प्रेरित किया। प्राचार्य मुक्ता अरोड़ा ने सदस्यों का धन्यवाद करते हुए कहा कि भारत विकास परिषद सदा से विद्यार्थियों में समर्पण, सेवा और संस्कार की भावना अनुस्यूत करने में अपना अनुपम योगदान दे रहा है। भारत विकास परिषद की इस परंपरा को वंदन करते हुए उन्होंने सम्मानित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी। यह जानकारी शाखा के प्रेस सचिव श्रीकृष्ण सैनी ने सांझा की।